



भारत का राजस्त्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २०] नई दिल्ली, शनिवार, मई १४, १९८३ (बैशाख २४, १९०५)

No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 14, 1983 (VAISAKHA 24, 1905)

इस भाग में भिन्न घट्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—११००११, दिनांक ५ अप्रैल १९८३

सं० पी० ९७४/ प्रशा० III—विशेष संगठन समिति, नवां एशिया खेल (१९८२) सचिवालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक के पद से २५-३-८३ के अपराह्न से उनके प्रत्यावर्तन के परिणामस्वरूप श्री आर० एल० मदान ने २६-३-८३ के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद का कार्य-भार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक ८ अप्रैल १९८३

सं० ए० ३२०१४/२/८३-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित वैयक्तिक सहायक/वयन ग्रेड वैयक्तिक सहायक को राष्ट्रपति द्वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स०

स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :-

क्र०	सं०	नाम	अवधि	प्रभुक्ति
1.	श्री सुन्दर लाल	28-3-83 से 27-6-83 तक	श्री आर० एन० शर्मा के निं० स० के पद पर पदोन्नत हो जाने सपर उनके स्थान पर।	
2.	श्री आर० पी० डंग	11-4-83 से 18-7-83 तक	श्री तरसेमसिह के निं० स० के पद पर पदोन्नत हो जाने पर नके स्थान पर।	

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

3. सर्वेश्वी सुन्दर लाल और आर० पी० डंग की नियुक्ति क्रमशः ११-५-८३ से २७-६-८३ तथा १०-७-८३ तक की

अधिकारी के लिए कलेंडर वर्ष के दौरान 120 दिन से अधिक की अवधि के लिए कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन से की गई है।

अ० रा० गांधी
अवर सचिव (प्रशासन)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 19 अप्रैल 1983

सं० ओ० दो० 1796/83 स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर श्रीमती श्रीलक्ष्मी वैगसानर को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड— (डि० एस० पी० / कम्पनी कमान्डर) के पद पर 21 मार्च 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षा में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1798/83—स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर प्रणालन्धु वेयनाथ को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डि० एस० पी० / कम्पनी कमान्डर) के पद पर 23 मार्च 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण के ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

थम एवं पुनर्वास मंत्रालय

(थम विभाग)

थम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 7 मई 1983

सं. 23/3/83-सी. पी. आई.—मार्च, 1983 में अशोगिक अभियोगों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1983 के स्तर से 2 अंक बढ़ कर 502 (पांच सौ बांहों) रहा। मार्च, 1983 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर (छः सौ दरा) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1983

सं० प्रशासन-III/2(1) /1 /III /114—निदेशक
लेखा परीक्षा, वाणिज्य निर्माण कार्य एवं विविध, नई दिल्ली

निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सामने दर्शायी गई तिथि से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतन मान में अन्तिम आधार पर अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने के आदेश देते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदोन्नत होने की तिथि
1.	श्री जी० सी० जोशी -II	8-11-82
2.	श्री आर० डी० वशिष्ठ	22-3-82
3.	श्री बाबूभद्रनाथ मनन	23-3-83

अजीत कुमार पट्टनायक
उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, मध्य रेलवे,
बम्बई वी० टी०, दिनांक 20 अप्रैल 1983

सं० ले० प०/ प्रशासन/विविध/गोपनिय /2402—
श्री प्र० ग० पाटील स्थानापन्न प्रबरण कोटि अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) दिनांक 31-3-83 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किये गये हैं।

सं० ले० प० /प्रशासनविविध/गोपनिय/2402 —
श्री क्षी० क्षी० कुलकर्णी, स्थानापन्न प्रबरण कोटि अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) दिनांक 6-1-83 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किये गये हैं।

के० एस० रंगमूर्ति
निदेशक लेखा परीक्षक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1983

सं० 53 / ए० प्रशासन / 130/ 82 —विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में स्थानान्तरण के आधार पर लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री ए० सी० साहा, अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी (स्थायी अनुभाग अधिकारी) (आडिट) का इस विभाग में ग्रहणाधिकारी, मूल नियम 14 ए० (डी) के अधीन दिनांक 5-5-1982 (पूर्वाह्न) से समाप्त किया जाता है।

भगवान शरण तायल
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय
भारतीय आईडीएस फैक्टरीरेयां सेवा
आईडीएस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता -700016, दिनांक 16 अप्रैल 1983

सं० 20/जी० /83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन संयुक्त महाप्रबन्धक के पद पर उनके सामने वर्णयी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :-

1. श्री जी० एस० अहलुवालिया, संयुक्त निदेशक - 30-11-82
 2. श्री झी० के० बग्नु, " " 29-11-82
 3. श्री वी० आर० शिवकुमार " " -वही-
 4. श्री आर० एस० मिश्र, उप महाप्रबन्धक " " -वही-
 5. श्री तरित गुप्ता, " " 30-12-82
- वी० के० मंहता
निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

सं० ए०-12025 (1)/3/81-झी० सी० एच०/प्रशासन 11(क)—राष्ट्रपति, श्री दौलत राम गुप्ता को 20 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुतकर सेवा केन्द्र, गोहाटी में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनय शा
अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय
(उद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (सघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल, 1983

सं० 12(608) / 69-प्रशा० (राज०) खण्ड-2 —
राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (सघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) श्री आर० मुख्योपाध्याय को उसी कार्यालय में दिनांक 31 मार्च, 1983 (पूर्वाह्न) से, तदर्थ आधार पर, उप निदेशक (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(594)/82 — प्रशासन (राजपत्रित)
— राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, प्रशासन के लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी (ओ० प्र० प्र०) श्री के० ए० लक्ष्मनन

को लघु उद्योग विकास संगठन में दिनांक 13-10-1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (ओ० प्र० प्र०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1983

सं० प्र०- 1 / 1 (977) —राष्ट्रपति श्री ओ० पी० शर्मा, सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड III, युप "ए") को दिनांक 30-3-83 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II, युप ए) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री ओ० पी० शर्मा की उप निदेशक पूर्ति के रूप में तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गयी सेवा उस ग्रेड में बरीयता, पदोन्नति की प्राप्तता तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

एस० बालासुब्रामणियन
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1983

सं० : ए-17011/218/83 प्र-6 :महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, जमशेदपुर निरीक्षणालय भै भण्डार परीक्षक (घातु) श्री आर० एस० कहारे को दिनांक 17 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी निरीक्षणालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से सहायक निरीक्षण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सोहन लाल कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० 3325 वी /ए-32013 (2-जी जे)/ 83-19 वी.
— कोल इण्डिया लि० से परावर्तन पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद् श्री सुब्रत चक्रवर्ती ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्र कलकत्ता में भूभौतिकीविद् (कनिष्ठ)

(कृतित) के पद का कार्यालय 1-3-83 (पूर्णीत) से पदोन्नति पर सम्भाल लिया है।

एस० के० मुख्यमंत्री
महानिवेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० ए-19012(26)/70-स्था० ए०--
श्री सौ० शंकर राव, स्थानीय अधिकारी (सांखिकी)
भारतीय खान ब्यूरो ने भारतीय सांखिकी का सेवा प्रेषण 4 में सम्पत्ति किए जाने और रिट्रैट रिट्रैट (क्रुरंगर, सांखिकी एवं प्रकाशन), राजस्व विभाग, नई दिल्ली में सांखिकी के पद पर नियुक्त होने के परिणामस्वरूप भारतीय खान ब्यूरो के खनिज अधिकारी (सांखिकी) का अपना पदभार दिनांक 31 जनवरी 1983 के अपराह्न से छोड़ दिया है।

व० च० सिंश्र
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

पर्यावरण विभाग
भारतीय वनस्पति संबंधित
निवेशक का कार्यालय

हावड़ा-1 1103, दिनांक 21 अप्रैल 1983

सं० भावस -66 /150 /83 —स्था —निवेशक,
भारतीय वनस्पति संबंधित श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, सहायक
(कार्यालय), उत्तर क्षेत्रीय वृत्त भारतीय प्राणि संवर्धन,
वेहरादून की नियुक्ति भारतीय वनस्पति संबंधित में हिन्दी
अधिकारी पद (प्रतिनियुक्ति) पर 650-30-740-35-
810-३० रो० -35-880-40-1000-३० रो०-40-
1200 वेतनमान और उनके लिए ग्राह्य अन्य भत्ताओं के
साथ 11-4-83 के पूर्वाह्न से प्रथमतः एक वर्ष के लिए
स्थानापन क्षमता में करते हैं।

श्री जन ने भा०व०प० में हिन्दी अधिकारी का पद
(प्रतिनियुक्ति) पर 11-4-1983 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।
इस पद के लिए उनका वेतन भुगतान 11-4-83 से होगा।

एस० एन० कर
प्रशासन अधिकारी

आकाशवाणी महानिवेशालय
(सिविल निर्माण स्कॉल्य)

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

सं० ए-19012/26/82-सौ० डब्ल्यू / 661 —
महानिवेशक आकाशवाणी नई दिल्ली, एम० ई० एस० के

श्री इजमाल हुसैन बी/आर-१ को 25-10-82 (अपराह्न) से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा नहीं जाता, जो भी पहले हो 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक कार्यसंबंधित (सी)-सिविल निर्माण स्कॉल्य, आकाशवाणी, नई दिल्ली के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2 श्री इजमाल हुसैन का वेतन व भत्ते समय समय पर संशोधित वित्त भवालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 10/24/ई-8 /60 दिनांक 4-5-1961 के अनुसार नियमित किए जाएंगे।

एस० के० मोहनद्वा
मुख्य इंजीनियर (सी) के इंजीनियरी, अधिकारी
कूटे महानिवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1983

सं० |3/1/83-एस 3—निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने अपनी पदोन्नति होने पर आकाशवाणी के विभिन्न का लिए में अस्थाई क्षमता में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है :

क्रम सं०	नाम	तैनाती केन्द्र	कार्यप्रहण करने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1	श्री के० अनन्तपद्मानाभन	उ० श० प्र० आ० भद्रास	8-3-83
2.	श्री जी० एम० वी० सुव्वाराव आकाशवाणी विशाखापत्तनम	24-3-83	
3.	श्री एस० एस० श्रीवास्तव आ०, अम्बिकापुर	31-3-83	
4.	श्री पी० श्रीविन्दक्षण	उ० श० प्र० आ० भद्रास	28-3-83
5.	श्री एम० वेंकटसुद्रामणियम	तदेव	9-3-83
6.	श्रीमती आर० जयलक्ष्मी	मुख्य इंजीनियर (परिचारी क्षेत्र) आकाशवाणी बम्बई	30-3-83
7.	श्री के० आर० चालपन	आकाशवाणी कलकत्ता	29-3-83
8.	श्री हरिपद चौधरी	आकाशवाणी कटक	30-3-83

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	श्री आर० एम० जोशी	उ० श० प्र०, आ०	
		राजकोट	8-4-83

10. श्री एस० एन० भट्ट आकाशवाणी जोधपुर
31-3-83

वाई वर्मा
प्रशासन उपनिदेशक
कूले महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक, 22 अप्रैल 1983

सं० ४ (४६)/८२—एस के०—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सुभाष चन्द्र भाटिया, को २५ मार्च, १९८३ से अगले आदेश तक ६५०-३०-७४०-३५-८१०—द० १० ३५-८८०-४०-१००० घ० रो० -४०-१२०० रुपये के बेतनमान में आकाशवाणी, नई दिल्ली में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कूले महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983

सं० ए० 12025/14/८०—प्रशासन—राष्ट्रपति ने श्री कालकर सिवदेश्वर शीमराव को इस निदेशालय में २८ फरवरी, १९८३ (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक वास्तुविद् के पद पर पूर्णतयः अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 21 अप्रैल 1983

सं० ए० 19019/16 /८१ —प्रशासन—१—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली में उप—वास्तुविद् के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप, श्री आर० एन० कपूर ने ८ अप्रैल, १९८३ के अपराह्न से केन्द्रीय डिजाइन ब्यूरो स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से सहायक—वास्तुविद् के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

ठी० सी० जैन
उप निदेशक प्रशासन (ओ० ए० ए० एम०)

उत्काष्ठन विकास संस्थान

देहरादून, दिनांक 5 अप्रैल 1983

सं० ६-१५८ /८३ —एस० ठी० आई०—श्री सी० के० जोशी, सहायक उत्काष्ठन अनुदेशक, उत्काष्ठन विकास संस्थान चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) को दिनांक 19 फरवरी

1983 (पूर्वाह्न) से उत्काष्ठन विकास संस्थान चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) में उत्काष्ठन अनुदेशक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति की जाती है।

के० सी० थपलियाल
संयुक्त निदेशक

परमाणु उर्जा विभाग

विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग
बम्बई—५ दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० वि०प०अ०प्र०/३ (४०)/७६—स्थापना—२८२—निदेशक, विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बम्बई एतद्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री ए० के० बैनर्जी को मार्च 22, 1983 के पूर्वाह्न से अप्रैल 30, 1983 के अपराह्न तक की अधिकृति के लिए उसी प्रभाग में सुरक्षा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सुरक्षा अधिकारी श्री एम० एम० मैथ्यू के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर चले गए हैं।

आर० व्ह० बाजपेयी
सामान्य प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई—४००००१, दिनांक 16 अप्रैल 1983

सं० डी० पी० एस० /४/१(४)/७१-प्रशा०/१३१९०—परमाणु उर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने निम्नलिखित “अधिकारियों को सहायक क्रय अधिकारी के स्थायी पदों पर इसी निदेशालय में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से मूल रूप से नियुक्त किया है:—

के०	नाम और पदनाम	मौलिक नियुक्ति स्थायी पद की तिथि यदि कोई हो तो
सं०		
1.	श्री बी० एल० ठाकुर क्रय अधिकारी केन्द्रीय क्रय यूनिट	10-10-79
2.	श्री के० पी० एस० पिलै सहायक क्रय अधिकारी [केन्द्रीय क्रय यूनिट	2-4-83 क्रय सहायक
3.	श्री डब्ल्यू० सी० जेत्ती सहायक क्रय अधिकारी केन्द्रीय क्रय यूनिट	2-4-83 क्रय सहायक
4.	श्री एस० जी० जेले सहायक क्रय अधिकारी केन्द्रीय क्रय यूनिट	2-4-83 क्रय सहायक

दिनांक 19 अप्रैल 1983

सं० डी० पी० एस० / 4/1 (5) / 77-प्रशा० / 13434:

— परमाणु उर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक भंडार अधिकारियों के स्थायी पदों पर इसी निदेशालय में 2 अप्रैल 1983 से मूल रूप से नियुक्त किया है :-

क्र० नाम, पदनाम तथा यूनिट	स्थायी पद	यदि कोई
सं०	हो तो	
1. श्री के० पी० सिंह सहायक भंडार अधिकारी कोटा प्रादेशिक क्रय और भंडार यूनिट	भंडारी	
2. श्रीमती आलीस मंथू सहायक भंडार अधिकारी केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्रास्बे.	भंडारी	
3. श्री धू० टी० सतपुटे सहायक भंडार अधिकारी केन्द्रीय भंडार यूनिट, द्रास्बे	भंडारी	

एस० कृष्ण
प्रशासनिक अधिकारी

वम्बई-400001, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० डी० पी० एस० / 4/1/14/83-प्रशा० / 13303—
इस निदेशालय की तारीख 16-7-82 की समसंबद्धक अधिसूचना के क्रम में, परमाणु उर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी तथा स्थानापन्न मुख्य भंडारी श्री वजीर चन्द को रूपए 650-30-740-35-810-८० रो०-35-880-40-1000-८० रो०-40-1200 के वेतनमात्र में सा० 23-6-1982 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थी आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 20 अप्रैल 1983

सं० डी० पी० एस० / 4/1/2/83-प्रशा० / 13709—
परमाणु उर्जा विभाग के क्रिय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार अधिकारी श्री जॉन वरीड़ की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी भंडारी श्री ह० एस० नटराजन को रूपये 650-30-740-35-810-८० रो०-35-880-40-1000-८० रो०-40-1200- के वेतनमात्र में 14-2-83 (अपराह्न) तक के लिये तदर्थी आधार पर

इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडारी अधिकारी नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी
प्रशासनिक अधिकारी IIपरमाणु ऊर्जा विभाग
(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० प० ख० प्र० -1/25/82-भर्ती — परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री जी० ए० धी० शेखर को परमाणु खनिज प्रभाग में 7 अप्रैल 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी से वैज्ञानिक अधिकारी/प्रभित्या ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त रूप करते हैं।

दिनांक 19 अप्रैल 1983

सं० प० ख० प्र०-16/3/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक व स्थानापन्न सहायक, श्री टी० पी० जार्ज को उसी प्रभाग में श्री टी० एस० नारायणन, सहायक कार्मिक अधिकारी जिहे छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 28 मार्च, 1983 से लेकर 26 अप्रैल, 1983 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 अप्रैल 1983

सं० प० ख० प्र०-1/60/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा डा० लक्ष्मण को परमाणु खनिज प्रभाग में 7 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर आगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" (चिकित्सा) नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे
वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

इस्टैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा

हसन-573201, दिनांक 21 मार्च, 1983

सं० प्र० नि० सु० प्रशा० स्था 001—अंतरिक्ष विभाग के इस्टैट-1 अंतरिक्ष खण्ड परियोजना के परियोजना निदेशक, अंतरिक्ष विभाग में स्थायी कर्मचारी श्री डी० आर० एन० मूर्ति को इस्टैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा में सहायक क्रय अधिकारी के रूप में, दिनांक फरवरी 14, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

बी० पी० डी० नाम्बियार
प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन एवं नगर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 23 अप्रैल 1983

सं० ए० 32013 (निदे०) /5/82-स्था-ए राष्ट्रपति, भारत
मौसम विज्ञान विभाग में नियुक्त निम्नलिखित श्रेणी-1 के मौसम
विज्ञानियों को उसी विभाग में उनके नामों के आगे दी गई तारीखों
से आगामी आदेशों तक निदेशकों के रूप में स्थानापन्न, नियुक्ति
करते हैं:—

1. श्री जितेन्द्र लाल	17-12-1982
2. श्री रणजीत सिंह	17-12-1982
3. श्री बी० के० श्रीधर	3- 1-1983
4. श्री पी० ई० मोरे	17-12-1982
5. श्री ए० चौधरी	17-12-1982
6. श्री जी० एस० मंडल	17-12-1982
7. श्री बी० एस० रामचन्द्रराव	18-12-1982
8. श्री के० रमन	28-1-1983
9. श्री बी० एम० लालड़ा	17-12-1982
10. डा० एच० एस० बेदी	17-12-1982
11. श्री एम० जी० गुप्ता	17-12-1982
12. श्री एम० एस० सिंह	17-12-1982
13. डा० आर० आर० केलकर	17-12-1982
14. श्री के० बीराराघवन	०७-१२-१९८२
15. डा० एस० के० श्रीवास्तव	17-12-1982
16. श्री पी० मोहम्मद	17-12-1982
17. श्री के० आर० राव	17-12-1982
18. श्री पी० एम० पाकीर मोहम्मद	23-12-1982
19. श्री ए० यिरुवनगथायन	17-12-1982
20. डा० यू० एस० डे	25-2-1983 (अपराह्न) एस० के० दास

मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नगर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल, 1983

सं० ए० 12025/3/71-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक
4-9-1982 की अधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-ई० 1
के क्रम में महानिदेशक नगर विमानन ने नगर विमानन
विभाग में के० के० शर्मा की हिन्दी अधिकारी के पद पर की
गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 30-6-1983 तक अथवा पद
के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले
हों, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्याकरण गुप्ता
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल, 1983

सं० ए० 32013/1/82-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री
मधुसूदन, वरिष्ठ विमान निरीक्षक को दिनांक 17-3-1983

से छ: मास की अवधि के लिए या पद पर नियमित नियुक्ति
होने तक इनमें से जो भी पहले हो, क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली
ओत्र, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली के कार्यालय में उप-
निदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में तदर्थ आधार
नियुक्त किया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून-1, दिनांक 1 अप्रैल 1983

सं० 16/334/79स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान
संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री टी० कृष्णमूर्ति द्वारा
अनुसंधान अधिकारी वन अनुसंधान स्थान एवं महाविद्यालय
के पद से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 11 मार्च 1983 की
अपराह्न से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

रजत कुमार
कूल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

समाहर्तालिय

इन्दौर, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० 6/83—मध्यप्रदेश समाहर्तालिय इंदौर के सर्वे श्री बी०
के० हांडा एवं एस० ए० बामरा अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद
शुल्क, समूह 'ख' 31-3-83 के अपराह्न से शासकीय सेवा से
स्वैच्छिक सेवा निवृत्त हुए।

एस० के० धर
ममाहर्ता

नौवक्षन और परिवहन मंत्रालय

नौवक्षन महानिदेशक

बम्बई-400038, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० 1-टी० आर० (1)/83—संघ लोक सेवा आयोग
की सिफारिश पर राष्ट्रपति कप्तान टी० के० जोसेफ को तारीख
24 मार्च, 1983 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, अस्थायी
तौर पर, कप्तान अधीक्षक प्र० पौ० राजेन्द्र, बम्बई के रूप में
नियुक्त करते हैं।

पौ० धोष
नौवक्षन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० ए०-19012/1005/82-स्था०-पांच—विभागीय
पदोन्नति समिति (समूहख) की सिफारिज पर अध्यक्ष, केन्द्रीय
जल आयोग श्री एस० एन० तिवारी, स्नातक पर्यवेक्षक, जो
राष्ट्रीय जल विद्युत परियोजना निगम लि०, नई दिल्ली के
प्रश्नध के अधीन देवीघाट जल विद्युत परियोजना, काठमान्डू

(नेपाल) में प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते हुए और प्रतिनियुक्ति/संवर्ग वाले पद से अन्य पर रहते हुए "सासम कनिष्ठ नियम की सभी शर्तें पूरी करते हैं, को ₹ 650-30-750-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, अनुपस्थिति में, स्थानापन्न रूप में अन्य आदेशों तक 1 मई, 1982 की पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० एन० तिवारी अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में दो वर्ष के लिए 1-5-1982 से परिवीक्षा पर रहेंगे।

के० एल० भट्टला
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

नईदिल्ली-66, विनांक 22 अप्रैल, 1983

सं० ए०-19012/952/81-स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री आर० के० गंगरादे, पर्यवेक्षक को, एतद्वारा केन्द्रीय जल आयोग में ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर, 10 जून, 1982 की अपराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

2. उपर्युक्त अधिकारी की पदोन्नति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित 1980 के सिविल नियम सं० 10823 (डब्ल्यू०) निर्णय के अध्यधीन है।

सं० ए०-19012/952/81-स्था० पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (समूहख) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद्वारा श्री आर० के० गंगरादे जो केन्द्रीय जल आयोग में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न क्षमता में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यरत है, को ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 9-8-1982 की पूर्वाह्न से उसी पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री गंगरादे केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर की श्रेणी में उपर्युक्त तारीख से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

उपर्युक्त अधिकारी की पदोन्नति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित 1980 के सिविल नियम सं० 10823 (डब्ल्यू०) के निर्णय के अध्यधीन है।

ए० भट्टला
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-24, विनांक 20 अप्रैल 1983

सं० 608/191/83-प्रशासन—निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खड़कवासला, पुणे 411024 एतद्वारा सौ० रोहिणी विजयकुमार कारखानीस, हिन्दी अनुवादक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, को हिन्दी अधिकारी के पद पर 6(छ:) महीने के लिए या यह पद नियमित रूप से जब तक भर लिया जाएगा याने इनमें से जो पहले होगा तब तक केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे में बेतनमान रूपये ₹ 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर दिनांक 17 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं उपर्युक्त नियुक्ति से सौ० रो० वि० कारखानीस, हिन्दी अधिकारी के पद पर नियमित रूप से इस श्रेणी में वरिष्ठता के लिए बनाए रहने के लिए हकदार नहीं होगे।

कार्यालय ज्ञापन संलग्न एफ०-1(II) स्थापना-III(ब) /75 दिनांक 7-11-1975 के पैरा० 4.4 के नियमों के अनुसार, सौ० रो० वि० कारखानीस, हिन्दी अधिकारी का दिनांक 17-3-1983 के पूर्वाह्न से मूल बेतन ₹ 650/- प्रतिमाह उद्दोने दिनांक 19-3-1983 को हिन्दी अधिकारी के ग्रेड बेतन के लिए दिए विकल्प के अनुसार बेतनमान ₹ 650/- ₹ 1200/- पर नियत किया जाता है।

भा० ग० पटवर्धन
प्रशासन अधिकारी
कुते निदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नईदिल्ली, विनांक 21 अप्रैल 1983

सं० 27/11/81-ई० सी०९—राष्ट्रपति सहर्ष श्रीमती मन्जु सुहास, वास्तुक के० लो० नि० विभाग का रथागपत्र दिनांक 14 अप्रैल, 1982 से स्वीकृत करते हैं।

दिनांक 28 अप्रैल 1983

सं० 33/1/81-ई० सी०९—राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग की नामित श्री आर० एन० कपूर को उपवास्तुक के अस्थायी पद पर (सामान्य सिविल सेवा मुप "क") के० लो० नि० विभाग में रूपये 700/- प्रतिमाह बेतन पर संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर रूपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के बेतनमान में (अतिरिक्त भत्तों सहित) सामान्य नियम ए० शर्तों पर 8-4-83 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. श्री कपूर का बेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा।

3. श्री कपूर को नियुक्ति की तिथि में 2 वर्ष की अधिकि
के लिए परीबोधा पर रखा जाता है।

ए.० के० नारंग
प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं गोयल सिंह प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में।

वस्त्रई, दिनांक 20 अप्रैल 1983

सं० 646/16864/560(3)/लिवीडेशन—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन
मास के अवधान पर गोयल सिंह प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण दण्डित न किया गया हो तो रजिस्टर

मे काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विरुद्धित कर दी
जायगी।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, वस्त्रई

आयकर अपीलीय अधिकरण

वस्त्रई 400020, दिनांक 16 अप्रैल 1983

सं० ए.फ-48-एठी(एठी) 83:-—अन्धमान निकोलार
प्रशासन, पोर्ट ब्लेर के अस्थायी कानूनी सहायक श्री प्रेम
कुमार मल्होत्रा प्रतिनियुक्त पर दिल्ली प्रशासन दिल्ली
के कानूनी सहायक को आयकर अपीलीय अधिकरण, अहमदाबाद
पीठ, अहमदाबाद में स्थानापन्न सहायक पंजीकर के रूप में
अस्थायी धमता में दिनांक 23 मार्च 1983 (पूर्वाह्न) से
अग्रिम आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-
880-40-1000 द० रो० 40य 1200 के बेतन मान में नियुक्त
किये जाते हैं।

वे दिनांक 23 मार्च 1983 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष के लिए
परिवीक्षा में रहेंगे।

टी० डी० सुरुला
अध्यक्ष

प्रसूप बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निदेश मं० आई० प० सी०/एक्य०/आई०/ग्र० आर०
3/8-82/808—यतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाऊस नं० 10 है, तथा जो टोडर मल रोड
मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता विधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके रथमान प्रतिफल से, ऐसे रथमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री रसीद खान मुपुत्र श्री नाजीर खान पता 1374,
पहाड़ी इमली, जामा मसजिद, दिल्ली।
(अन्तर्क)

2. (1) श्री महमूद जीआ नथा
(2) श्री महमूद जीआ, दोनों ही मुपुत्र श्री महमूद
अली सभी निवासी 1374, पहाड़ी इमली,
जामा मसजीद, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हूँ के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखानी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ममतीका 1/2 अविभाजित हिस्सा हाऊस नं० 10 ए०,
टोडर माल रोड, तान सेन मार्ग, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली।
माप 141 1/2 वर्ग गज में स्थित है।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-4-1983

मोहुड़ ३

प्रकल्प शाहौदी.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/आई०/एस० आर०

3/8व82/809—यतः मुझे नरिन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, [जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है]

और जिसकी सं० हाऊस नं० 10 ए०, टोडर मल रोड, तानसैन
मार्ग, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपां-
बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
ती (अन्तरितपदों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने द्वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922.
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री रसीद खान सुपुत्र श्री नाजीर खान पता 1374,
पहाड़ी इमली, जामामसजीद, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महमुद जीआ तथा

(2) श्री महमुद जीआ दोनों सुपुत्र श्री महमूद
अली, 1374, पहाड़ी इमली, जामा मसजीद,
दिल्ली निवासी हैं।

(अन्तरिती)

करों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अनिवार्य

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाइहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का अविभाजित हिस्सा 1/2 हाऊस नं० 10 ए०
टोडर मल रोड तान सैन मार्ग, बंगाली मार्किट नई दिल्ली
में स्थित है जिसकी माप 141 1/2 वर्ग गज है।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस०/आई०/एस० आर०
3/8-83/770—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति (जसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो गांव आया नगर,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावढ
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के
कायोलय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के लागीन नह देने के अन्तरक के
दायित्व में रुपी करने या उसमें बचने में
सुविधा के लिए जीरका।

(ब्र) ऐसी निसी आपया किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपाद्य प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उस प्रधिनियम, वा
प्रतकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरता, बदले और रती राम सपुत्र श्री छज्जन
निवासी गांव घटीरनी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री रती नाम, श्रीमती मिमरो
पत्नी श्री बदले और श्रीमती ढोला पत्नी श्री भरता
निवासी घटीरनी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(।) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन ही अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इष्य सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इप्यमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधान 20-वाँ में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उप प्रधानमें दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका खसरा नं. 515/2 (0—16),
1472/1(2—0), 1473/1 (3—0) 1494 (4—16),
1884/2(0—14), 1886/3(1—1), 1511 (4—16),
गांव आया नगर, तहसील महरौली आया नगर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एब० एस०-

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार*

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई० /एस० आर०/
एस० आर०/3/8-82/771-यतः मुझे नरेन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर,
तहसील, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की, गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व व्यं-
क्ती करने या उससे दृचने में सूचिधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सूचिधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्ताव :—

1. श्री भरता, बदले था रती राम सपुत्र श्री छज्जन
निवासी गांव घिटोरनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. दी सतीश चंद जैन सपुत्र श्री खेम चंद जैन निवासी
1259 गली गलयान, धर्मपुरा दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्वों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वान्तरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

5 बीगा 12 विश्वा जिसका माप कृषि भूमि में खसरा
नं० 247 (4—16), 248/2(0—16), गांव आया नगर
तैहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-4-1983

मोहर:

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस. —

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/आई० /एस० आर०
3/8-82/774—पतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की आय
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरितो इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रिसाल सुपुत्र श्री हिमत निवासी गांव आया
नगर, तेहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नवरंग कर्मशील कं० प्रा० लि० 219,
चितरंजन एवन्यू कलकत्ता, द्वारा जसपाल सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि हिस्सा 1/2 जिसकी माप 12 बीघा खसरा
नं० 1536/1 (1—8), 1537 (3—6) 1538 (2—13)
1539/1 (2—0), 1557 मीन (2—13) जो कि गांव आया
नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सि
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-110002

तारीख : 3-4-1983

मोहर :

प्रृष्ठ. बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निदेश सं । आई० ए० सी०/एक्य०/आई० /एम० आर० 3/8-
82/775—यतः मुझे, नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं । कृषि भूमि है तथा जो गां० आया नगर
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपवड़
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1982,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमेर दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रिणात सुपुत्र श्री हिमन तिवारी गांव आया
नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स नवरंग कमिशियल कं० प्रा० नि० 219, चित-
रंजन एवन्यू कलकाता द्वारा जमपाल मिह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वार्टीकरण :—इसमें प्रयोक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही शब्द होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्मूस्त्री

कृषि भूमि का हिस्सा 1/2 जिसकी माप 12 बीघा
खसरा नं० 1773 मिन (1—15). 1780/2 (1—16)
1781/2 (2—16) 1782/2 (3—0) 1896/3 (0—
7) 1897 मिन (2—6) गांव आया नगर, तहसील
महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

तारीख: 5-4-1983

माहर :

प्रधान प्रबन्ध अधिकारी, टी. ए.व. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

मान सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस० आर०
3/8-82/776—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पुर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार्य प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/2 (हिस्सा जिसका खसरा नं० 1897
(1—7), 1898 (2—15), 1899 (2—7), गांव
आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है। कुल
6 बीघा 9 बिस्ता।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 5-4-1983

मोहर :

1. श्री रिशाल सुपुत्र श्री हिमत, निवासी आया नगर,
नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. मैसर्स नवरंग कर्मशाल कं० प्रा० लि० 219, चित-
रंजन एवन्यू, कलकत्ता द्वारा जसपाल सिंह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होते हों, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एव्य०/आई०/ एस० आर०
3/8-82/788ए०—यतः मुझे, नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' जॉडा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन स्थाप अधिनियम को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर
तहसील महरीली, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्नतरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि पृथक् पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जैसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदू
प्रतिपत्ति से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण
नियमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरितों द्वाया ५८३ तकी किया गया
या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के बचीं, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा १०—
३—६६GI/83

1. श्री ऊजान सुपुत्र श्री हरपाल निवासी गांव आया
नगर, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नवरंग कर्मशियल कं० प्रा० लि० 219, चित्तरंजन
एवन्यू, कलकत्ता द्वारा जसपाल सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मद्द किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोवृत्तावारी के
पाय लिखित में किए जा सकें।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित है,
वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/2 हिस्सा जिसका खसरा नं० 1810/2
(1—8), 1824/1(3—18, 1840/1(0—14), तथा
कृषि भूमि का 1/4 हिस्सा जिसका खसरा नं० 1826(4—
16), 1536/2(2—4), गांव आया नगर, तहसील महरीली
नई दिल्ली में स्थित है।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-4-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट. टी. एन. एस.:
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
 अर्जन रेज 1, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०ए०य०/आई०/एस० आर०

3/8-83/789—यतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके हस्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसके सं० कृपि भूमि है तथा जो गांव आया नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः बन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् “—

1. श्री खजान सपुत्र श्री हरपाल निवासी आया नगर नई दिल्ली।
 (अन्तरक)

2. मैसर्स नवरंग कोमरशियल कं० प्र० लि० 219 चितरंजन एवन्यू कलकत्ता द्वारा जसपाल सिंह।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी बासेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का आधा हिस्सा जिसकी माप 9 बीगा 12 बीम्बा खसरा नं० 1811 (4—16) 1825 (4—16) गांव आया नगर, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है।

नरिन्द्र सह
 भक्षण प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज 1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-4-1983

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस० आर० -३/
८-८२/७९०—यतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुमूल्यमें और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गण्ह है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथिमें वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बधने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसो किसी आय या किसी दन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वाया प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खजान सापुत्र श्री हरपाल निवासी गांव आया
नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नवरंग कोमरशियल क० प्रा० लि० 219 चितरंजन
एवन्यू कलकत्ता द्वारा जसपाल, सिंह।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बारे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पञ्चोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसकी माप 6 बीघा खसरा नं० 1578
(4-16), 1880/1 (1—4), गांव आया नगर तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
मथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-4-1983

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निदेश सं. आई. ए. सी./एक्यू. आई. एस. आर. 3/8-82/786 ए.—अतः मुझे, नरन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है। तथा जो गा. खान पूर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली ६८ भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, सारीख अगस्त 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तरिकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिक्षीय इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अठ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राज कुमार गायल और राम कुमार गायल
सपूत्र श्री साधु राम गायल पता 2, एसिया हाउस,
के. जी. सार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमल खना पत्नी कर्मल बी. एल. खना
और नीरपिंड नाथ खना सुपुत्र बी. एन. खना
पता सी 47, डिफेंस बालोनी नई दिल्ली द्वारा
आटोरनी बी. एन. खना

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किराये अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसकी माप 2 बीघा तथा 11 बीघवा, खसरा नं.
192, गांव खान पुर नई दिल्ली ।

नरन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

तारीख : 5-4-1983

भोहर ४

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज I नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख, 5 अप्रैल 1983

मं० आई० ए० सी० /एक्य०/आई०/एस० आर० 3/8-

82/ 787 ए० -- अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव खानपुर तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 82
को प्रबोक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रबोक्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में घास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ, किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्क-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री राज कुमार गोयल और राम कुमार
सपुत्र श्री साधु राम गोयल निवासी 2, एशिया हाउस
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मती कमला खन्ना पत्नी श्री कर्नल बी० ए०
खन्ना और नोरपिंड्र नाथ खन्ना सपुत्र कर्नल बी०
ए० खन्ना निवासी सी-47, डिफेस कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों के रुपावाली करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
रूचिता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसकी माप 2 बीघा 11 बोश्वा खसरा नं०
191/1 और 192 का हिस्सा, गांव खानपुर तह०
महरौली नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
नक्षत्र प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1 नई दिल्ली -110002

तारीख : 5-4-83

मोहर :

प्रधान वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) को

धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज १, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक ५ अप्रैल, १९८३

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस० आर० ३/८-८२/७४५—अतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें उक्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो घा० डेरा मंडी तह० महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख अगस्त १९८२

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) उक्त अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किम जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(१) श्रीमती प्रकाशा

पत्नी श्री रनजीर सिंह
निवासी घा० डेरा मंडी,
तहसील महरोली, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(२) श्री कत्यानी दयाल

सपुत्र श्री विश्वम्भर दयाल
पता सी-४/२३,
सफदरजंग देव, अरिया,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

कृपया मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-के में पारिभाषित हैं, वही वर्त होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का माप ४ बीघा और १५ विस्त्रा जिसका मुसतातली ० ३६ कोला नं० १६, गंव डेरा मंडी तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज १, दिल्ली, नई दिल्ली-१ 10002

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : ५-४-८३

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस०आर

3/8-82/746—अतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव डेरा मंडी,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती प्रकाश

पत्नी रन्जीत सिंह
पता गांव डेरा मंडी,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री रिषी कुमार मिश्रा

सपुत्र स्व० जीवन लाल मिश्रा
निवासी 6/9, सर्वा प्रिया विहार,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसकी माप 4 बीगा और 16 विस्वा जिसका
मुसतातील नं० 36 किला नं. 15 डेरा मंडी, तहसील, महरौली
नई दिल्ली में स्थित है।

नरिन्द्र १ स
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-4-83

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बुधु संपुत्र श्री लोका
पता गांव डेरा मंडी,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निवेदण सं. आई.ए.० सी.०/एक्यू.०/आर.० 3/8-82/794--

यतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो डेरा मंडी, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कृद्धि किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री सुखबीर संपुत्र श्री खजान,
गांव डेरा मंडी,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—
कार्यालयाभ्यास करता हूँ ।

(क) इस सूचना के उपयोग में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपयोग में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसकी माप 5 बीघा तथा 12 बिस्ता खसरा नं.
मुसतातील नं. 70 किला 14/2 (1-8), 15/1 (4-4)
गांव डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-4-83

मोहर :

प्रलूप शाई०टी०एन०एस०—————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस० आर० 3/8-
82/760—अतः मुझे नरिन्द्र सिंह

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को द्वारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारों को, यह विभास करने का कारण है कि स्थावर मंत्रिति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव गदाई पुर, तहसील नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विभास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4 -66GI/83

(1) श्री मनोहर सिंह

सपुत्र स० गुरुमुख मिह
पता गदाई पुर, नई दिल्ली
द्वारा जनरल आटरनी श्री सन्तोष कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री वीना चटवाल

पत्नी स० सुरिन्द्र पाल सिंह
तथा सुरिन्द्र पाल सिंह
सपुत्र स्व० स० दुर्लभ सिंह
पता डी-292 डिफेंस कलोनी,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/3 हिस्सा जिसकी माप 10 बीघा तथा 3 विस्त्रा खसरा नं० 291 (7)(17), 539/1' 1-14), 539/2(0-6), 539/3) 0-6), ट्यूब वैल तथा चारदीवारी के साथ, गांव गदाई पुर तह० महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-4-83

मोहर :

प्रस्तुत दाता: टॉ. इन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

प्रिवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/प्राई०/एस० आर० 3/
8-82/761—यतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वो धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या कुषिभूमि है तथा जो गांव गदाई पुर तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
घन्दह प्रतिशत हे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, अस्तित्वान्वयन उठद द्य स रक्त लालरा, निर्मित अंतरितिक
रूप में कांधित भही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिप्तते में
तत्त्विधा के लिए;

(1) श्री मनोहर सिंह

सपुत्र स० गुरुमुख सिंह
पता गदाई पुर, नई दिल्ली
द्वारा जनरल, आटोरनी श्री सन्तोष कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री बीना चट्टवाल

पत्नी स० सुरिन्द्र सिंह और
सुरिन्द्र सिंह सपुत्र स० स्व० बुर्ज भिंह
पता डी-292,
डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांझे भी आधेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 3.0 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भौतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिपित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुषिभूमि का 1/3 हिस्सा जिसकी माप 10 बीगा तथा
3 बिस्ता खसरा नं० 291 (7-17), 539-1 (1-14),
539/2 (0-6) (539/3 (0-6) गदाई पुर, तह
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

सरिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

लारी०: 5-4-83

जोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस० आर० 3/-
8-82/762—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गदाई पुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुक्षिता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर सिंह

सपुत्र सर० गुरु मुख सिंह
पता गदाई पुर,
नई दिल्ली, द्वारा जनरल आटोरनी
श्री सन्तोष कुमार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना चट्टवाल

पत्नी सर० सुरिन्दर पाल सिंह
और सर० सुरिन्दर पाल सिंह
सपुत्र स्व० सर० दुर्लभ सिंह
पता डी-292
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के शुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्थानिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/3 हिस्सा जिसकी माप 10 बीघा तथा 3 विस्वा खसरा नं० 291 (7) (17) 539/1 (1-14), 539/2 (0-6), 539/3 (0-6), जिसमें ट्यूब वैल और चार दिवारी है जो गदाई पुर, तह० महरौली नई दिल्ली में स्थित है।

नरिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-4-1983
मोहर :

प्रस्तुप जाइ.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
उपाय 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकू०/आई०/एस० आर०
3/8-82/795—यन: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ताजपुल पहलाद अली,
तह० खंड बद्रपुर दिल्ली/नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16, के अधीन तारीख अगस्त
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्ननिम्निकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या ऐसी धन या अन्य आस्तीया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;

(1) श्री विनोद कुमार

मपुत्र श्री आर० क० दास
17, मलबा मार्ग मार्किट,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) पारस पेपर प्रोडक्ट्स प्रा० लि०,

द्वारा श्री विनोद कुमार
मपुत्र श्री आर० क० दास
और श्रीमती सरद विन्दु गुप्ता घट्ना
विनोद कुमार साथ ही में 17, मलबा मार्ग मार्किट,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन को अवधि या तत्प्रवर्त्यी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
व्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अदाहस्ताभारी के
पास निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

660.83 वर्ग गज माप की भूमि का लीज होल्ड अधिकार
प्लाट नं० ए-24, भ्लाक-बी-1, जो मोहन कोआपरेटिव
इन्डस्ट्रियल एस्टेट लि०, ग्राम तेजपुल पहलाद अली, तहसील
खंड बद्रपुर, दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह

मपुत्र प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-4-83

मोहन :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिम्निकृत व्यक्तियों अर्थातः :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं 0 आई० ए० सी०/एक्य०/आई० एस० आर० 3/8-
82/802—अतः, मुझे, नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव रजोकरी तहसील
महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

(2) श्री रामपत, धर्म सपुत्र श्री गिरधारी,
तथा राम नारायण सपुत्र गुलजारी
पता रजोकरी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दर लूथरा
पत्नी श्री एन० एल० लूथरा
पता 16, श्रीराम रोड,
सिविल लाइन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी चाक्रित द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का माप 4 बीघा और 16 बीशवा खसरा नं०
1605, गांव रजोकरी, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-4-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई० एस० आर०
3/8-82/721—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम-71, है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्गती (अन्तर्गती 10-15%), अन्तर्गत के लिए नया नया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वज्रने में सुविधा के लिये,
और/या

(ल) एसा विलापन या ऐसी धन या जय आनंदियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर औद्योगिक, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, , उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एच० एल० शर्मा

सपुत्र श्री गुरुदास राम निवासी
5 सी सी ए० ऊपर आनन्द पर्वत
नई दिल्ली-5

(अन्तरक)

(2) श्री भूषण कुमार उपल

सपुत्र स्व० श्री लाला मुलख राज उपल
निवासी सी-80, पंचशील एंकलैव,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के गजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

250 वर्ग गज (209.5 वर्ग मीटर) प्लाटनं० एम-71,
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83

गोहर :

प्रकल्प आई. टी. एन. एस.-----

(1) रा० जसबीर सिंह

सपुत्र स० जीवन सिंह

निवासी सी-51-बी,

काला जी, नई दिल्ली-19

(अन्तर्भुक्त)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई० ए८० आर
3/8-82/724—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्हें अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकारा प्राधिकारी को, महि विश्वास करने का
कारण है कि भूतावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या एल-36, है तथा जो कालका जी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अगस्त 1982को पूर्वोक्त गंपिरा के उचित बाजार मूल्य से कम को इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्यावर्त गंपति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल में ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दारीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकल्प नहीं किया
गया था किंतु जाना चाहिये था कि उसमें में
सक्षिप्त के निम्न:यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :—

(2) स० प्रकाश सिंह

सपुत्र श्री भाग सिंह

निवासी एस-359,

पंचगील पार्क,

नई दिल्ली

(अन्तर्भुक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गंपति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अनिय या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामिन में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवृद्ध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिख जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—दोपहर छाव्हों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० एल-36, माप 380 वर्ग गज कालका जी, नई
दिल्ली में स्थित है।नरेन्द्र सिंह
गठन प्राधिकारी
सहायक आयकर आपात (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-4-83

साहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-
४२/७४४—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर-290, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हाई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुन्तला भाटिया
निवासी प्रेम सागर बिल्डिंग,
3-मंजिल, निकींग रोड
खार वस्त्रे

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप वाही,
हरबंस वाही,
दिनेश वाही, संजय वाही,
मन मोहन वाही,
संजय वाही,
सपुत्र श्रीमती सावित्री देवी,
निवासी—केन्नल रोड, जम्मू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1-1/2 मंजिला मकान नं० आर०-290, ग्रेटर कैलाश-1
नई दिल्ली

208 वर्ग गज

वना हुआ प्राऊंड फ्लोर, 1314.35 वर्ग फुट

वना हुआ पहिली मंजिल 870 वर्ग फुट

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83

मोहर :

प्रख्य प्राई. टी. एन. एस.

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 अप्रैल 1983

निर्वेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/आई० एस० आर०/-3/
8-82/764—अतः, मुझे, नरेन्द्र सिंहप्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की बारा 269-ब
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
ध्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सप्ते
से अधिक है।और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो सुल्तान पुर नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अगस्त 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरियी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे मन्त्ररथ के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं
किया गया है—(क) अन्तरण में दुई किमी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आप-कर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
प्रनक्त प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रगोष्णार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—66 GI/83

(1) श्री अमीत गर्ग
सपुत्र शिव लाल
तथा श्रीमती कृष्णा गर्ग पत्नी
श्री शिव लाल
निवासी एम-7, मालवीय नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बजरंग लाल
(सपुत्र) (एच० य०० एफ०) द्वारा कर्ता सुभाष
चन्द गुप्ता
सी-9, सी० सी० कलोनी दिल्ली राम निवास
एंड संस (एच० य०० एफ०)
द्वारा कर्ता राम निवास गुप्ता
निवासी सी-1, सी० सी० कलोनी,
दिल्ली तथा भीम सैन एंड संस
(एच० य०० एफ०) द्वारा कर्ता भीम सैन गुप्ता
निवासी बी-5, सी० सी० कलोनी,
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अद्योत्साक्षारी के पास लिखित में
किये जा सकें।रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का माप 19 बींगा और 11 बिंबा, खसरा नं.
737 (4-16), 713 (4-16), 733/1(3-16) 749
(0-12), 748 (0-16), साथ में टूबवैल (हैड पंप) गांव
सुल्तान पुर, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

प्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयोजक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-3/
8-82/765—यतः, मुझ, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 86, है तथा जो पश्चिमी मार्ग, वसन्त विहार
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उक्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सूक्ष्म यथा गम्य
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेश्य से उत्तम अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है— किसी जाय की आकृत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ज्ञायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आविष्यकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनिया, 1957 (1957 का 27) के
रूपोंनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भृं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रोशन लाल बुटेल
सुपुत्र श्री बदरी वास बुटेल
द्वारा श्री भगवन्त सिंह,
निवासी 86 पश्चिमी मार्ग,
वसन्त विहार, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबंस कौर,
निवासी—86 पश्चिमी मार्ग,
वसन्त विहार, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बत्त ये समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में नित-
बद्र निलिखित नहीं किया जा सकते।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 86—पश्चिमी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली
टोटल एरिया 983.25 वर्ग मीटर

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-4-83

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०-१ / एस० आर०-
3/8 ८२-७७२—अब: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जी-17/डी है तथा जो एन० डी० एस०
ई० 2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन्द्र पाल, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश'
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द्र सुपुत्र घनश्याम दास निवासी जी-17 डी
एन० डी० एस० ई० 2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं. जी-17/डी, एन० डी० एस० ई० 2,
नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1100

तारीख : 11-4-83

मोहर :

प्रसूप नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-I एस० आर०-
3/8-82/773—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन संधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मंद्या जी-17/ई है तथा जो एन० डी० एस०
ई० 2 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिप्लक के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहिन्द्र पाल अतिरिक्त जिला, न्यायाधीश,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार सुपुत्र राम दयाल पता जी-17/ई
एन० डी० एस० ई० 2, नई दिल्ली ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
नक्षे किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० जी-17/ई, एन० डी० एस० ई० 2 नई दिल्ली में
स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
संधम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83

मोहर

प्रह्लप आई० टो० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१ एस० आर०-
2/8-82/779—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो गांव जौनपुर तहसील,
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरव्य (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कानून में कमी करने या उससे बचने में सुनिधि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिधि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान—

(1) श्री रायसी सपुत्र श्री बीरबल निवासी जौनपुर,
नई दिल्ली

(अस्तरक)

(2) श्री पी० के० वाधवानी सपुत्र श्री के० के० वाधवानी
निवासी 2ए एल० आई० जी० क्वा० मायापुरी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

कृषि भूमि का माप 14 बीगा तथा 8 बीशवा एम नं०
54, कीला नं० 3 मीन (3-6), 4/1 मीन (0-9);
7/2 (0-19), 8, (4-16), 9 (3-19) 11/2/1 (0-2)
12/1/1 (0-17), गांव जौनपुर, तहसील महरौली, नई
दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-4-83

मोहर :

प्रमुख बाई टी. एन. पट्टा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983.

निवेश सं. आई० ए० सी०/एस्य० -I एस० आर०-
3/8-82/782— यत्. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी संख्या टी-4, है तथा जो ग्रीन पार्क एफटै०, नई
दिल्ली-16 में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में
और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को प्रदंगित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में बाहर-
वाक रूप में की भूमिका नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शास्त्रित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षा 5—

(1) श्री दीन बन्धु, गांगूली सुपुत्र स्व० श्री श्यामा
चरण गांगूली जी-1496, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती साधना गांगूली, पत्नी श्री दीन बन्धु गांगूली
पता जी०-1496 चितरंजन पार्क, नई दिल्ली।
मैस० स्टैरलिंग अपारटमेंट (प्रा०) लि०, नई दिल्ली
हाऊस दिल्ली 110001
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रदौन्त संपत्ति के अर्जन के नियं
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी लाभोप्त 5—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदौन्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिप्त में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
महीने वर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

322 वर्ग गज टी-4, ग्रीन पार्क एफटै०, नई दिल्ली
में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 11-4-83

माहेश

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्य०-१/एस० आर०-
3/8-82/807—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 11505, वार्ड नं० XVII, प्लाट नं० 1, ख.
नं 809/761 है तथा जो ब्लॉक 9ए, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुमूल्य
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यश्चापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्याकरण, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्द्र कुमार नुपुन श्री एस० एल० कुमार,
केवल कुमार नुपुन श्री एस० एल० कुमार निवासी
7/20 पंजाबी बाग, नई दिल्ली तथा श्रीमती
सुनीता मल्होत्रा पत्नी श्री मंशील कुमार मल्होत्रा
निवासी डी-ए, एन० डी० एस० ई० 2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैस० बी० के० निवासी, 2214, हरध्यान सिह
रोड, करोल बाग, नई दिल्ली द्वारा बाबा सुखदेव
सिह हिस्सेदार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध से कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के पास
सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 11505, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 1,
खसरा नं० 809/761, जिसकी माप 233.67 वर्ग गज ब्लॉक
नं० 9ए, डब्ल्य०, ई० ए, करोल बाग, नई दिल्ली में
है।

नरेन्द्र सिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83

माहूर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निवेश सं. आर्द्ध. ए. सी.०/एक्यू०-१/ एस० आर०-
3/8-82/818—पतः मुझे, नरनद्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या बी-115-ए, है तथा जो कालकाजी
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्ण
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व० श्री हरबंस
नाल, निवासी—बी-115-ए, कालकाजी, नई दिल्ली।
(अन्तरिक)

(2) श्री कंवल नयन सुपुत्र श्री एफ० सी० बहल,
निवासी—ए/431, कालकाजी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर खेने के अन्तरक के
वार्षिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

प्रो० नं० बी०-115-ए, कालकाजी, नई दिल्ली, एसिया
100 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83 :

माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकरण नं. दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्वेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-३/
८-८२/८३०—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पासात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या 65-ए है तथा जो फेंड्स कालोनी ईस्ट,
मई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियित में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के
परिवर्तन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-66GI/8

(1) बाबा शिव चरन सिंह और अहण मोहन, एडवो-
केट एण्ड रिसीर्चर्स अप्वाइटेड बाइबी हाईकोर्ट,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० ओल्ड विलेज इन्डस्ट्रीज लि०, ए-16
नरायण इन्डस्ट्रीयल एरिया; नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र
नियित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

65-ए, फेंड्स कालोनी ईस्ट, नई दिल्ली, एरिया 1732
वर्गी मीटर।

नरेन्द्र सिंह
सकारा प्राधिका से
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83
मोहर :

प्रूरुष बाईं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ आई० ए० आ० ३/८-८३/८३५—अतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या 45/7 है तथा जो ब्लाक ई०, औखला (इड) एरिया नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपायद्वारा अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दीपक, जे० जहवेरी सपुत्र श्री जे० एस० जहवेरी, निवासी डब्ल्यू 88 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संदीप जे० जहवेरी सपुत्र श्री जे० एस० जहवेरी, निवासी डब्ल्यू०—88, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अंतर्ध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 45/7, ब्लाक ई, औखला औद्योगिक एरिया नई दिल्ली में स्थित है।

नरिन्द्र सह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-1983

सांहर :

प्रस्तुप आर्फ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/१/एस० आर० ३/
८-८२/८३—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 6, है तथा जो पालम मार्ग,
बसंत बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भत्ता
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः :—

(अन्तरक)

1. श्री एल. जेनरल मोहिन्दर सिंह वादालिया और
श्रीमति तारा वादालिया उर्फ श्रीमति तारा स्पेरा,
निवासी-कूटुब स्टड्यू प्रॉप्रीटरल फार्म गदाई
पुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

2. श्री अरुण पुरी और श्रीमति रंजा पुरी
निवासी-ए-1, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्य
की तारीख से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावध में समाप्त होती है, के भीतर, पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा रहेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6, पालम मार्ग, बसंत बिहार, नई दिल्ली
परिया 1960 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्रस्तुति आहेत टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य० आई० ए० आर० 3/8-82/83 —अतः मृग, नरिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या सी० 26 है तथा जो प्रैटर कैलाश-I नई
दिल्ली में स्थित है (और इस से उपायद्रव अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकोण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृग यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इक्षमान प्रतिफल से, ऐसे इक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को अन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

(1) श्री शम्भु नाथ ककड़ (2) श्री वियास चन्द्र ककड़
41, हनुमान रोड, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं पेराडाइज कंस्ट्रक्शन तथा इस्टेट प्रा० लि०
एम०-1, 32 33, कुशल बाजार, नेहरू प्लॉस,
नई दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृग सूची

500 वर्ग गज का आली प्लाट नं. सी-26, प्रैटर कैलाश-
नई दिल्ली में स्थित है।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002।

तारीख: 11-4-1983।

मोहर:

प्रकल्प शाई० दी० एच० एच०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
धारा 268-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० आई० एस० आर०
3/8-82/840—अतः मुझे, नरिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
268-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-4 है तथा जो छिफेन्स कालीनी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अस्तरकों) और¹
अस्तरियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के पश्चातक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए घोर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के पश्चातक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 268-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 268-व की उपाधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।—

(1) श्री जगदेव चंद्रा (एयर कमांडरिटा०) सपुत्र
श्री स्व० डा० के० सी० तलवार निवासी 37/15
अल्मोड़ रोड, बंगलोर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनोन सरीन सपुत्र स्व० श्री अनंत राम सरीन
निवासी, 28, श्री राम सिविल लाइन, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वारेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर तस्वीरियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री के० कृष्ण मूर्ती, निवासी डब्ल्यू० 607, 29
कास स्ट्रीट, इन्द्रा नगर, मद्रास-20।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कुदरत सिंह सेठी, निवासी ए 15/27, बसंत
विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-३/
8-82/842—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए० 45 है तथा जो गुलमोहर पार्क
डी० य० ज० क० म० में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाश गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हैने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

प्र० न० ए० 45, गुलमोहर पार्क, ड्यूजे, को-प्र०
हाउस विल्डींग सोसाइटी, बना हुआ मकान का एरीया 300
वर्ग गज,

नरेन्द्र सिंह
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-4-1983
मोहर :

प्रस्तुत बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१ एस० आर० ३/
8-82/843—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 231 छी है तथा जो ब्लाक बी, ग्रेटर
कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
भ्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में समीकरण करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिथों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इशर दास मेहरा सुपुत्र श्री गोपाल दास
निवासी-मकान नं० 686 दो मंजिला मकान
राजिन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) डा० (श्रीमती) सरीन मेहरा पत्नी श्री रमेश
निवासी बी-231-डी प्रथम मंजिला ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

मनुसूची

इनटायर केन्द्र फ्लोर प्लाट नं० 231-डी, बी-ब्लाक,
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली-48।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली - 110002

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० आई० एस० आर०
 3/8-८२/४४—ग्रतः मुझे, नरिद्र सिहौ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-135 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2
 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
 पूर्ण रूप से वर्णित है) है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
 नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 प्रदूषक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
 रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तर्रीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीला वरी सहगल निवासी सी-165,
 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला कपूर पत्नी श्री डा० रमेश कपूर
 निवासी जी-142 कालका जी, नई दिल्ली।

(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूख
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

जनसूची

खाली स्थान एस० 135, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली
 पूर्व स्वामित्व 300 वर्ग गज में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002।

तारीख: 11-4-1983।

मोहर:

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/१ एस० आर० ३/
४-८२/४४—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ 1, है तथा जो कालिन्दी कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध असूनूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविष्यों, अर्थात् :—

7-66GI/83

1. श्री विमल प्रसाद गुप्ता, श्री नाथ गुप्ता, जय नाथ
गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता सपुत्रगण श्री किशन
दास, श्रीमती राम दुलारी पत्नी स्व. श्री किशन
दास, निवासी-5902 फाटक रसीद बाजार, बाली-
मारन, दिल्ली, श्रीमती निमल गुप्ता पत्नी श्री वेद
प्रकाश, निवासी-80 एफ कमला नगर, दिल्ली,
श्रीमती उर्मिला पासी पत्नी आ. रमेश कुमार पासी
निवासी-5902 फाटक रसीद बाजार, बालीमारन,
दिल्ली और श्रीमती मधु राहतगी पत्नी श्री विविधा
रोहतगी निवासी पाकेट बी 111 69 बी नारेंस रोड
दिल्ली और रजनी बाजार गुप्ता सुप्रत श्री किशन
दास, निवासी एम-3, ग्रीन पार्क एक्स. नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

2. मैं, आर. आर. मौड़िकोपर सर्विसेज प्रा. लि.,
इ-29, एन. डी. एस. इ, भाग-2, नई दिल्ली
द्वारा आ. पी. आर. कुचिरिया

(अन्तरित)

जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू
करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एफ-1, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली
तालाबी 600 वर्गगज, यानी 500 वर्ग मीटर।

नरेन्द्र ।
सक्षम प्राधिक

सहायक आयकर आयुक्त (निरी)

अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1100

तारीख: 11-4-83

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० ३/
४-८२/८५४—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सोप नं० ९ है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II
कमर्सियल बिल्डिंग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल के
बन्दूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दौ किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री बसंत सिंह और अमृत सिंह, सपुत्र श्री हरि
सिंह निवासी-ई-७५ डी० डी० ए० फ्लोट्स, प्रेस
इनकलेब, साकेत, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(२) श्रीमती सत्या तक्यार पत्नी श्री ए० आर० तक्यार
निवासी एस० 203, प्रेटर कैलाश- नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सोप नं० ९ जो मल्टी-स्टोरी कमर्सियल बिल्डिंग
का एक हिस्सा है उसके अन्दर सिनेमा हाउस, बैसमेंट और
दुकानों का नम्बर भी है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में
स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-4-83

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई० ए० स० आर०

3/8-82/862--अतः मुझे नरिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3 है तथा जो एम० सी० डी०
भवन देश बन्धु गुप्ता रोड, पं० गप नई, दिल्ली में स्थिति है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त संपत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
के लिए।

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० अल्मनियम इमपैक्स, द्वारा भागीदार
श्री भगवान बंसल तथा श्री रामा शंकर
बंसल सपुत्र श्री कन्हैया लाल बंसल पता 1143,
कुंचा हर्जेस मल, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० महेन्द्र येयर हाउ० कोर० इसके भागीदार
(1) श्री महेन्द्र कुमार शुभेल सपुत्र श्री डी०
एल० गोयल (2) श्रीमती चन्द्र कला गोयल पत्नी
श्री ग्रार० के० गायल० (3) श्रीमती सीता गोयल
पत्नी श्री राज कुमार गोयल (4) श्रीमती
सरोज गोयल पत्नी श्री सी० डी० गोयल तथा
(5) श्रीमती सत्या भामा शर्मा, पत्नी श्री बी०
एल० शर्मा सभी निवासी, पी-८ न्य० सी० आई०
टी० रोड कलकत्ता-७३।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काहौरे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकें।

सम्पत्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० फ्लैट नं० 3 पर द्वितीय मजिला एम० सी०
डी० भवन, देश बन्धु गुप्ता रोड, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में
जिसकी माप 648.62 वर्ग फूट है।

नरिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१ दिल्ली नई दिल्ली 110002

तारीख: 11-4-83

गोहर :

प्रधन प्राइमरी एस्टेट्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 प्रैल 1983

निवेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/आई० एस० आर०
3/8-82/863—अतः मुझे नरिद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई० 15/16, है तथा जो कालीन्दी कलोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य ग्रन्तसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी वाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री अमर चंद जैन (एच० यू० एफ० ई० 15/
16, कालीन्दी कलोनी, नई दिल्ली)।

(अन्तरक)

(2) मैस० श्री बद्री नाथ इन्वेश्टमेंट्स लिंग स्टैफन
हाऊस, 4बी बी० डी० बाग (इस्ट), कलकत्ता 700001
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आश्वेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

400 वर्ग फूट में प्लाट नं. ई-15/16, कालीन्दी कलोनी
नई दिल्ली में दुमिला मकान स्थित है।

ग्राउड फ्लोर 3000 वर्ग फूट, पहली मंजिल 2800 वर्गफूट

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्रेस, आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० ३/
 ८-८२/८६४—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी मूल्या आर० 215, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1,
 नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के बलारक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राम सखी देवी पल्ली श्री एम० सी०
 बंसन (2) श्री अशोक कुमार बंसल सुपुत्र श्री
 एम० सी० बंसल निवासी-7/28 दरिया गंगा,
 नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं० अब्दुल मुजीब अब्दुल बजीद प्रा० लि०
 101 पदमा पैलेस, 86 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
 द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जमाल नसीर,
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

दूसरी मंजिल का ढांचा, और टेरेस के साथ बरसाती,
 प्र०० नं० आर० 215 ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली परिया
 208 वर्ग गंगा।

नरेन्द्र सिंह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1 दिल्ली-110002

तारीख 11-4-83
 मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/१/एस० आर० ४
8-82/263—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 13, ब्लाक एस है तथा जो सीकदारपुर,
ज्योति नगर, बेस्ट शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इसे
उपाध्यक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुरक्षा वैद पत्नी डा० बलराज वैद आरा
जैन मंदिर, बरोट, जिला मेरठ, यू० पी०।
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णा गोपाल गुप्ता सुपुत्र श्री ओम प्रकाश
गुप्ता निवासी बी-९, मानसरोवर पार्क, शाहदरा,
दिल्ली-३२

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 13, ब्लाक 'एस०' तादादी 250 वर्गगज,
खसरा नं० 622/57, 49 ग्राम सीकदार पुर ज्योति नगर,
बेस्ट-शाहदरा, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-83

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निदेश सं० आई०/ए०/सी०/एक्य०/आई०/एस० आर०

3/9-82/895—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5023 प्लाट नं० 719/46, बस्ती नेगर
सन्त नगर, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपादान अनुमूली में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधि-
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि मी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, शिपाने में मूलिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सन्तोष जैन पत्नी जतीन्द्र कुमार जैन तथा
श्रीमती प्रभिना जैन पत्नी श्री अध्यय कुमार जैन
निवासी सी-1/13, अलोक बिहार-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर अंद जैन सपुत्र छुटन लाल जैन
निवासी 3341/3, क्रिष्ण कलोनी, करोल बाग,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बात में समाप्त होती हो, अंतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ठाई मंजिला मकान का नं० 5023 जिसकी माप 107
वर्ग गज प्लाट नं० 719/46, खसरा नं० 3299/719,
ब्लाक एम०, गली नं० 3, बांद नं० 16, बस्ती रहगढ संत
नगर, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्र० सुचना

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस० आर० 3/१८२/१९८१—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 7/18 है तथा जो 10003/4 आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्त संबंध में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्दतः:—

(1) श्री अंत राम सपुत्र र्व० किंगोरी लाल निवासी ४३, पंचकुला रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री एन० डी० तनेजा (एच० य० एफ० डारा कर्ता श्री एन० डी० तनेजा (2) श्री डी० एन० तनेजा (एच० य० एफ० डारा कर्ता डी० एन० तनेजा 7 साठथ पटेल नगर, मैत रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी आपेक्षित :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आंर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति वीयरिंग नं० 7, ब्लॉक नं० 18, म्यूनिसिपल नं० 10003/4, आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में जिसकी माप 240 वर्ग गज है।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002।

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्यू० आई० ए० स० आर०

3 /9-82/1005—अतः मुझे, नरिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पी-15 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पञ्चहू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ दूर्घात किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दूर्घात में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

E-CJ/83

(1) श्री आशा रानी पत्नी श्री बनारसी लाल निवासी सी-80 पंथगीत एनक्लैव नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीरा ब्रिज गही पत्नी ब्रिज मोहन अगही निवासी बी-2/58 मकान एनक्लैव नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं. पी-15 जिसकी माप 1/3 311 वर्ग गज ग्रीन पार्क का है नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
मकान अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002)

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्रसूत आई. एम. एन. एस.-----

(1) श्री राम पाल बनर्जी सपुत्र स्वर्व० श्री सुरिन्द्र नाथ बनर्जी निवासी 18/12, डबल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली-110005

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 17 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० आई० एस० आर० 3/
10-82/1048—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-3/28 है तथा जो 2½ मंजिला भवन सफदरजंग विकास रिहाइस योजना नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित दो तात्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाये ब्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने परें सहायता दें लिए:

सम्पत्ति नं० बी-3/28 2½ मंजिला भवन एरिया 200 वर्ग गज में सफदरजंग विकास योजना नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

या: ब्रेकट अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

तारीख : 11-4-1983

मोहर:

प्रकल्प आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंजI, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिवांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई० ए८० आर०
3/10-82/1121—अतः मुझे, नरिन्द्र पिहः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 48 है तथा जो ब्लाक नं० बी-३
आवास योजना सफदरजंग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपापक अनुसूची में पूर्ण सा से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्टूबर 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के दिए अन्तरित को गहर है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए हूर्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इधारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रमेश कुमार श्रीमती वैद कुमारी दोनों निवासी
बी-3/48, सफदरजंग इन्कलेब, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) श्री मनोज खोशला निवासी ए-1/230, सफदरजंग
एंकलेब, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के, अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
द्वारा लिखित में किए जा सकते।

प्राप्तिकरण—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पर्दों का, गो उक्त
अंतरिती का, विवरण 20-वा पारंपरिक है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
रखा जाए।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 48, ब्लाक नं० बी-३, सफदरजंग आवास
योजना, नई दिल्ली में स्थित है।
जिसकी माप 332 वर्ग गज है।

नरिन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-4-1983

मोहर :

प्रृष्ठ नार्ह, टी. एन. एस. -----
 आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बंबई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3397/82-83—अतः मुझे,
 एस० एच० अब्बास अविदी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन मालग अधिनियम को, इस विभाग करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 511 और 512 दूसरी
 हनुमान लेन है तथा जो सन्ताकुज में स्थित है (और इससे उपावड्ढ
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
 1908 का 16) के अधीन तारीख 17/8/1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसै इश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) मेरी अंगेला गोम्स (2) बर्नाडेटा पस्कोल कोम्स
 (3) मिसेस ब्रीजेट परेरा (4) मिस अगाथा
 गोम्स और जोसेफ रेंग गोम्स।
 (अन्तरक)
 (2) सांताकुज स्टलिंग को-ऑपरेटिव हार्डिंग सोसाईटी
 लिमिटेड
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवादियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1075/81 और जो
 ऊप-रजीस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1982 को रजीस्टर्ड
 किया गया है।

एस० एच० अब्बास अविदी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज,

तारीख : 12-4-1983
 माहिर :

प्रस्तुप बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3434/82-83—अतः मुझे,
एस० एच० अब्बास अब्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० नं० 1472-1473 मिस्कीटा
स्ट्रीट के० हॉ बाई नं० के० 122/1/ और (2) स्ट्रीट नं०
78/79—है तथा जो विलेपाले में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/8/82
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल में, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे अधीनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्याओं, अर्थात् :—

(1) मिसेस नेल्ली मिस्कीटा (2) श्री लेस्ली पीटर
मिस्कीटा (3) डोनाल्ड जोसेफ मिस्कीटा और (4)
श्री गाय फान्सीस मिस्कीटा

(अन्तरक)

(2) दि पालै मेषूदूत प्रिमायसेम को-आपरेटिव सोसाइटी
लिमिटेड

(अन्तरिती)

3. व्यक्तियों का नाम और पता जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।

फ्लैट (1) श्री कूमार सुब्रह्मण्यम्

फ्लैट (2) श्री बाबी मरीयन मैनेजमेंट और मिसेस मैनेटी
मारीया अग्नेस मैनेन्सोस

फ्लैट (3) मिसेस मधुराबाई देशमुख

फ्लैट (4) मिसेस मेवल अमृत पाइस, मिसेस बीटीस
पाइस और श्री अमृत सालक्हाडोर पाइस

फ्लैट (5) मिसेस वत्सलाबाई वत्तात्रय भवत

फ्लैट (6) श्री हिलरी अलबूकर्क, मिसेस किलटा अल्बू-
कर्क और श्री फिलीप अल्बूकर्क

फ्लैट (7) श्री इसाक अन्थोनी गोन्सालवेस

फ्लैट (8) श्री डोगलॉड जोसेफ मिस्कीटा

फ्लैट (9) श्री लिली पीटर मैस्कीटा

फ्लैट (10) श्री माधव पंडरीनाथ साठे

फ्लैट (11) श्री गाय फ्रान्सीस मिस्कीटा

फ्लैट (12) मिसेस नेल्ली चालैंस मिस्कीटा

फ्लैट (13) श्री मडाथील के. चक्रो

फ्लैट (14) श्री वेलाम कलाथील सी. अन्थोनी।

का यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉर्स भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा मैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 895/1979 और जो
ऊपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1982 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी
संकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख 12-4-1983

माहेश :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बब्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3437/82-83—अतः मुझे,
ए स० एच० अब्बास अब्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लाट सी० टी० एस० नं० ई०/664
बान्द्रा डिवीजन, खार है तथा जो खार में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

10-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बायरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स रीझवी बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) रीमवी सदन कोअंपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी,
लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1007/1981 और जो
ऊपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1982 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-4-1983 :

मोहर :

प्ररूप बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3398/82-83—अतः मुझे
एस० एच० अब्बास अब्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० III, टी० पी० एस०
3, सी० टी० एस० नं० एफ० 692 है तथा जो बान्द्रा में स्थित
है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 17-8-1982

नो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, इस इश्यमान प्रतिफल का
न्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
अंतरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) होमाइ शापुर मोदी
- (2) मिसेस जेंरु एराच मीस्ट्री
- (3) एराच अदौशीर, मिस्ट्री, एजेंट्स और
इंस्टीज आफ लास्ट विल एड इंस्टेट्मेंट आफ
जहांगीर हारेमरजी लिम्बुवाला
- (4) अस्पी सारावशा लिम्बुवाला
- (5) नोशेर साराव शा लिम्बुवाला
- (6) पिराल सारावला लिम्बुवाला
- (7) रुसी फ्रेमरोज लिम्बुवाला
- (8) कोबाड फ्रेमरोज लिम्बुवाला और
- (9) सराश फ्रेमरोज लिम्बुवाला

(अन्तरक)

2. रिफवी इंस्टेट एन्ड होटेल्स प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1504/1981 और जो
उप-रजीस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1982 को रजीस्टर्ड
किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख 12-4-1983

माहर :

प्रस्तुत आइँ. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं. ए० आर० 2/3440/82-83—अतः मुझे
एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० सर्वे सं नं० 544 और 544
(1) से 544 (9) — है तथा जो बिलेज मालाड में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुबमई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
17-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः :—

- (1) महेंद्र भगवानदास और दिपक रणजीत मर्चेंट
(अन्तरक)
- (2) विजय कम्पनी
(अन्तरिती)
- (3) विजय कम्पनी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस० 545/79 और
जो० उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1982 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,-2 बम्बई

तारीख 14-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) मिसेस रुमाना डिगेलो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री जावेद हसन, चीफ प्रमोटर आफ गांरजीना
को-ऑपरेटिव सोसाइटी प्रोजेक्ट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3439/82-83—अत मुझे
एस० एस० अब्बास अबिदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक हैऔर जिसकी संख्या एस नं० 1283 हिस्सा नं० 3 सीटीएस
है तथा जो डाउन, बांद्रा में स्थित है (और इससे
उपबढ़ अनुसूची में पुर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नर
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12/8/82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
पासविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1775/81 और जो
उपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 12-8-1982 को
रजिस्टर्ड किया गया है।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।एस० एस० अब्बास अबिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

9-66 GI/83

तारीख 14-4-1983
मोहरः

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3429/82-83—अतः मुझे,
एस० ए० अब्बास अब्दिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर भंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या ए० नं० 22, हिफ्मा नं० 1, सी० टी०
एस० 4 प्लाट नं० 2 है तथा जो ओलैम, लाड में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
19 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जामितियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 'भेष्यनीसा हाजी इस्माईल, द्वारा के० के० कुलकर्णी,
रजिस्ट्रार बम्बई सिटी, सिविल कोर्ट।
(अन्तरक)
- (2) अन्धोनी वी० फर्नांडेस, डेनीयल कुटीन्हो, विलफ्रैड
जे० पी० सैराव, श्री सी० डी० कोमाचेन और
अलोइस नामेन बाबू।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या ए० 537 और जो
उपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-1982 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

एस० ए० अब्बास अब्दिदी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-4-1983
मोहर :

प्रकृष्ण भाई. टौ. एन. एस.-----

(1) श्री अनंत पी. संघवी और श्रीमती शांताबेन पी. संघवी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत चुनाव

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3371/82—अतः मुझे एस०
एच० अब्बास अब्बदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लाट नं० 85/86, वासनजी लालजी रोड
है तथा जो कान्दीबली (प) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 अगस्त 1982
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
कृति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—कां यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अल्लर तं हुई किसी वाय की कावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कह दने के अन्तरक के बायित्व में
कही कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, उच्चन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2781/67-68 और
जो उप रजीस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1982 को
रजिस्टर्ड किया गया है।एस० एच० अब्बास अब्बदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज 2, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

तारीख 12-4-1983

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश संख्या ए० आर० 2/3435/82-83—अत मुझे ए०
ए० अब्बास अब्दिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओरीजीनल प्लाट नं० 10 फाइनल प्लाट
नं० 5, पी० ए० टौ० 5 सी० टी० ए० नं० 87 और
87/1 से 87/16 तक है नथा जो सांताकुंज में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मूवई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-82
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए यह पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण अंतरण में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री गोविन्द रघुनाथ पारकर

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दतर हसन रीज़वी

(अन्तरिती)

(3) कोई अनांधोराज्ञ व्यक्ति

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
भी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दत्ते के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उक्त संचान में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा की विलव संख्या 1775/81 और जो
उप-रजीस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1982 को रजीस्टर्ड
किया गया है।

ए० ए० अब्बास अब्दिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

तारीख 15-4-1983
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ ठी॰ एन॰ एस॰—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-का (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 मार्च 1983

निर्देश सं॰ चण्डी०/126/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-का
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं॰ 1280 है तथा जो सैक्टर 37
बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपादव अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अगस्त 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायिक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तशों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम; या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावधि प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

(1) सर्वेश्वी सुभाषचन्द्र सचदेवा व अनिल कुमार
सचदेवा पुत्रान श्री गोविंद राम वासी बी-3/9
माझल टाउन, दिल्ली-9।

(अन्तरक)

(2) श्री जी॰ एल॰ सेठ पुत्र श्री हरि चन्द्र सेठ वासी
1026, सैक्टर 37बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को पद सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं॰ 1280, सैक्टर 37बी, चण्डीगढ़ में है।
(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 744 अगस्त 1982 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-का के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-का की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीखः 31-3-1983
मोहर

प्रदय आर्ह. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० चण्डी/133/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1623 है तथा जो सैकटर
36 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन अगस्त 82

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भ्रिविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति अमर कौर रत्न पल्ली श्री हरमेंग सिंह
वासी 1275/21ए चण्डीगढ़ मारकत श्री जगिन्द्र
सिंह पुन श्री चन सिंह वासी 24 पछिक
पार्क, श्री गंगानगर (राजस्थान)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति गुरशारन कौर पत्नी श्री उजागर सिंह व
श्री दविन्द्र सिंह, श्री नबतेज सिंह पुन्नान श्री
उजागर सिंह वासी 84/11ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

मकान सं० 1623; सैकटर 36 डी में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 781, अगस्त 1982 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 15-4-1983

माहर :

प्रस्तुत आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) को अधीन संघना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० चण्डीगढ़/14/82-83—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन संघन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 648 है तथा जो फेज 3 ए. मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्षण ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कली करने या उत्तर से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) डा० अवतार सिंह पुत्र श्री शोभा सिंह वासी 8 रानी का बाग, अमृतसर।

(अंतरक)

(2) श्री आर० एल० कुष्कड वासी 165/9 वी, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

प्लाट नं० 648, फेज 3 ए, मोहाली में है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2708 अगस्त, 1982 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
संघन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 4-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप् आर्द्ध. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निर्देश सं० चण्डी/115/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1686 है तथा जो 22बी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे ऊपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, बब, उक्त आधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधान् 1—

(1) श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री शाम कुमार द्वारा श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री राम जीवन दास वासी 1885/22 बी, चण्डीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्री राम रत्न अगरवाल पुत्र श्री जगदीश राय वासी 406/20ए, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

(3) मैं घसमेस प्रिंटिंग प्रेस व श्री शाम कुमार गुप्ता वासी 1686/22 बी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तज्ञकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1686, सैक्टर 22बी चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 658 अगस्त 1982 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 13-4-1983

माहूर:

श्रेष्ठ बाई, टौ. पन्. इच्छा, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निर्देश सं० चण्डीगढ़/109/82-83—अतः मुझे, सुखदेवचन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 411 है तथा जो सेफ्टर 20 ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतीक-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदय किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः ऊब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, वर्षातः—

10—6GI/83

(1) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह वासी 411/
20 ए, चण्डीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्री लाल चन्द्र अगरवाल पुत्र श्री परशिंदा राम व
श्रीमति कृष्णा देवी पत्नी श्री लाल चन्द्र अगरवाल
वासी 411/20 ए, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

(3) श्री नरिन्दर सिंह, श्री बलवन्त मकान नं० 411/
20 ए, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मेरे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहसाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 411/20 ए चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 631, अगस्त 1982 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 मार्च 1983

निर्देश सं० चण्डी /132/82-83-असः मुझे, सुखदेवचन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी संख्या मकान नं० 550 है तथा जो सैकटर 20
ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनूसूची में
और पूर्ण रूप वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 8/82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे अधीन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भीरतीय आद-कर अधिकारी, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति चम्पी बाई पत्नी सर्व० श्री गोबरधन दास
वासी मकान नं० 168 /22 बी चण्डीगढ़
(अंतरक)

(2) श्रीमति रनधीर कौर पत्नी श्री हरबन्स सिंह व
श्री जसबीर सिंह पुत्र श्री लच्छमन सिंह वासी
667/20 ए चण्डीगढ़।
(अंतरिती)

(3) श्री हरबन्स सिंह श्री बुज लाल श्री रघबीर चन्द
श्री हरजीत सिंह वासी मकान नं० 550 सैकटर
20 ए० चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनूसूची

मकान नं० 550 सैकटर 20 ए० चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ़
के कार्यालय के बिलेख संख्या 777 अगस्त 1982 में दर्ज
है)

सुखदेवचन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 31-3-1983

मोहर :

प्ररूप आइ^१. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निर्देश सं. अष्टी/138/82-83— अतः मूझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. एस. सी. ३० एफ. नं. ३० है तथा
जो सैकटर २६ चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपार्क्ष
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे है दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ^२ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभास्तः—

(1) सर्वश्री मुकुम्बी लाल, मनपत राय, कश्मीरी लाल
व बनारसी दास वासी एस. सी. ३० एफ. नं.
६६, ग्रीन मारकट चण्डीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्रीमति देव बन्ती पत्नी श्री भगत राम ए. सी. ३०
एफ. नं. ३० सैकटर २७, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

(3) श्री सतीश कुमार पुत्र श्री कश्तुरी लाल एस. ३०
सी. ३० एफ. नं. ३० सैकटर २६ चण्डीगढ़।
(वह अक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सभाज्ञ होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस. सी. ३० एफ. नं. ३० सैकटर २६, चण्डीगढ़
(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी चण्डीगढ़
के विलेख संख्या ७९७, अगस्त, 1982 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 8-4-1983

मोहर :

प्रलम आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० लुधियाना/85/82-83— अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फटटरी ब्लाट 322, है तथा इंडस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाध्य अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रथमान प्रतिफल से, ऐसे रथमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (1) मै० ए० बी० इंजोनियरिंग वर्कर्स, जी० टी० रोड लुधियाना।
(अंतरक)
(2) मै० सागर कास्टींग प्र० लि० 322-इंडस्ट्रियल एरिया ए० लुधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकृप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन और दूसरे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवृण्ठ था छिपाने में सुविधा के लिए;

फैक्टरी ब्लाट नं० 322, जिसका थेन्ड फल 10531/2 वर्ग गज है और जो इंडस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 8049 अगस्त 1982 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण में, मै० उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारण (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्त ८—

तारीख : 11-4-83

ओहर :

प्रलेप आइ० टो० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रुंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निर्देश सं० खरड/16/82-83— अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 614 सी है तथा जो फेंज 3ए, मोहाली जिला रोपड़ी, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की आवत्ता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहे था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त—

(1) श्री बी० एल० पुजारा पुत्र श्री जमना दास, एक्सीएन इरीगेशन लीनीग डिविजन नं० 4, बर्ठड़ा।

(अंतरक)

(2) श्री. मेहर सिंह पुत्र श्री तारा सिंह मकान नं० 32, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मोहाली

मकान नं० 614 सी० फेंज 3 ए, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2742 अगस्त 1982 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 8-4-1983

मोहर :

प्रस्तु आई० टौ० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निर्देश सं० चण्डी/134/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं० १ सं० सी० ओ० प्लाट नं० 71 है तथा जो
सैकटर 47 सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किशन चन्द्र पुत्र श्री प्रभु दयाल व श्री कशमीरी
लाल पुत्र श्री पाला राम वासी ग्राम मकान नं०
313/21 सी चण्डीगढ़ मारकत श्री सालिंग राम पुत्र
श्री भगत राम वासी 1110/33 ए० चण्डीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्री आई० ज० गान्धी पुत्र श्री सम्भू राम वासी
गांव बिलगा जिला जालन्दर मारकत श्री बननीत
कुमार नरोया पुत्र श्री ओ० पी० नरोया वासी
2582/19 सी० चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में संभास्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद्धुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० प्लाट नं० 71, सैकटर 47 री०
चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 783 इगस्त, 1982 में दर्ज
है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-4-1983

मोहर

प्रस्तुत बाहे.टी.एन.एस.-----

(1) रोती टवर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) पी० जे० बालू

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० 17544—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 7, नुंगमबाखम है रोड है, जो मद्रास 34
में स्थित है (और इससे उपारद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर
(डाकुमेंट 1660/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्तरदेश:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
रखा है।

(क) अन्तरण से हटे किसी आय की वावत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उससे वजने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि-7, नुंगमबाखम है रोड मद्रास-34 (डाकुमेंट सं०
1660/82)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर० पी० पिल्ले,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-4-83

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

(1) रोसी टवर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) टी० राजम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० 17544—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, नुगमबाखम है रोड है, जो मद्रास-34
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर
(डाकुमेंट सं० 1661/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिव
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1982
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि गथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पछा गया ग्राम प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ज्ञात
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ज्ञात
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूरू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
व्यक्तियों में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मृमत्सूची

भूमि 7, नुगमबाखम है रोड, मद्रास-34 (डाकुमेंट सं०
1661/82)

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितीयों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

आर० पी० पिल्ले,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

दिनांक : 15-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.----

(1) रोसी टवर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) वलसा जारज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवासः—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1983

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरन्धी अधिकारी पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 7, नुंगमबाखम है रोड है, तथा जो मद्रास 34 में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी०० नगर (डाकुमेंट 1662/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरीत की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हायित्व में किसी करने या उसमें छवने में स्विभाव के लिए और/वा

भूमि-7, नुंगमबाखम है रोड मद्रास-34 (डाकु 1662/82)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवर्ण नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभाव के सिए;

आर० पी० पिल्ले

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर नियमित (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निवेश मं० III 700/अर्जन/83-84--अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० धनबाद मीजा सं० 51, पार्ट आफ हो०
सं० 71 एवं 72, पार्ट आव प्लाट सं० 755 एवं 756 में खाता
सं० 38 है तथा जो बैंक मोर के नजदीक झरिया रोड पर,
जिला-धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रीय रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता थाहिए था, छिपाने में सुनिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धास्तः :—

(1) श्री सरदार सूरत सिंह वल्द स्व० सरदार आशा सिंह
द्वारा, सरदार मुख्तार सिंह, निवासी-सरोजिनी देवी
लेन, माल कुआं, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्ष कुण्ड अग्रवाल वल्द स्व० धनराज अग्रवाल
निवासी-बैंक मोर के नजदीक, झरिया रोड, जिला
धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शित-
बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 2,186 वर्ग फीट है
तथा जो बैंक मोर के नजदीक झरिया रोड पर जिला-धनबाद
में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9881 है दिनांक
16-8-82 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक : 14-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III 698/अर्जन 83-84—यतः मुझे प्रबोध
कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हो० स० 1375 (पुराना) 2260 (नया),
वार्ड सं० II एम० एस० लाट सं० 1437 है तथा, जो भुईयां
टोली, हरमू रोड से हटकर, जिला रांची में स्थित है (और
इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 अगस्त,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम, के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसो विसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातु :—

(1) श्री विपीन कुमार बुधिया वल्द श्री वासुदेव प्रसाद
बुधिया निवासी सुरेश बाबू स्ट्रीट, थाना—कोतवाली,
जिला रांची।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र कला देवी सोमानी जौजे श्री नन्द
लाल सोमानी, निवासी दीनबन्धु स्ट्रीट, थाना कोतवाली,
जिला रांची।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 9 कठठा 2 छटांक
22 वर्गफीट है तथा जो भुईयां टोली हरमू रोड से हटकर
जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 7268
दिनांक 10-8-82 में वर्णित है और जिला अवर निवंधक
पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक : 15-4-1983

मोहर :

प्रसूप बाईं, टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III-715/अर्जन/82-83—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वारे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० एस० प्लाट नं० 83, 85 (पार्ट)
तौजी सं० 143, वार्ड नं० 2, सर्किल नं० 6, सीट नं० 20,
पुराना हो० संख्या 175 वी है तथा जौ फ्रेजर रोड, पटना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 अगस्त
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा याद गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एकी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आपूर्तियाँ
को जिन्हें भारतीय उन्न-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शेला सुलतान प्लान्ट जीजे औस्टीन जूट
प्लान्ट फ्रेजर रोड बांकोपुर, थाना कोतवाली, जिला
पटना वर्तमान पता-35, हिल कोर्ट रोड, थाना/
जिला दार्जिलिंग (प० बंगाल)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतीभा सिंह जौजे स्वं० कुंवर प्रेम राज सिंह
ग्राम/थाना शिवहर, जिला बिजनौर (य० पी०)
वर्तमान पता-2, हेली रोड, नई दिल्ली और न्यू
डाक बंगला रोड, थाना-कोतवाली, जिला-पटना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 13 धुर साथ में दो मंजिला,
एक मंजिला और अन्य बना हुआ भाग जो फ्रेजर रोड, थाना-
कोतवाली पटना, जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप
से वसिका संख्या 7781 दिनांक 19-8-82 में वर्णित है
एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना
के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

प्रबोध कुमार द्वारे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 11-4-1982

मोहरः

प्रस्तुति आर्द्ध. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं. III-717/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध कुमार हूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बाठ संख्या 12, प्लाट संख्या 62, ब्लाक-बी है तथा जो राजेन्द्र नगर, रोड नं. 8 बी, पटना में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मिरिगेन्द्र समादार वल्द स्वं. माहेन लाल समादार मोहल्ला थाना कदम कुआं, शहर पटना, जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश अग्रवाल वल्द श्री नरसिंह दाम मोहल्ला राजेन्द्र नगर, रोड नं. 8 बी, डा० उमिना मोदी के क्लीनिक के समीय, थाना कदम कुआं, शहर पटना, जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 548. 1 स्कवायर याड साथ में मकान जो मोहल्ला राजेन्द्र नगर, रोड नं. 8 बी, थाना कदम कुआं, शहर पटना, जिला—पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 7776 दिनांक 19-8-82 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार हूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 15-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश मं० III-709/अर्जन/83-84—अतः, मुझे, प्रबाधि
कुमार द्वारे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ८३ धनबाद भौजा मं० ५१, वार्ड मं० १७, पार्ट
आफ होलिङा मं० ७१ एवं ७२, पार्ट आफ प्लाट सं० ७६०
एवं ७६६, खाता मं० ३८ है तथा जो बैंक मोर के नजदीक
झरिया रोड पर, जिन धनबाद में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नरी अधि-
कारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भविधा
के लिए; और/था

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए; था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार सूरत सिंह वल्द स्व० सरदार आशा मिह
द्वारा, मरदार मुख्तार मिह, निवासी सरोजिनी देवी
लेन, लाल कुआं, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल कुमार अग्रवाल वल्द स्व० धनराज
अग्रवाल, निवासी बैंक मोर के नजदीक, झरिया रोड,
जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 2,9232 वर्ग फीट है
तथा जो बैंक मोर के नजदीक झरिया रोड पर जिला धनबाद
में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9475 दिनांक
2-8-82 में वर्णित है और जिन अवर निबंधक पदाधिकारी
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वारे,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक : 14-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाईर्स टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं. III-699/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वारे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 51, वार्ड सं. 17,
पार्ट आफ हेस्टिङ्ग सं. 71, एवं 72 पार्ट आफ फ्लाट सं.
755, एवं 756, खाता सं. 38 है तथा जो बैंक मोर के
नजदीक झरिया रोड पर जिला धनबाद में स्थित है (और
इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 अगस्त,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उधारेयों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिद्वय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चरदार मूरत सिंह वल्द स्व. ० मरदार आज्ञा सिंह
द्वारा सरदार मुछार सिंह, निवासी सरोजिनी देवी
लेन, लाल कुआं, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम अवतार अग्रवाल, वल्द स्व. ० धनराज अग्रवाल
निवासी बैंक मोर के नजदीक, झरिया रोड, जिला
धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 2,221 वर्ग फीट है
तथा जो बैंक मोर के नजदीक झरिया रोड पर जिला धनबाद
में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9880 दिनांक
16-8-82 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वारे
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक : 14-4-1983

मोहर :

प्राप्त नं^o. टी. पन. एस. ----

(1) (1) श्रीमती बानी डे (2) श्रीमती जयश्री राय (3)

श्री देवाणीप डे सभी निवासी 22/5/2, स्ल्स्टमजी
स्ट्रीट, थाना बालीगंज, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) श्री डी० नारायण राय वहद श्री एस० प्रसाद
राय निवासी बोरिंग कैनाल रोड, जिला पटना।

(अन्तरिती)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश नं. III-708/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वारे,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 60 एवं 54, सर्वे थाना संख्या 7 हैं तथा, जो
बोरिंग कैनाल रोड, जिला-पटना में स्थित है (और इसमें
उपलब्ध अनुमती में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 अगस्त, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वनने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन में भक्ति रक्षा करीब करीब एक कट्ठा
है तथा जो बोरिंग कैनाल रोड, जिला पटना में स्थित है एवं
पूर्ण रूप से विभिन्न संख्या 6969 दिनांक 11-8-82 में वर्णित
है और रजिस्ट्रार आफ एस्टोरेंस कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत
है।प्रबोध कुमार द्वारे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 15-4-1983

माहूर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काश्मीर, सहायक आयकर आयद्वारा (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III-712/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध

कुमार द्वे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० एस० प्लाट सं० 1181 (सब प्लाट
सं० 1181/ए) हो० सं० 640, वार्ड सं० II है तथा, जो हरमू
रोड़, थाना कोतवाली, जिला रांची में स्थित है (और इसे
उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 अगस्त, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वारहविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है० किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, दृ०, लक्ष्य अधिनियम अरी धारा 269-घ की उपधारा (1)
को अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती ज्योति प्रोभा मित्रा जौजे स्व० एस०
एन० मित्रा ।
- (2) श्री प्रकाश चन्द्र मित्रा
- (3) श्री प्रबोश चन्द्र मित्रा
- (4) श्री प्रवीर चन्द्र मित्रा, क्रम संख्या 2 से 4 तक के
पिता स्व० एस० एन० मित्रा
- (5) श्रीमती नमिता मित्रा जौजे श्री प्रताप चन्द्र
मित्रा स्वयं तथा प्रणव, अर्चना और अंजना सभी
अव्यस्क की माँ,

(6) श्रीमती विधी मित्रा जौजे श्री प्रतुल चन्द्र मित्रा
स्वयं एवं, जोड़ता तथा प्रसेनजीत, अव्यस्क की
माँ, क्रम संख्या 1 से लेकर 6 तक सभी दीनबन्धु
लेन, अपर बाजार, रांची के निवासी हैं।

(7) श्रीमती जीला देवी शर्मा जौजे हरिनाथ शर्मा
निवासी खेड़वट टोली, हीनू, रांची

(8) श्रीमती बाबीला बाल जौजे श्री प्रदीप बाल निवासी
ब्लाक ए/7, फ्लैट 7, कालिन्दी हाउसिंग इस्टेट,
कालौदह, कलकत्ता-700055

(9) श्रीमती छवि सिन्हा जौजे—श्री श्यामल सिन्हा
निवासी-46/ए, बोस पारालेन, कलकत्ता-700003

(10) श्रीमती नुमिता बोस पुत्री—श्री ए० के० बोस
निवासी-166, अपर सरकुलर रोड़, कलकत्ता-
700004

क्रम संख्या 8 से 10 तक द्वारा गठित प्राभिकर्ता
श्री श्यामल सिन्हा

निवासी-46/ए, बोस पारा लेन, कलकत्ता-
700003 (अन्तरक)

2. मैसर्स सुप्रीम रोडवेज लिमिटेड, द्वारा, मैनेजर एवं
कंस्टीचूटेड एजेंट, श्री श्याम लाल गुप्ता व्लड स्व०
माया राम गुप्ता निवासी हरित भवन, हरमू रोड़,
जिला रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 6 कठ्ठा 5 छटांक है
तथा जो हरमू रोड़, थाना कोतवाली, जिला रांची में स्थित है
एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 7669 दिनांक 31-8-82
में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रांची के
द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक : 15-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III-703/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ही धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वसिका संख्या 9884, दिनांक 16-
के अनुसार है तथा, जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर,
जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दिह विभाग से प्रधिक है और घन्तर (घन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तर पांगा गया प्रतिफल तिन्हिं उड़ेश्य में उक्त घन्तरण
विभिन्न वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय अधीन-खंड अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
1957-58 अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया
गया या या इस चाता चाता चाता या इसने वे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत,

(1) श्री पूर्णलाल चावड़ा वल्द श्री भी० जी० चावड़ा
मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते धालाभाई विद्योतोजक मंडल,
निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद १

(अन्तरक)

(2) श्री संजय सिंह वल्द श्री राम बहादुर सिंह द्वारा,
उषा टाकीज, पौ० झरिया, जिला धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय ३०-ह में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा एक कठा है तथा जो
बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर जिला धनबाद में
स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9884 दिनांक 16-८-८२
से वर्णित है एवं जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी धनगाद
के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक : 14-4-1983

माहर ४

प्रस्तुप आई० हो० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

। पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III 702/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से धनिक है
और जिसकी सं० वसिका संख्या 9883, दिनांक 16-8-82
के अनुसार है तथा जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर,
जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिख व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पुरनलाल चावड़ा वल्द श्री भी० जी० चावड़ा
मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते घालाभाई विद्योतोजक मंडल,
निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह वल्द श्री राम बहादुर सिंह द्वारा;
उपा टॉकीज, पो० झरिया, जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उपर्युक्त अन्तर्कों द्वारा दिए गए आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजदूत ने रकाशन का तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख वे 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी
प्रवृत्ति वर्द्धन में लमात्प होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इन सूचना के राजदूत से प्राप्त जीवन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाचार में हितबद्ध
किसी दूसरे द्वारा, धोरस्तारोन्त व्यक्ति
के पास लिखित में किये जा सकें।

संक्षेप :— इनमें प्रयुक्त ठेंडों और पटों का, जो उक्त
प्रयोगनार्थ 269-ग में परिभ्राष्ट
है, वह वर्ते हुए, जो उन अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा एक कठा है [तथा
जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर जिला धनबाद में
स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9883 (दिनांक
16-8-82 में वर्णित है एवं जिला अवर निवंधक पदाधिकारी
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक : 14-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III-711/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ५८० तक सं० ११८१ (सब प्लाट
सं० ११८१/ए), हो सं० ६४१, वार्ड सं० २ है तथा, जो हरमू
रोड, धाना-कोतवाला, जिला रांची में स्थित है और इससे
उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधि-
कारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अर्द्धानि, दिनांक 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के दौरे ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय से किसी भूत या अन्य आन्तरितों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री काली कृष्ण मित्रा वल्द स्व० सुरेश चन्द्र मित्रा
निवासी-56, सर्कुलर रोड, धाना नालपुर, जिला
रांची

(अन्तरक)

(2) मैरसं सुप्रीम रोडवेज लिमिटेड, द्वारा, मैनेजर एवं
कॉन्सटाच्यूटेड एजेंट, श्री श्याम लाल गुप्ता वल्द स्व०
माया राम गुप्ता निवासी हरित भवन, हरमू रोड,
जिला रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हार्दिक से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्वय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 6 कट्ठा 5 छटांक है
तथा जो हरमू रोड धाना कोतवाला, जिला रांची में स्थित है
एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 7356 दिनांक 16-8-82 में
वर्णित है और जिला अवार निवासक विभागीय रांची के
द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, विहार, पटना

दिनांक: 15-4-1983

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना
पटना, दिनांक 15 अप्रैल, 1983

निर्देश सं. III-719/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वारे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी नं. प्लाट नं. 924, खाता नं. 213, तीजी
नं. 5587, सर्वे धारा नं. 11 (फुलवारी) है तथा, जो
ग्राम खाजपुरा जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुमूर्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 अगस्त, 1982

का पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और भल्कू यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दूसरामात्र प्रांतफल से, एसे दूसरामात्र प्रांतफल का पञ्चह प्रतिशत ने अधिक है और अंतरक (अंतरक) अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रांतफल निम्नालिखित उदरेंश्य से उक्त अंतरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्युत्तर में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था द्वियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शशी प्रभा प्रसाद जौजे श्री जनारद्धन प्रसाद ग्राम फतेहपुर, धाना सिलाओ, जिला नालन्दा बंसमान पता भोहला, चित्रगुप्त नगर, धाना कंकर बाग, पोस्ट जी० पी० औ०, पटना

(अंतरक)

(2) डा० गोपाल प्रसाद भिन्हा वल्द श्री नवल लाल सिन्हा, नोर्थ एस० के० पुरी, धाना श्रीकृष्णपुरी, पोस्ट-जी० पी० औ०, जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः——इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

जर्मीन जिसका रक्का 13 कट्टा, गाथ में सकान जो भोहला खाजपुरा, शहर पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण द्वार में बमिका संख्या 7592 दिनांक 13-8-82 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, विहार, पटना

दिनांक: 15-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं. III 704/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वाबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वसिका संख्या 9885, दिनांक 16-8-82 के
अनुसार है तथा, जो बैंक मोर के नजदीक कतरास रोड पर,
जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में
रुचिरा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पूर्णलाल चावडा वल्द श्री भी० जी० चावडा
मैनेजिंग ट्रस्टी, बास्ते धालाभाई विद्योतोज मंडल,
निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती देवी जीजे—श्री राम बहादुर सिंह
द्वारा, उषा टार्कीज, पौ० अरिया, जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में भूमाल हाती है, के भैंसर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा एक कठ्ठा है तथा जो
बैंक मोर के नजदीक कतरास रोड पर जिला धनबाद में स्थित
है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9885 दिनांक 16-8-82
में वर्णित है एवं जिला अव्र निबंधक पदाधिकारी धनबाद
के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वाबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक: 14-4-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आहे. टी. पर्स. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III 707/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वाबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वमिका संख्या 9888, दिनांक 16-8-82
के अनुसार है तथा, जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर,
जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, वै उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अधृत :—

(1) श्री पुरनलाल चावडा वल्द श्री भी० जी० चावडा
मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते धालाभाई विद्योतोजक मंडल,
निवासी कतरास रोड, जिला धनबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री माधो सिंह वल्द श्री राम बहादुर सिंह द्वारा
उपा टाँकीज, पो० झरिया, जिला धनबाद।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवोध
धाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्याकृत द्वारा अध्रोद्धताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-को में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा एक कठा है तथा जो
बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर जिला धनबाद में
स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9888 दिनांक
16-8-82 में वर्णित है एवं जिला अवर निबंधक प्रदाधिकारी
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वाबे,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 14-4-1983

मोहृड़ :

प्रगल्प आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 अप्रैल 1983

निर्देश सं० III 722/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वारे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्य 568 एवं 549, खाता संख्या
138, तौजी सं०-27/815 सी सर्वे०, धारा मूल्य 3 (फुलवारी),
वार्ड मूल्य 34, सर्किल मूल्य 249 है तथा जो मैनपुरा टाऊन
पटना, जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य
और मूल्य में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 7 अगस्त, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेखों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
ने निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग थे अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विमल नन्दन प्रसाद वल्द राम नन्दन प्रसाद
मोहल्ला नथा टोला, धाना, पिरवहोर, जिला पटना
द्वारा मोकाम-ए-प्रडोम अधिकारी, वम्बई त्रिवाई
बड़डा, नम्बई-99

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीरा सिंह पुक्ती स्व० राम चन्द्रा प्रसाद
सिंह, गांव एवं पोस्ट मनक्षोलिया इस्टेट, मीतामढी
द्वारा मोकाम मोहल्ला नोर्थ श्री कृष्णपुरी, धाना
श्रीकृष्णपुरी, जिल-पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका एकबा 3 कठा साथ में मकान जो कि
मोहल्ला-मैनपुरा टाऊन पटना, जिला पटना में स्थित है तथा
जो पूर्ण रूप में वसिका संख्या 7415 दिनांक 7-8-82 में
वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी
पटना के हाथ सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक: 16-4-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं. III-718/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रथादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वार्ड नं. 12, प्लाट नं. 62, ब्लाक -बी
है तथा जो राजेन्द्र नगर, रोड़ नं. 8 बी, पटना में स्थित है
(और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21
अगस्त, 1982

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण नियम
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्याप्तियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण
में, यौं, नक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपाया (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धा 5—

13—66 GI/83

(1) श्री मिरिन्द्र समादार बल्द स्व० माखन लाल
समादार मोहल्ला/थाना कदम कुआं, शहर पटना,
जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल बल्द श्री नरसिंह दास
मोहल्ला राजेन्द्र नगर, रोड़ नं. 8 बी, ढा० उमिला
मोदी के क्लिनिक के समीप, थाना कदम कुआं,
शहर पटना, जिला—पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 137/1/4 रकावायर याई साथ में
मकान जो मोहल्ला राजेन्द्र नगर, रोड़ नं. 8 बी, थाना कदम
कुआं, शहर पटना, जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप
से वसिका संख्या 7817 दिनांक 21-8-82 में वर्णित है
तथा जिसका निवंधन जिला अवर निवंधक पदाधिकारी पटना
के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 15-4-1983

माझ्हर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना
पटना, दिनांक 15 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० III 720/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वावे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आवरण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हो० मं० 745, तौजी सं० 6107, बाईं-ए,
जमा बन्दी सं० 48, खसरा सं० 258 (पुराना), 220 (नया)
व मर्वे खसरा सं० 2362 (पुराना) तथा 2394 (नया) हैं
तथा जो मोहल्ला लल्लू पोखर पो० मुगेर, जिला मुगेर में
स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची और में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुगेर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 31 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एंसे इस्यमान प्रतिफल का
एंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित
(अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षमित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अश्विनी कुमार मिश्रा (2) सरोज कुमार मिश्रा
सुपुत्र स्व० बनारसी प्रसाद मिश्रा (3) सुपुत्र श्री
सुधीर कुमार मिश्रा सुपुत्र श्री अश्विनी कुमार मिश्रा
मोहल्ला बड़ा बाजार, पो० डा० मुगेर, जिला मुगेर,
(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप पासवान सुपुत्र श्री राम प्रवेश पासवान
(2) श्री राम प्रवेश पासवान सुपुत्र स्व० प्रयाग
पासवान मोहल्ला लल्लू पोखर, पो० डा० मुगेर,
जिला मुगेर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा दो बीघा दो कठठा तथा सवा
चार धुर है जो मोहल्ला लल्लू पोखर, शहर पो०, डा० मुगेर
व जिला मुगेर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका
संख्या 5780 दिनांक 31-8-82 में वर्णित है तथा जिसका
निवासन जिला अवर निवासक प्राधिकारी मुगेर के द्वारा
सम्पन्न किया गया है।

प्रबोध कुमार द्वावे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक 15-4-1983

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० III-716/अर्जन/82-83—अतः मुझे प्रबोध
कुमार दूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जस इसमें
दूसरे पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एम० एस०प्लाट नं० 83, 85 तोजी नं०
143, वार्ड नं० 2, सर्किल नं० 6, सीट नं० 20 पुराना हो० नं०
175 (बी), है तथा जो फेजर रोड, पटना में स्थित है
(और इसमें उपाबन्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 अगस्त,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम था
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शैला सुलतान प्लान्ट जौजे औस्टीन जूड
प्लान्ट फेजर रोड बौकीपुर, थाना कोतवाली
जिला पटना वर्तमान पता 35, हिल कोट रोड,
थाना/जिला दार्जिलिंग (प० बंगाल)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतीमा सिंह जौजे स्व० कुंवर प्रम राज
सिंह ग्राम/थाना शिवहर, जिला बिजनोर (य० पी०)
वर्तमान पता—2, हेली रोड, नई दिल्ली और
न्यू डाकबंगला रोड, थाना-कोतवाली, जिला पटना
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 13 धुर साथ में मकान जो फेजर
रोड, थाना-कोतवाली, पटना, जिला-पटना में स्थित है तथा
जो पूर्ण रूप से विकास संघ 7730 दिनांक 18-8-82
में वर्णित है एवं जिसका निवधन जिन अवर निवंधक पदा-
धिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 11-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाइं. टी. एन्. एस्.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वा.(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल, 1983

निर्देश सं. III-705/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध

कुमार द्वाबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वसिका संख्या 9886, दिनांक 16-8-82
के अनुसार है तथा, जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर,
जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के जिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
घड़ीश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी हितों द्वाया कि हितों द्वाया अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनु-
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

(1) श्री पुरन लाल चावड़ा वल्द श्री भी० जी० चावड़ा
मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते धालाभाई विद्योतोजक
मंडल, निवासी कतरास रोड, जिला—धनबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री साधो सिंह वल्द श्री जंग बहादुर सिंह द्वारा,
उषा टाकीज, पो० झसिया, जिला—धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण ।— इसमें प्रयुक्त शब्दों पर्दों का, ओ उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा एक कठा है तथा जो
बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड पर जिला—धनबाद में
स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9886 दिनांक
16-8-82 में वर्णित है एवं जिला अवर निवंधक पदाधिकारी
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वाबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 14-4-1983

मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० III-721/अर्जन/83-84—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वाबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट संख्या 568 एवं 549, घाना संख्या
138, तोजी सं० 27/815 सी, सर्वे घाना सं० 3 (फुलबारी),
वार्ड सं० 34, सक्किल सं० 249 हैं तथा जो मैनपुरा टाऊन,
पटना, जिला—पटना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 7 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
द्वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसके अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बिमल नन्दन प्रसाद वल्द राम नंदन प्रसाद,
मोहल्ला नया ठोला, घाना, पिरबहोर, जिला—पटना
हाल मोकाम—एयरड्रोम अधिकारी, बम्बई हवाई
अड्डा, बम्बई—99

(अन्तरक)

(2) श्री नागेश्वर प्रसाद सिंह वर्ष श्री गंगा प्रसाद सिंह
गांव—सिंगराही, घाना—बथनाहा, जिला—सितामढी
हाल मोकाम, एस० के० पुरी, घाना एस० के० पुरी,
पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख घाव्हों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल्याची

जमीन जिसका रकबा 2 कठा साथ में मकान जो कि
मोहल्ला मैनपुरा टाऊन, पटना, जिला—पटना में स्थित है तथा
जो पूर्ण रूप से बसिका संख्या 7416 दिनांक 7-8-82 में
वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदा-
धिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वाबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 16-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत माई० टी० एन० एस०————

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269-ग (1) के अधीन सूचना।

भारत सरका।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० III 710/अर्जन/83-84—अतः मुझे प्रबोध
कुमार द्वारे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० धनबाद मीजा संख्या 51, बांड सं० 17,
पार्ट आफ हैलिंडग सं० 71 एवं 72, खाता सं० 38, पार्टआफ
प्लाट सं० 759 एवं 760 है तथा जो बैंक मोर के नजदीक
अस्त्रिया रोड पर, जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूसरमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमात्र प्रतिफल से, ऐसे
दूसरमान प्रतिफल का पञ्चवां प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रत्यान्तरिती) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कार्यालय
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कियी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आंदृश्य

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना धारीहए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री सरदार सूरत सिंह बलद स्व० सरदार आशा
सिंह द्वारा, सरदार मुजाहर सिंह, निवासी सरोजिनी
देवी लेन, लाल कुआं, लखनऊ

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल बलद स्व० धनराज
अग्रवाल, निवासी बैंक मोर के नजदीक, अस्त्रिया रोड,
जिला धनबाद

(अन्तरिती)

मौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहिया करता हूँ।

वहाँ सम्पत्ति के अर्जन के प्रक्रम में कोई भी आक्षेत्र :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्पत्ति
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होता, जो अस्त्रिया में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय भकान जिसका रकबा 2,247 बर्ग फीट है
तथा जो बैंक मोर के नजदीक अस्त्रिया रोड पर जिला-धनबाद
में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9476 दिनांक
2-8-82 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी
धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वारे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक: 14-4-1983

मोहर:

प्रकृष्ण. बार्ड. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, पटना
 पटना, दिनांक 11 अप्रैल 1982

निर्देश में 714/अर्जन/82-83—अतः मुझे, प्रबोध
 कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी सं० 143, बार्ड नं० 2, मर्किन नं० 6,
 सीट नं० 20, पुराना हो० सं० 175 घी० (पार्ट) है तथा जो
 फेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
 का 16) के अधीन, दिनांक 16 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इसमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
 मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
 अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रास किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती यैला मुलतान प्लान्ट जौजे—ओस्टीन जूट
 प्लान्ट फेजर रोड बांकीपुर, थाना कोतवाली, जिला
 पटना, बर्तमान पटा-35, हिल कार्ट रोड, थाना/
 जिला दार्जिलिंग (प० बंगल)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योतसना सिंह पटनी श्री अखीलेश्वर प्रसाद
 नारायण भिहू, न्यू डाकबंगला रोड, थाना कोतवाली,
 शहर पटना, जिला—पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं क्वाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका एकबा 12 धर साथ में मकान जो
 फेजर रोड, थाना कोनवाली, जिला—पटना में स्थित है तथा
 जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 7657 दिनांक 16-8-82 में
 वर्णित है एवं जिसका निर्बंधन जिला अवर निर्बंधक पञ्चाधिकारी
 पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे,
 संस्कृत प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, पटना बिहार,

दिनांक: 11-4-1983

मोहर:

प्रधन बाइंडी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० जी० आई० आर० संघया एम०-१५१/एक्य०--
अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 20 बीघा प्लाट नं० 517 है तथा जो
मकदोमपुर कैथी परगना विजनौर तहसील व जिला लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोहन-
लालगंज लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 4 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायदि भूमि में कवी करने या उसके बचने में सूचिता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :--

- (1) श्रीमती मेहर रोहीनटन शाहपुर जी
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स मोहन गोल्ड वाटर ब्रूवरीज लि० डालीगंज
लखनऊ
(अन्तरिती)
- (3) उपरोक्त अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बाबू
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं
वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि पैमाली 20 बीघा प्लाट नं० 517 मिनजुमला
जोकि गांव मकदोमपुर कैथी परगना व जिला विजनौर लखनऊ
में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी
संख्या 810/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
मोहनलाल गंज लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-8-1982
को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 14-4-1983

मोहर:

प्रूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-152/एक्य०---

अतः मुझे ऐ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 789/1, 784/1 तथा 673/3 है
तथा जो मकदूमपुर कैथी परगना—विजनौर तहसील व जिला
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
मोहनलालगंज लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अस्थित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें छूटने में मूलिकता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—66GI/83

(1) श्रीमती नाजारतन खेराज

(अन्तरक)

(2) मैसर्सं मोहन गोल्डवाटर ब्रूवरीज लि० डालीगंज लखनऊ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पाद्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइशी 20 बीघा (4 बीघा मिनजुमला प्लाट नं० 789/1, 10 बीघा प्लाट नं० 784/1 तथा 6 बीघा मिनजुमला प्लाट नं० 673/3) जोकि गांव मकदूमपुर कैथी परगना व जिला विजनौर तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 812/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार मोहनलालगंज लखनऊ में दिनांक 4-8-82 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 14-4-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० जी०आइ०आर० मंड़पा ए८-१५३/ए०सी०क्य०--
अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 बीघा प्लाट नं० 517 है तथा जो
मकदोमपुर कैथी परगना व जिला विजनौर तहसील व जिला
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मोहनलालगंज लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 अगस्त, 1982
को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
रिती (रंतीरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
दरांगांच में कमी करने गा उसमें बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, से उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती रेखेका सिंह।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मोहन गोहड़ वाटर ब्रेवरीज लि० डालीगंज
लखनऊ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

भूमि पैमाइसी 15 बीघा प्लाट नं० 517 मिजुमला का
उत्तर भाग का पार्ट प्लाट नं० 517 जोकि गांव मकदोमपुर
कैथी परगना विजनौर तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है
जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या
813/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार
मोहनलालगंज लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-8-82 को
किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 14-4-1983

मोहर :

प्रध्य बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम०-154/एक्य०--
अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा
269-घ के अधीन वक्तव्य प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 673/3, 661/6 व 533/1 है
तथा जो मकदोमपुर कैथी परगना विजनौर तहसील व जिला
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मोहनलालगंज लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इच्छाता प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिता गया है :-

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में किसी करने पा उक्त बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किन्तु काता आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) मिस्टर साइरस रत्न खरास

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मोहन गोल्ड वाटर ब्रूवरीज लि० डालीगंज
लखनऊ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइशी 20 बीवा (14 बीवा का प्लाट नं०
673/1, 3 बीवा का प्लाट नं० 661/6 और 3 बीवा का
प्लाट नं० 533/1) जिसमें एक द्यूवेल और बना हुआ
हिस्सा सम्मिलित है जोकि गांव मकदोमपुर कैथी परगना
विजनौर तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण
विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 811/82 में वर्णित
है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार मोहनलालगंज लखनऊ
के कार्यालय में दिनांक 4-8-1982 को किया जा चुका
है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 14-4-1983

मोहर :

प्रह्लाद पाठ्य, टी. एन. एस. -----

(1) डा० श्याम सुन्दर लाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) मैसर्स प्रताप मैन्यूफैक्चर्स प्रा० लि०, गोरखपुर ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 अप्रैल 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या पी०-१०२/एस्य०---
अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्मिलित, विसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मोहल्ला दाऊदपुर गोरखपुर
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोरखपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 10 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्मिलित का उचित बाजार
मूल्य उसके अस्यमान प्रतिफल से, ऐसे अस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; आडु/था

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार्य प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

भूमि पैमाइशी 3898, 13 स्वायार फीट; स्थित—मोहल्ला
दाऊदपुर गोरखपुर, और जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व
फार्म 37-जी संख्या 3771/82 में वर्णित है, तथा जिसका
पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक
10-8-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्दात :—

दिनांक: 16-4-1983

मोहर:

प्रस्तुत भाष्य. टी. एन. एस. -----

(1) श्री जी० सदाशिवध्या और अन्य, 6 पेंदाकाकनी, गुंटूर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) दि जिया को आपरेटिव हाउज बिल्डिंग सोसाइटी पोथूहावारी तोटा, गुंटूर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आरा० ए० सी० नं० 1/83-84—अतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पेंदाकाकनी, गुंटूर में
स्थित है (और इस उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और असरक (अंतरकों) और अंतरितों
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ।—(क) अंतरण से है किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्चे जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृद्धि था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ममूसूची

खुली जमीन, पेंदाकाकनी, गुंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
8427, 7772, 7771, 8191, 8439, 7726, 7725,
8190, 8395, 7621, और 8394/82, सर्वे नं० 497, 497,
495, 496, 497, 491-बी, 491-बी, 491-बी, 491-बी,
491 और 497 विस्तीर्ण चौ० एकर और सेंट्स्, 1.20,
3.74, 1.00, 0.35 1/2, 2.33, 0.52, 0.33-1/2,
0.52, 1.02, 1.00, 1.08 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर []

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 2/83-84—यतः मुझे,
 एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 155 है तथा जो आत्माकूर, गुंटूर में स्थित है
 (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि भथर्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरीक्षीय (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) वस्तरण से है इसकी किसी आय की वापत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कें लूरू, फूस्ट बाई, मंगल गीरी गुंटूर, जी०
 पी० य० टी० नागभूषणम के०, अप्पाराव और
 सत्यनारायणा, मंगलगीरी, गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) दि डीयोसेस ऑफ गुंटूर सोसाइटी, प्रेसीडेंट, श्री
 के० मरीयादास, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताभारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
 गया है।

ममूसूची

खुली जमीन, घर नं० 155, आत्माकूर, गुंटूर, विस्तीर्ण
 2.00 एकर, रजिस्ट्रीकूर विलेख नं० 3903, 3957/82,
 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्रकल्प काहौं टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 3/83-84—यत. मुझे,
 एम० जेगन मोहन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है।
 और जिसकी सं० 99/2/5/बी है, तथा जो ऊपुरांडुर, ओंगल
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, अगस्त, 1982
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई जाय की आवश्यत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री टी० रामभाट्टू पिता रामग्या, मध्दीरालापाड़,
 2. ए० कृष्णमृति पिता श्री कैलाश, ऊपुरांडुर ।
 (अन्तरक)
 (2) श्री रामलिंगेश्वर आग्रो श्रीमेसिंग प्रा० लि०
 ऊपुरांडुर, ओंगल जिला ।
 (अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी ये
 पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—अमर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होता जो उब अध्याय 20-के द्वारा
 दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, ऊपुरांडुर, ओंगल, जिला, विस्तीर्ण 6
 सेंट्रस, घर नं० 89/3बी/2, 3 बी/3, 3/बी/4, 3 सी/2,
 99/2बी/5, 2बी/6, 2बी/7, 71/1, 2, 92/बी, ए० रजिस्ट्रे
 विलेख नं० 2165, 2164/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 नामोल ।

एम० जे
 सक्षम
 सहायक आयकर आयुक्त ()
 अर्जन रे

दिनांक : 5-4-1983
 मोहर :

प्रूलप आई.टी.एन.एस.-----

(1) व्ही० राधवेन्द्रा राव, नरसिंहा राव और राजशेखर
राव, ईस्टर्न स्ट्रीट, येलूर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती एम० श्रीलक्ष्मी पति व्ही० सुम्बारांव,
रामचन्द्रारावपेटा, येलूर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 4/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० ए० सं० 177 है, तथा जो येलूर में
स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूरी रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, येलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, अगस्त, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक स्थ से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
पायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।खुली जमीन, टी० ए० सं० 1771, येलूर, विस्तीर्ण 2182/
1/2, चौ० गज रजिस्ट्रीक्यूट विलेख नं० 6546/82, रजिस्ट्रीकर्स
अधिकारी येलूर।एम० जेगन मोहन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबादअब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

दिनांक: 5-4-1983

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

?269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 5/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), को आरा 269-घ ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ता राशी रुप० 25,000/- मू। जे अधिक है

और जिसकी सं० 1965/1, है, तथा जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और युक्त यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति है उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या तिना जाना चाहिए या, छिपाने में, सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

15—66GI/83

(1) एम० काशीविश्वेश्वर राव पिता सूर्यनारायण मूर्ति
काकीनाडा

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विजया द्रावंकोज बाई वाई० एन० एस०
प्रसाद, मंगलगीरी रोड गुंटूर।

(अन्तरिती)

को इन्होंने हरके दौरान याति के अर्जन के लिए लायवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ए) इन सूचना के राजाव में राजाव की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर पूर्वक की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में याता होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वे न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इन सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित नैं किए जा सकेंगे।

पठाईकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, टी० एस० नं० 1965/1, वार्ड नं० 2, ब्लाक नं० 1620, विस्तीर्ण 4 एकर, 37 सेट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8343/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 5-4-1983

मोहर

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 6/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो जेगम्मागारगारीपमटा
समरलाकोटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में रही
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
समरलाकोटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से जटिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्त-
रिती (बन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हृहँ : किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बी० श्रीनिवासराव भीमावरम काकीनाडा और
अन्य 4 एस० सूर्यलक्ष्मी पति कृष्ण राव कागुवाडा
टी० पी० गूडेम वेस्ट गोदावरी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डेक्कन सुगर और अबकारी कंपनी लि०
समरलाकोटा।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:- इसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जेगम्मागारी पेंटा समरलाकोटा रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी समरलाकोटा रजिस्ट्रीक्त विलेख नं० 2385,
2419, 2387, 2388, 2389, 2386 और 2390/82,
घर नं० 5 का 110/1, एक का 110/1 और 2 और 110/2,
विस्तीर्ण 2 एकर, 2 एकर और 5 का 1.50 एकर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 5-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 7/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो कोकीरबी लंका
येलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
येलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) एम० चीना गनीराजू, आवेयापूरम और अन्य चार
नरसापूरम, येलूरु, और माहादेवपटनम।
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स विमी फूड एंड एंग्रो इंजीनियरिंग प्रा० लि०
येलूरु।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
यूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आं और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा। जैसे उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, कोकीराइलंका, येलूरु, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
येलूरु, घर नं० 174, 176, 180 से 187, 190 से 195,
163, 167, और 168 विस्तीर्ण दो का 15 एकर, एक 7. 97
एकर, 26. 38 एकर, 8 एकर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6111/82,
6110, 6493, 6831, और 6526/82।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - बा. ॥

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 8/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1595 है, तथा जो काकीनाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मानसा एंटरप्राइजेस, काकीनाडा

(अन्तरक)

(2) डा० कृष्ण रेड्डी पिता चन्द्ररेड्डी, काकीनाडा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, टी० एस० नं० 1595/82, विस्तीर्ण 1620
चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7756/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

माहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 9/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 22-बी-5-3, है, तथा जो येलूरु में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय येलूरु में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गमा प्रति-
फल, निम्नालिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः मत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

(1) टी० मोहन राव पिता वेकन्ना और अन्य 3 पावर-
पेटा, येलूरु।

(अन्तरक)

(2) मैसमं भारत मोटर पारस्ल सर्विस, मैनेजिंग
पार्टनर श्री टी० विश्वेश्वर राव पिता नारायणमूर्ति
पावरपेटा, येलूरु।

(अन्तरिती)

क्व यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पादन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि दि तत्पंचांशी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, घर नं० 22-बी-5-3, कानुकानालावारी
स्ट्रीट, पावरपेटा, येलूरु, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6663, 6629,
6662, और 6628/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूरु।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5. अप्रैल, 1983

निवेश सं. आर० ए० सी० नं. 10/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषेश करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 15/5, 239/1, और 240 बेतालपुरम,
मदासा में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मदासा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अगस्त, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषेश करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान
प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
एसे अंतरण के लिए तथ यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति :—

(1) श्री आमृतलाल करमान और अन्य, हील पाटना,
बरामपुरम तालूक, गंजाम जिला, ओरीसा।

(अन्तरक)

(2) के० बरसीमलू, मुरांडी, बारहमपुर तालूक, गंजाम
जिला ओरीसा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्वद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बेतालपुरम, मंडासा तालूक घर नं. 15/5
239/1 और 240 विस्तीर्ण 46 एकर 88 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं. 1354/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मंडासा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. - - - - -

(1) डा० सूर्यनारायण पिता लेट जोगीराजू पेंडुरथी और उनके 5 पुत्र वैज्ञाक।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैमसं मंगनारेप्रसमबट्रीडम प्रा० लि० मैनेजिंग डाय-
रेक्टर श्री सी० चंद्रशेखर राव पेंडुरथी वैज्ञाक
तालुक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 11/83-84—यतः मृमे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 198/3 है तथा जो पेंडुरथी वैज्ञाक में स्थित
है (और इससे उपांशु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैज्ञाक में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

खुली जमीन पेंडुरथी गांव वैज्ञाक, सर्वे नं० 198/3, और 198/4, विस्तीर्ण 3 एकर, 23 गुंड सेंटम, रजिस्ट्रीक्यून विलेख नं० 8006/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैज्ञाक।

एम० जेगन मोहन
स्थान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-4-1983.

मोहर:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 12/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगत मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० असेसमेंट नं० 268 है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1982

क) पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य अतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के मनस्वरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ४—

(1) श्रीपी० ल्हौ० सुज्जाराव पिता सोभनाथरी, विजयवाड़ा (अन्तरक)

(2) 1. सी० श्रीराम पिता सी० एस० शास्त्री, मद्रास
2. सी० कामाक्षी पिता सी० एस० शास्त्री, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण:—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पति घंडमौलीनगर, वाडे नं० 29, एन० टी० एस० नं० 133, ब्लाक नं० 6, असेसमेंट नं० 268 बिस्तीर्ण 245-3/21, चौ० गज प्रथम तल, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8760, 8761/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा

एम० जेगत मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-4-1983

मोहर ३

प्रस्तुप् बाहू.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जो
भारा 269-घ (1) के अधीन गठन

भारा इत्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 13/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 88/1, 239/1, है, तथा जो बेनुलापुरम
मंदासा में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, प्रत्येक इश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिणते में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—66 GI/83

(1) श्री अमृतलाल करमान चौहान और अन्य, हीन
पाटना, बेरहामपुर, ओरीसा।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० लोकनाथन बेरहामपुर, ओरीसा।

(अन्तरिती)

कौं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के भी परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, बेताला पुरम, विस्तीर्ण 38 एकर, 53 सेंट्स
सर्वे नं० 88/1, और 239/1, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1355/
82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मंदासा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं. आर० ए० भी० नं० 14/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 39-2-11 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीबर्ट अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
त्रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ए० रामवारामकृष्णा और अन्य दो, ग्रीष्मेजेटेड बाइ
यक्सेक्टर, आपांटेड बाइ हाई कोर्ट, मद्रास, ओ०
पी० नं० 546/79, तारीख 7-1-80।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वेंकटस्वरूप और अन्य तीन विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के भी परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर संपत्ती, घर नं० 39-2-11, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण
3900 चौ० गज ए० सी० सीट, घर का छत बगौरा के साथ,
एन० टी० एम० नं० 509, 510, 511, म्यूनीसिपल वार्ड नं० 28,
रेवेन्यू वार्ड नं० 10, ब्लाक नं० 21, असेसमेंट नं० 259/9,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9626/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

‘हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 15/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी को, वे विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संग्रहि, जिसमा उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39-8-36-सी है, तथा जो विजयवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डी० आहल्या देवी पति श्रीहारी राव, लब्बीपेटा,
विजयवाड़ा-10

(अन्तरक)

(2) सीयच आलइवेलूमंगम्मा पति सत्यनारायणा,
लब्बीपेटा, विजयवाड़ा-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वाई भी आशेपुः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 39-8-36-सी विजयवाड़ा, विस्तीर्ण
243-5/9, चौ० गज प्रथम तल, इमारत वगैरा, एन० टी० एस०
नं० 456, रेवेन्यू वार्ड नं० 10 ब्लॉक नं० 25889, विजयवाड़ा,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9256/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आदौ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

नि देश सं ० आर० ए० सी० नं० 16/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 39-8-36 सी है, तथा या विवाही
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रू
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन, दिनांक प्रगत्य, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के द्वयमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से एसे द्वयमात्र प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अतिफल
निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण सिद्धित में, आस्तीनक
रूप से कार्यत नहीं किया भवा है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए
और/या

(क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डी० आहीत्या देवी पति श्रीहारीराव, सीबीपीटा,
विजयवाड़ा-10

(अन्तरक)

(2) जी० नागरतन्मा पति वीरा गढवय्या, लिङ्गपीटा,
विजयवाड़ा-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयी करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहाँ का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभरित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० ३९-८-३६-सी, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण
३५४-७/९, चौ० गज रजिस्ट्रीक्यूट विलेख नं० ९२५७/८२,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ----

(1) बी० अनन्परनम्मा और अन्य चार, पाटामाटा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) दि माधवी को—आपरेटिव बिलिंग मोसाइटी लि० नं० जी-2775, बाहू श्री चींता कथाना, नारायणा राव प्रिता सत्यनारायणा, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 17/83-84—यतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० ए० सी० नं० 38/2ए है, तथा जो
पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुमूली
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (वन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की भूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

खुली जमीन, आर० ए० सी० नं० 38/2ए, पाटामाटा, विजयवाड़ा,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8662, 8664, 8663, और 8831/
82, विस्तीर्ण 1 एकर, 88 सेंट्स् रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजय-
वाड़ा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

माहर :

प्रस्तुप आई. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 18/83-84—यतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवार शूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एम० नं० 9/2 है, तथा जो यंडा वैज्ञाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैज्ञाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए परिवर्तन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नए तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निक्षित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा इकाई धन या अन्य सामितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाँ वे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

(1) श्री एस० अपन्ना पिता धरमस्या, रुषिकोंडा, यंडा, वैज्ञाक, और एक।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णा को-आपरेटिव हाऊज विल्डिंग सोसाइटी लिं० नं० बी० 1624, बाइ सेकेटरी, श्री आर० सूर्य नारायण पिता जगय्या, वैज्ञाक।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमहस्त किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, यंडा, वैज्ञाक तालूक आर० एस० नं० 9/2, और पट्टा नं० 124, और सर्वे नं० 9/3, पट्टा नं० 111, विस्तीर्ण 1 एकर, 05 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8706, और 7811/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैज्ञाक।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आहे, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 19/83-84--यतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो कासीमकोटा
आनकापल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, वैशाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्राप्ति/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्द आस्तिशों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० विस्वेश्वर राव पिता वरहानरमीमृहम, अली-
यास, आप्पाराव, कासीमकोटा, अनकापल्ली, तालूक।
(अन्तरक)

(2) दिनिया को-आपरेटिव हॉटेल विलिंग सोसाइटी
लि० नं० वी० 1811, वैशाक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
रूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन, वैशाख मुनीसीयाल कार्पोरेशन लिमिटेड,
आलीपूरम, एक्सटेनशनवाड़ टी० एस० नं० 538/6, और
538/7, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 8377/82, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी वैशाख।

एम० जगन मोहन,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5-4-1983

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) श्री व्ही० के० भूषनम, और अन्य, 7, पाटामाटा,
विजयवाडा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्णय आर० ए० सी० न० 20/83-84—यतः मुझे, ए०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० सर्वे न० 38/2, है, जो पाटामाटा, विजयवाडा
में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आद की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करते या उससे नचने में सविधा के लिए;
और/या

(ए) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

(अन्तरक)

(2) श्री राम को-आपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी, लि०
न० एच० 634, दूर्गा आग्रहारम, येलूरु रोड
विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायावाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन आर० एस० न० 38/2, पाटामाटा,
जियवाडा, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा, सर्वे न०
1, 2, 3, 4 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12 और 13, विस्तीर्ण
एकर में, 54, 18, 54, 18, 18, 52, 52, 51, 52, 18, 18,
और 18, रजीस्ट्रीकर्ता विलेख न० 8638, 8746, 8641,
8642, 8645, 8619, 8701, 8745, 8586, 8643,
8639 और 8640।

ए० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीख: 5-4-1983

मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 21/83-84—अतः
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० ए० नं० 116 है, जो यदाडा,
वैशाग में स्थित है (और इसमें उपाध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
वैशाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-66 GI/83

- (1) 1. श्री पी० आप्पाव्यामा यदाडा, वैशाग और 2.
के० गुरुमुती जानपूरम, वैशाग।
(अन्तरक)
(2) श्री दि० शाजीनिकेतन को-ओपरेटिव्ह हाउस बिल्डिंग
सोसाइटी, रजीस्टरड नं० 1859 वैशाग।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास
निवित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन यदाडा, वैशाग, सर्वे नं० आर० ए० नं०
116 चौगज रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैशाग रजिस्ट्रीक्यूट विलेख
नं० 8073, 8073, 8072, 8072, 8347, 8347 और
8071, घर नं० 116/ए०, 116/2बी, 116/बी, 116/12ए
116/7, 116/8, 116/6, विस्तीर्ण 0.35, एकर
0.58 एकर, 0.38 एकर, 0.57 एकर, 0.59 एकर, 0.61
एकर, 1.03 एकर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-5-1983

मोहूर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री ए० चन्द्रशेखर रेड्डी पिता श्री ए० रमनारेड्डी
विजयवाडा

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

(2) श्री पी० रमेश पिता कोटेस्वरा राव, साम्बीपेटा,
और एक, लब्बीपेटा, विजयवाडा

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 22-83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11-17-1 है जो गूनदला विजयवाडा में
स्थित है। (और इससे उपावरु अनूसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मृत्युसूची

घर संपत्ति घर नं० 11-17-1, गूनदला, विजयवाडा,
विस्तीर्ण 385+364.4 चौ० गज (घर नं० 11-171)
श्रीमीवासानगर, गूनदला, विजयवाडा, रजीस्ट्रीकृत विलेज
नं० 8990, और 8991/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी
विजयवाडा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वा
रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-4-1983

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप आई.टी.एन.एस.----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 23/83-84—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31-2-10/5, है, जो मछूलीपटनम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मछूलीपटनम, में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वया या या किया जाना चाहिए वा छिन्नमें
सुविधा के लिए ;

यतः यज्ञ; उक्त अधिनियम की बारा 269-ष के
प्रमुखण्ड में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की
उपषारा(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः :—

(1) श्री इ० सूरजमोहन पिता शिवामूर्ति सिदार्थनिगर
विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० रामासटरुक पिता शेशव्या, वेलेऱ नूसी वड,
कृष्णगढ़ जिला।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना आदौ पूर्वोक्त उपषारा के अर्जन के लिए
कार्यालयित्यां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

घर संपत्ति घर नं. 31-2-10/5, मछूलीपटनम, विस्तीर्ण
900 चौ० गज रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3223/82, रजीस्ट्री-
कर्ता अधिकारी मछूलीपटनम।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 24/83-84 —यतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12-11-97 है, तथा जो राजमुद्री में
स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमुद्री में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० के० आर० एस० एम० रामनाथन
चेटीयर और अन्य एक, देवाकोट्टाइ, रामनाथापूरम
तमीलनाडू।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० व्ही० व्ही० सत्यनारायण और अन्य एक
आयपूरम राजमुद्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ती, घर नं० 12-11-97, आयपूरम, राजमुद्री,
विस्तीर्ण 2350 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5331/
82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमुद्री।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-4-1983
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) 1. ए० ही० सूब्बव्या और अन्य दो, टोको मचंट, मंगलगंगीरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) एम० आप्पाराव और अन्य एक, विजयदुर्गा छवलर्स, शिवालगाथम स्ट्रीट, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 25/83-84—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/372 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीस्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

घर संपत्ति, विजयवाडा, घर न० 11/372, विस्तीर्ण 115 घौ० गज, ऊपर की मंजील वाली इमारत आर० सी० सी० रुफ रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9376 और 9377/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 26/83-84—यतः,
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

जिसकी सं० है, जो कूरमाना पालम वैज्ञाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैज्ञाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात् :—

(1) श्री जी० रामलू और अन्य पांच वैज्ञाग

(अन्तरक)

(2) बी० मातृश्री को-आपरेटिङ्ह हाऊस बिल्डिंग
सोसाइटी रजिस्टर्ड नं. बी० 1751, डी० नं०
27-11-4, स्प्रिंग रोड, वैज्ञाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन कूरमानापालम, वडलापूड, पंचायत, वैज्ञाग, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैज्ञाग, सर्वे नं० 35/8, (35/8, 35/6, 7) (31/1, और 35/3), विस्तीर्ण 3 एकर, 2-53 एकर और 3.30 एकर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8268, 8269 और 8270/82।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-4-1983
मोहर।

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर ए० सी० नं० 28/83-84—यतः, मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति चिकिता उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर ए० सं० 712 है जो विजयनगरम में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथाप्वर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री पी० शंकर राव पिता लक्ष्मन स्वामी, सेठकटापेटा
चीनाविधि विजयनगरम

(अन्तरिक)

(2) श्री विजयनगरम नान गेस्टेड यम्पनाज को-
आपरेटीव बिलडीग सोसाइटी व्ही० आर० नं०
218 विजयनगरम।

(अन्तरिती)

इस यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीचनी व्यक्तियों पर रखना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के अंतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अंतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित
बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोक्षण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के गे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
श्री/ज.

अनुसूची

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवीकौ
नी, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रोजेक्टार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

खूली जमीन, धरमपूरी, विजयनगरम, आर० ए० सं० नं०
54, और 67/1 से 3, विस्तीर्ण 3-92, बेंट्स, रजिस्ट्री-
कर विलेख नं० 3854, और 3855/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी विजयनगरम।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारूः—

प्रकृष्ट बाइंस. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं ० आर ए० सी० नं० २७/८३-४—यतः, मुक्त; एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० ५४१६७/१ है, जो विज्यानगरम
स्थित है (और इससे उपावड्हा अनूसूची में और पूर्णरूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विज्यानगरम
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक. (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/वा.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तायों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ष के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ६—

(1) एम० आदनारायण आर० अन्य चार नागोजीपालम
विज्यानगरम

(अन्तरक)

(2) दि श्रोणा की आंपरेटिव्ह हाऊस विलिंग सीस
लि० विज्यानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदक्षिण शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

खुली जमीन, आर० एस० नं० ७१/२, विज्यानगरम,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विज्यानगरम, विस्तीर्ण पांचों का भी
०.३३ एकर, रजिस्ट्रीकृत विलख नं० ३५९३, ३८२२,
३८२१, ३५९२ और ३५९४/८२।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : ५-४-१९८३

मोहर :

प्र० प्र० ब्र० ब्र० ट० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983निर्देश सं० आर० ए० सी० (० ५९/८३-४-यतः)
मुझे, एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है औरजिसकी सं० पलाट नं० 14 है, जो रेड हिल्स, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत उक्त अधिकारी के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;गैरेज एम० नं० 11-5-266/4/10, फ्लैट नं० 14,
हीलस, हैदराबाद, विस्तीर्ण 400 चौ० फूट, रजीस्ट्रीकृत
बिलेख नं० 5930/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख : 4-4-1983
मोहर :अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तु आहे. टॅ. एन. पट. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 60/83-84—पतः भग्ने, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 15 है, जो रेड हाउस, हैदराबाद में
स्थित है (और इसमें उपाख्य अनूसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खेरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीपत् नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जहाँ अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसरं शांजी कंस्ट्रक्शन्स, 11-5-266/4, रेड
हीलस्, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमारी रघीसा वाई घर नं० 1149, नन्सागुट्टा
सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में लेकर जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

गरेज, एम० नं० 11-5-266/4, फ्लेट, नं० 15, ग्राउंड
फ्लॉअर, रेड हीलस् हैदराबाद, विस्तीर्ण 400 चौ० फूट,
रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5929/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी
खेरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 4-4-1983

मोहरः

प्रकल्प वाई० टी० एन० एस०—

बायोफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 61/83-84—अतः
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन उन्नेप्राक्षिकारी ओं यह विश्वाय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 13 है, जो, रेड हीलस, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1982।

को पूर्वोंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वाय
करने का कारण है कि यथापूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) मेसर्सं शांजी कंस्ट्रक्शन्स, 11-5-266/4, रेड हीलस,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मास्टर अब्दुला खादर, 1149, बल्लागुट्टा, सिंहदराबाद
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हटौं किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दबें के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने भौं सुविधा
के लिए;

गगरे नैरेज, एम० न० 11-52-66/4/10, फ्लेट न० 13,
ग्राउंड फ्लाऊर, रेड हीलस, हैदराबाद विस्तीर्ण 400 ८०
फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख न० 5928/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

तारीख: 4-4-1983

मोहर:

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० न० 62/83-84—यतः
मुझे एम जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या ब्लट नं० 12, है, जो रेड हीलस, हैदराबाद
में स्थित है (और जिसे उपायदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर करने के अंतरक के
शायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्सं शांती कंस्ट्रक्शन्सन 11-5-266/4 रेड
हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सयद जफरुल हासन, 11-6-862/1, रेड
हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में काइ आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी गम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्लेट एम० न० 11-5-266/4/2, फ्लेट न० 304
तीसरी मंजील, रेड हीलस, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1200 चौ०
फुट० रजिस्ट्रीकृत विलेखन० 5938/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश आर० ए० सी० नं० 63/83-84—यतः मझे, एम०
जेगम मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 204 है, जो रेड्हीलस, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपबाड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरक (और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स शांता कंस्ट्रक्शन्स, 11-5-266/4 रेड हीलस
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) थी वी० राज्या घर नं० 11-5-266/419,
रेड हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कागवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सायील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उवरा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पश्चां का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 25 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एक फ्लेट एम० नं० 11-5-266/4/10, फ्लेट नं० 204,
द्वितीय मंजील, रेड्हीलस, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1200 300
फुट, रजीस्ट्रीक्रूट विलेख नं० 5939/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी
खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

बतः अब, उक्त अधिनियम, 'दी भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख: 4-4-1983

मोहरः

प्रख्यात आइंटी. एन. एस. - ---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद.

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं. आर० ए० सी० नं० 64/83ब84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 302 है, जो रेड हीलस हैदराबाद
में स्थित है (और इस उपावड़ अनूपगढ़ी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद, में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी खन या अन्य जारिस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेससं शांति कंस्ट्रक्शन्स, 11-5-266/4 रेड हीलस,
हैदराबाद।

(अस्तरक)

(2) श्री एम० ए० वहीद घर न० 11-5-12/ए,
रेड हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-
ब्रूथ किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक फ्लेट, न० ११-५-२६६/४/१०, फ्लेट न०
३०२, तीसरी मंजील, रेड हीलस, हैदराबाद विस्तीर्ण १०६०
चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० ५९३६/८२, रजीस्ट्रीकर्ता
अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 65/83-84—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० है, जो रेड हील्स, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

के पूर्वोक्त सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्बन्धित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतीत-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरकों
के दूस्यमान में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, लिपाने में सुविधा
के सिए;

मनूसूची

एक फ्लैट एम० नं 11-5-266/4-10, रेड हील्स,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1030 जौ० फूट, रजिस्ट्रीकूट विलेख
नं० 5937/82, रजीस्ट्रीकर्सी अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 4-4-1983

मोहर :

अतः मन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अमात :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मैसंसं शांजी कंस्ट्रक्शन्स, 11-5-266/4,
रेड हीलस हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मीषा हासन आला बेग 6-3-866/2, बोगमपेट
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देशन सं० आर० ए० सी० न० 66/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय दस्तावेज़, जिसमें उन्नित बाजार भूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो रेड हीलस, हैदराबाद स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुभूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संक्षिप्ति का उचित बाजार भूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुभूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एक फ्लेट एम० न० 11-5-266/4/10, रेड हील्स,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1060 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
संकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

तारीख: 4-4-1983
मोहर:

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. ---.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 68/83-84—यतः
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन भूग्र प्रधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो रेड हीलस, हैदराबाद में स्थित
है (और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उसके बजाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया गया था या किया जाना दाहिने था, जिसमें में त्रुटियों के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—66GI/83

- (1) मैसर्स शांजी कस्ट्रक्शन्स, 11-5-266/4, रेड हीलस, हैदराबाद।
(अन्तरक)
(2) श्रीमति आसी बाई, 1149, नलागुट्टा, सिकंदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट नं० एम० नं० 11-5-266/4/15, ग्राउंड फ्लॉअफ, रेड हीलस, हैदराबाद, विस्तीर्ण 400 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5931/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आहू. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 68/83-84—यतः
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो रेड हील्स, हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्ध प्रतिशत अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के लिए एम० अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित ऊँटेष्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है) :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स शांति कंस्ट्रक्शन्स, 11-5-266/4,
रेड हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति अमिना बाई, घर नं० 2-3-280,
गमगोपालपेट, सिंकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिंगित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम० प्लैट एम० न० 11-5-266/4/3, रेड हील्स,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1060 चौ० फुट०, रजिस्ट्रीकृत विलेख
न० 5932/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सकाम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त निरोक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 69/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11, है, जो रेड हीलस, हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावढ अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पुराया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविहत में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(b) ऐसी किसी बाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मैसर्सै शांती कंस्ट्रक्शन्स 11-5-266/4, रेड
हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अविद अलि नमीराबादी, 11-5-266/4/11,
रेड हीलस, हैदराबाद ए० पी०

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या दस्तावेजी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
निलिखित पर किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्लेट एम० नं० 11-5-266/4/11, रेड हीलस,
हैदराबाद, विलोर्ण 1060 चौ० फुट, रजिस्ट्रीक्युल विलेख नं०
5934/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 4-4-1983

मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 70/83-84—यतः
 मुझे, एम० जेगन मोहन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. स प्राप्ति करता है।

और जिसकी सं० 6-3-674/2, है, जो बैगमपेट, हैदराबाद
 में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
 भारतीय रजिस्ट्रोफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
 का कारण है कि दूसराना प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दूसराना प्रतिफल है, ऐसे दूसराना प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई एकसी धारा की बायकुत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ब) ऐसी किसी धारा का किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

वहाँ: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्रो मधूसुदन माधूरी, घर नं० 10-2-276/5,
 मारेंपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)
 (2) श्रो के० सूरीबाबू, घर नं० 1-1-385/6, गांधी-
 नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1080 चौ० गज रजिस्ट्रीक्यूल
 विलेख नं० 5790/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1983

मोहर :

प्रस्तुति नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

• हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सं० 71/83-84--वतः
मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ, के अधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के
लिए है कि स्थापत तंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
र. से अधिक है
और जिसकी सं० 8-2-703/3, है, जो बंजाराहीलस्, हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1982

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ता-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदृढ़ा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या उनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
भन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुहरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमति लक्ष्मीरंगा मूर्ती और धन्य घर नं०
10-4-771/16, मासाम टैक, हैदराबाद।
(अन्तरक)
- (2) श्री पी० शेंद्र रेड्डी, घर नं० 8-2-703/3,
रोड नं० 12, बंजाराहीलस्, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यनाहियों करता है ?

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर संपत्ती, रोड नं० 12, बंजाराहीलस्, हैदराबाद,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1578/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1983

सांहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 72/83-84—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उत्तरके पश्चात् 'बक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 4-2-620, 4-2-615 में 618 है, जो
रामकोट हैदराबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्रक्त की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पात्र गया प्रति-
कल निम्नलिखित उत्वदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सदानंद सींग और अन्य 4 माथवाडा, वरंगल,
(अन्तरक)

(2) श्री नरावनलालागुप्ता, और मानेजरलालगुप्ता,
11-2-910, बक्षार घाट, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गोड आर भूमि एम० न० 4-2-620, और 4-2-615 से
618, रामकोट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 811 चौ० गज० रजिस्ट्री-
क्षत विलेख न० 6014/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1983

माहूर :

प्रस्तुति आई० दी० इन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 73/83-84—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000 रुपये से अधिक है और 'जिसकी सं० 8-2-596
है, जो बंजाराहीलस, हैदराबाद, में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अद्वा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या सस्ते बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, इपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

- (1) सी० बी० एस० आई० सोसाइटी, फार मेडीकल,
एड्यूकेशन, शेंट जोनस, मेडीकल कालेज, बंगलोर
(अन्तरक)
- (2) श्रीमति आर० सइला रेड्डी, प्लांट नं० 55,
बंजाराहीलस, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या वस्तुबन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख ये 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइ पूर्वोक्त सम्पत्ति के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर संपत्ती, नं० 8-2-596, दुर्गनिवास, रोड, नं० 10
बंजाराहीलस, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5924/82,
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1983
मोहर।

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 74/83-84—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-40 हैंडस्ट्रीयल है, जो इस्टूट, सनतनगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुमूल्यी में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तिक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्ता अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) मेसर्स हाइक्रेम लिंग नं० 8-3-903/4/7, नागरजूना
नगर कालूनी, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स यशियन मेंटल बिल्डर्स और केंटेनरस, प्रा०
लिंग, वि 40, हैंडस्ट्रीयल इस्टेट, सनतनगर,
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गोड चि० 40, सनतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 2778-
चौ० गज० रजोस्ट्रीकृत विलेख नं० 6273/82, रजिस्ट्रीकर्स
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-4-1983
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रतीत सच्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० 75/83-84—यतः
मझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्कृष्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी वो, यह विद्याम करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एवं
से अधिक है।

और जिसकी संख्या फ्लट नं० 803, है, जो 6-3-1187 बैंगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का व्यापरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृति नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरुक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ह के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभियां :—

20-66 GI/83

- (1) मेसर्स श्रीनिवासविल्डस 1-2-593/4 ए, गगनमहल,
हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्रोमति मलोत कटोच, 8-2-697/11, रोड नं० 12,
बंजाराहीलस् हैदराबाद-34।
(अन्तरिती)

फो पर युवता डार्ना करके युवौक्त वशति के अर्जन के लिए कार्मद्वयिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काँड़े भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाञ्चल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में होत-जहाँ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रदृशत शब्दों वौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુષ્ઠાન

फ्लट ४ वि मंजील, ओनिवासा विल्डस वेगमपेट, हैदराबाद; एम० नं० ६-३-११८७, विस्तोर्ण १३५० चौ० फुट रजिस्ट्री-क्रत विलेख नं० १४०७/८२, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलभनगर

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 4-4-1983
मोहर

प्रस्तुप बाहरू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 76/83-84—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ल के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ नं० 205 है, जो बेगमपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), राजस्ट्रकर्ता अधिकारों के कार्यालय हैदराबाद में
राजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1982

कार्यालय संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत को गढ़ है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तर-प्रतिशतों) दोनों एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आम की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वर्धन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैतर्स श्रीनिवास बिलडर्स बाहरू श्री जी० श्रीनिवासलू
रेड्डी, घर नं० 1-2-593/4ए, गगन माहल,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० लावन्या, 28, श्रीनगर कोलमी,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना आड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तथा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भूमिति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्मताकरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सनुसूची

फ्लैट नं० 205, 'श्रीनिवासा टॉवर्स' ए, बेगूमपेट
हैदराबाद राजस्ट्राकृत विलेख नं० 1666/82 लेखा
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर।

एम० जेगग मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखः 4-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1983

आरो १० सी० नं० ७७/८३-४—यतः, मुझे, जेगन
मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य धारा 15 का, जो राजस्थान सिकंदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है लाए मर्हे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एंसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
वे लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसके भारतीय आद जर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बाबुखान बिल्डर्स नं० 5-4-86 से 92, एम०
जी० रोड, बाई श्री धृशदीन, बाबू खान, पिता लेंट
ए० के० बाबुखान, नोशात बाग, बेंगमपेट,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मोहोमद आमिनुला, 12-2-837, मेहदीपटनम,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्तकारी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यस्त्री

दुकान नं० 15, ग्राउंड फाऊर, ए१ करीम ट्रेड सेंटर, एम०
सी० एच० नं० 5-4-86 से 92 गजनीगंज एम० जी० रोड
सिकंदराबाद विस्तीर्ण 165 चौ० फूट रजीस्ट्रीकर्ता विलेख नं०
5854/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप जाइंटी ८८ एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 78/83-84-यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करणे का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप न० 30 है, जो एम० जी० रोड सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की रही है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
आस्तविक रूप से काँथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सहिता के लिए,

(1) मैसर्स काङ्गा एण्ड को०

2-2-132, से 139 एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) मास्टर संदीप कुमार आरवाल,

1-8-303/12/3, सीधी कालोनी,
पेंडार घास्ट रोड,
सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पोत्त के अर्जन के लिए
कार्यवाह्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप न० 30 ग्राउन्ड फ्लोर, काङ्गा काम्पलैक्स, एम० जी०
रोड, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 611/82, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख : 10-4-1983

मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 79/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहीं गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी आधिकारी को, यह प्रियवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शापनं० 8 है, जो एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्णलूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्दगाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वाग शक्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सहित के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्सी० एस० वायर
प्रा० लि० आई० डायरेक्टर,
श्री एस० के० खागी,
90/बी० जीड० टला, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) मैसर्सी० एस० के० बी० स्टील और अली० इंटर्स्ट्रीज
पार्टनर सुनी मीथाल,
मंडी गुरदास पुर, पंजाब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भासित है, वही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय
में दिया गया है।

मनुसूची

शाप नं० 8, मैसर्सी कद्मा काम्प्लेक्स, एम० नं० 2-2-132,
में 139, एम० जी रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 300 च००
फूट रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 625/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सिकन्दराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रद्दरावाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० प० सी० न० 80/83-84—गतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संबंध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० शाप नं० 28 है जो एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और
पूर्णस्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गिरिजन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य पर विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
निम्निति में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमदारी
जो इन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उद्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
क्या था या किया जाना था, छिणाने में सीधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अंकितयों, अर्थात् :—

(1) मैसर्ट कान्ना एण्ड को० बाई पाटनर ,
श्री एस० प्रभाकर रेड्डी,
2-2-132, से 139,
एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सुव्वा राजू,
6-3-347/15,
द्वारकापुरी, कोलनी, पंजा गुट्टा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्प :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा गएंगे।

स्वाक्षरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाप नं० 28, ग्राउंड फ्लोर, कान्ना कालनैक्स, एम० जी०
रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 260 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 648/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद।

एम० जेगन मोहन
सधाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती बी० शारदम्मा,

12/788, आनंदपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एम० चौध्या पूललाला और अन्य,
संजीवापुरम्, गांव धरमावरम् तालुक

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 81/83-84—यतः, मझे,
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य-
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० वार्ड नं० 4, है, जो इ० सन्त० 2141/1, आनंद
पुर, मै स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनंदपुर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
तिसित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

घर सम्पत्ति, आनंदपुर, विस्तीर्ण 240 चौ० गज, और
2160 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 6855/82, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी आनंदपुर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण-
में, सौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

मुख्य लाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं. भारा० ए० सी० नं. 82/83-84—यतः, मध्ये,
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा०
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है:

और जिसकी सं. प्लाट नं. 158 है, जो बीलाराम गांव नरसा०-
पुर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसा०पुर,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
नश्हे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीटी० रामकृष्ण रेड्डी,
मक्का बोलाराम गांव,
आर० आर० जीलर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स वैश इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज़ प्रा० लि०
6-8, समाट काम्पलैक्स, आपो० ए० जीमू०
आफिस, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया हैं।

अमृसूची

प्लाट नं. 158, श्री वेंकटेश्वरा डंडस्ट्रीयल को० आपरेटिव
सोसाइटी, बीलारम गांव, नरसा०पुर तालुक जीला मेंदक, विस्तीर्ण
4 एकड़, 22 गुण्ठ, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1320/82, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी नारसा०पुर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखः 5-4-1983

माहरः :

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असात् :—

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 83/83-84—यतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-526/2 है, जो बंकतपुरा हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव्यं अप्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर वज्रे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भत्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री ए० रामचन्द्रा रेड्डी और अन्य,
घरनं० 3-4-526/2, 1,
बंकतपुरा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता श्रीनिवासन,
पति वी० श्रीनिवासन,
1-1-711/ए, गांधीनगर,
हैदराबाद

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्वद्ध
किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

एक फ्लैट विस्तीर्ण 1100 वर्ग फुट, एम नं. 3-4-526/2,
बंकतपुरा, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलंब नं. 6249/82,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

21—66G1/83

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 84/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-7 और 8 है जो बजाराहोलस हैदराबाद स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बजारा कंस्ट्रक्शन को०,
78, शिवाजीनगर, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री मीर्झा अर्शिजूल कादर बेग,
पिता मीर्झा बाला कादर बेग,
3-6-182ए, हैदराबाद,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानकर सम्पत्ति में हृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए, 7 और 8 प्रथम तल, बंजारा गार्डन्स, रोड नं०
12, बंजाराहिल्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 1304, चौ० फुट
रजिस्ट्रीकूल विलेज नं० 1786/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1983

मोहर :

प्रह्लप थाइं. टी. एल. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 अप्रैल 1983

निवेश सं० आर० य० सी० न० 85/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उपित्त बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-413 रोड है तथा जो बंजाराहीलस
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

के अधीन अगस्त 1982

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरकर्ता) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा गढ़ा गया प्रति-
फल निम्नलिखित सदृश्यता से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण वे हैं किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

(1) श्री सयद साजाद मेहरी और अन्य
8-2-413 बंजाराहीलस
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मीरा सलस प्रा० लि०
16 ए० आसफ अली रोड
न्यू देहल
और श्रीमती मीरा मेहरा और अन्य 5

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

छेत्र० और इमारत के साथ भूमि जिसका नाम है बंजारा
भवन एम० न० 8-2-413 रोड न० 4 बंजारा हीलस हैदराबाद
विस्तीर्ण 3930 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6017/
82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आहू.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 86/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 204 है, जो अर्जन्ता आगार्टमेंट्स, बेगम-
पेट, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावट अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बल्लभनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अपर्याप्त है—

(1) मसर्स उमाकरण तेजकरण,
1-10-179/206,
बेगमपेट, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री आसधर अली शान,
फ्लैट नं० 204,
एम० सी० एच० नं० 1-10-196/208,
अजन्ता आगार्टमेंट्स,
बेगमपेट, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसूची

फ्लैट नं० 204, एमसीएच नं० 1-10-196/208,
बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1587/8, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी बल्लभनगर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1983

मोहन

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्सं उमाकरण और तेजकरण

1-10-179/206 बेगमपेट

हैदराबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 87/843-84—यतः
मुझे एम० जेगन मोहनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एफ० नं० 201 है जो बेगमपेट हैदराबाद
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण व्यंग वर्णित
है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय वल्लभनगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(2) श्रीमतीं एम० नारायण कुटटीं और अन्य
3-6-69/4/21 बसीरबाग
हैदराबाद

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

फ्लैट नं० 201 एम० शा० 1-10-196/208 बेगमपेट
हैदराबाद रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1530/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी वल्लभनगर।एम० जेगन मोहन
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

प्रधन बाईं. टौ. एम्. पट. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निर्देश सं. आर० य० सं. न० 88/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ० नं. 203 है जो बेगमपेट हैदराबाद में
स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुमूली में और पूर्णलूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
है से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया थाना थाईए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के उपभाव (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्से उमाकरण और तेजकरण

जयंती पलेस

1-10-179/207

बेगमपेट हैदराबाद-500 016

(अन्तरक)

(2) श्रीं अब्दुल आली उमानी

घर नं. 16-9-751

मलकपेट हैदराबाद

(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़पु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाछे
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

फ्लैट नं. 203 जयंती अपार्टमेंट्स बेगमपेट हैदराबाद
विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1529/
82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लभनगर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1983

मोहन :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स उमाकरण और तेजकरण

जयंतीपलेस

1-10-179/206 बेगमपेट

हैदराबाद-500016

(अन्तररक्षा)

(2) श्रीमती टी० शामलाल एफ० नं० 101 एम० नं०

1-10-196/208 बेगमपेट हैदराबाद

(ग्रन्तिरक्षा)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1983

निवेश स० आर० य० सी० न० 89/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एफ० न० 101 है जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित
है (और इसे उपाधि अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय बल्लभनगर में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्ति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा
के लिए;

अनुसूची

एक प्लाट जयंती आपार्टमेंट्स बेगमपेट हैदराबाद विस्तीर्ण
1000 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1218/82 रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी बल्लभनगर।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

प्रसूप आइ.टी.एन.एस. -----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० ये० सं० नं० 90/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्थित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 502 है, जो बेगमपेट, हैदराबाद स्थित
है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय वल्लभनगर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्थित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
अन्तरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मैसर्स ऊमाकारण और तेजकरण

जयंती पलस

1-10-179/206

बेगमपेट हैदराबाद-500 016

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकीनावान् मास्ती

एफ० नं० 502

एम० नं० 1-10-196/208

बेगमपेट हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तानरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 502 1-10-196/208 बेगमपेट हैदराबाद
विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1240/
82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात् :—

तारीख : 5-4-1983

मोक्षिर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 91/83-84—यतः मुझे
एम० जेगम मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 172/6 है जो हैदरनगर गांव
स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० आर० जिला
में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1983

यो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
मौद्रिक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बातरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँह किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लक्ष्यारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्त्ति :—

22-5531/33

(1) श्री आजग रानीडू और अन्य
1-8-702/1 नल्लाकेटा
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सत्यासाई को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसाईटी लि० 6-3-841/1
आमीरपेट हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे न० 172/6 हैदरनगर गांव आर० आर०
जिला रजिस्ट्रींग विलेख न० 6893/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी आर० आर० जिला कुल क्षेत्रफल 4 एकर 39 गेंडे।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़. हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 92/83-84-यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिनका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट 1 है जो बदामअपार्टमेंट हैदराबाद स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अन्तरण

1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह शतांश अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
देना; और/या

(ख) ऐसी हिस्ती आय या किसी वत या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) मसर्स बदाम अपार्टमेंट्स

8-2-402 रोड नं० 5

बजार, हिला हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री आशाकुमार

अपार्टमेंट गटहरनमेंट डिस्पेलरी

अमीरपेट हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञत के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 1 फ्लोअर नं० 1 1 बदाम अपार्टमेंट्स सोमाजीगुडा
हैदराबाद विस्तीर्ण 900 चौ फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
6165/82 रजिस्ट्रीस्कर्टा अधिकारी हैदराबाद

एम० जेगन मोहन

सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख: 13-4-1983

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ...

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० अ/र० ए० सं० न० 93/83-84—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मकान प्राप्तिवाही को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूल्य
25000 - रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट न० 3 है जो वन्दमामार्टमेंट, सोनार्जी
गुडा, हैदराबाद में स्थित है (और हालंकि उपावद्ध अनुमति में और
पूर्णरूप में वर्णित है) अधिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से नें स्पष्ट अंतर स्प्रतिफल का अन्तर
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिक्तों
(अन्तरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे दबने में स्वीक्षा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविहित था छिपाने से स्वीक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की वापाग (1)
में अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, यथां :—

(1) मैत्रस वंदमामार्टमेंट्स

8-2-40, रोड नं० 5,
वंजाराहिनसू, हैदराबाद

(अन्तरित)

(2) श्री विजयकुमार

पिं. लेट राई दोंगबर प्रसाद,
वार्मोनार इस्ट,
शिवराज बहादुर रोड,
हैदराबाद

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, दूरी मंडिल, वंदमाम अपर्टमेंट, सामर्जी
गुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 900 चौ० फुट अंजर्स्टी, विलेब्र नं०
6147/82, रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राविजारी
प्राविजारी आयकर शाखा (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-4-1983

भाष्य:

प्रस्तुप बाइर्स. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निहेंग सं० आर० ये० सी० नं० 94/83-84—यतः मुझे
एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट है, जो बाजाराहिल्स, हैदराबाद स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अन्मूली में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का लाभ है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उपर दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल न पद्धति प्राप्तिशत तो व्यक्ति है और
प्रतिक्रिया (प्रतिक्रिया) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छटेग्रंथ न उड़ान अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(1) श्री फरीदा उमान अहमद,
3-5-901, हीमायतनगर,
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री मीर्झा फरहाथूला बेंग,
घर नं० 10-3-14/बी/1,
हुमायू नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक न सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि तो
प्रति व्यक्ति द्वारा, व्यापारिशास्त्री के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लिङ्गोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

खुला प्लाटनं० 3, सर्वे नं० 129/39, रोड नं० 12,
बाजाराहिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 833 चौ० गज, रजिस्ट्रीक्रून
विलेख नं० 1649/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-4-1983

मोहन :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-थ (1) के मध्येन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1983

निर्देश सं. आरा० थ० सी० नं. 95/83-84—यतः मुझे
गम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-थ के अधीन संधाम प्राधिकारी को यह विश्वास राहने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से ऊपरीक है

और जिसकी मं० 6-2-12/1, सहफाबाद है, जो हैदराबाद
रित्थत है (ओर इसमें उपायद भन्नुगनी में और पूर्णस्पष्ट में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अग्रण, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसा दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरोर्तात्यों) के अंतर ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उच्च बलरण लिया गया भास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उन्नत
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायदीक में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आमितया
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रभेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया
गया था या किवा जाना जानिए था, जिपने में
सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-थ की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बो० विठ्ठल रेड्डी,
3-6-168/7, हैदरगुडा,
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी वी० रत्नरेड्डी
पति वा० विठ्ठल रेड्डी
3-6-168/8,
हैदरगुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह संचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्य :—

(क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
संचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध विसी अन्य व्यक्ति अथवा अपोहस्तान्तर के
प्रभेनार्थ नियंत्रण के लिए दिया गया
है।

स्पष्टीकरण :—इसमें ग्रामन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरनं० 6-2-12/1, सहफाबाद, हैदराबाद, 2 और 3
रा मंजला, विस्तीर्ण 2080 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
5828/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
संधाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-4-1983

मोहन

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० कैथल/10/82-83— अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा 269-ब के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्न उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 101/व० ग०/ व० फू० है तथा जो कैथल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त उक्त नियम के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित छोड़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि विधायकोंहाँ उक्त बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह ग्रन्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए यह पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्त उक्त अन्तर के लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

(क) अन्तरगत से ही कसी आय को बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुद्रिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त वा दिल्ली वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उक्त नियम में मुद्रिता के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुवरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अन्तर्गत :-

(1) श्री वेद प्रकाश
पुत्र श्री कालीराम
निं० पेहवा

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमारै
पुत्र गुरचरन दास
ट्रैक ओनर मंकान नं० 402/1,
प्रतापगढ़, कैथल

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जाहीर करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 101 व० ग० 1 व० फुट बापू रोड, कैथल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कैथल में, रजिस्ट्री संख्या 1835 दिनांक 25-8-82 परदिया है।

आर० के० भयाना
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 18-4-1983

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. —————

(1) श्रीमती कुमुज़मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कोशी फिलिप

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० एल० सी० 617/82-83—यतः मुझे, वी० आर० नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथं पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण (लिखित में दास्तावच रूप से कथित नहीं किया गया है) :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने ले अंतरक के शाश्वत में कभी करने या उससे बचने में सुनिधि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रंथकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किछी आज भी नहीं था, इसमें में सुनिधि के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानी के पास गई है जिस पर मुक्ति

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5.205 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 2752 dt. 19-8-1982.

वी० आर० नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम।

तारीख: 9-3-1983

मोहर []

अतः बबै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. - - - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 9 मार्च, 1983

निदेश सं० एन० सी० 623/82-83-यतः मुद्रा, वी० आर०

नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. है अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के प्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

19-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निम्नानुसार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

-

(1) श्रीमती कुमुजम्मा

(अन्तरक)

(2) श्री पी० जे० अगस्तिन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दास्तीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थग्नीकरण — इसमें प्रदूषित शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

5.205 cents of land with a flat as per schedule attached to Doc. No. 2753 dt. 19-8-1982.

वी० आर० नायर
सदस्य त्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

जतः यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की सुपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 9-3-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवेश सं० एल० सी० 628/83-84—यतः, मुझे, वी० आर०

नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सकाम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित
है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

23-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी भन अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—
23-66GI/83

(1) श्रीमती सैनवा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० कै० परमेश्वर

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावास संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4.719 cents of land with a building as per schedule attached
to Doc. No. 2786 dt. 23-8-1982.

वी० आर० नायर

सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-4-1983

माहूर :

प्रस्तुप लाइंटी.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवेश सं० एल० सी० 627/83-84—यतः, मुझे, बी० आर० नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रश्नातान उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-ष के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो काटूली, कालिकट
में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत ही अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
गया प्रयत्न के दृश्यमान प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायिष्ट
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(1)

श्री चन्द्रवास

(अन्तरक)

(2) कोण्ठुतोमरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों के उत्तर है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायिष्ट
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

6.24 cents of land as per schedule attached to Doc. No.
957/82 dt. 23-8-1982.

बी० आर० नायर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

नमृत: नमृत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-4-1983

मोहूर :

प्रारूप बाइंडी.टी.एन.एस. -----

(1) श्री टी० चन्द्र दास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यायक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवेश सं० एल० सी० 626/83-84—यतः, मुझे, वी०
आर० नाथर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोट्सी, कालिकट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 16-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा(1)
के अधीन, निम्नलिखित स्वीकृतियों, अथवा:—

(2) श्री केश्युतोमस

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पाठ
सूचना की ताप्रित से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6.24 cents of land as per schedule attached to Doc. No.
927/82 dt. 16-8-1982.

वी० आर० नाथर
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर व्यायक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 13-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मध्यकरणधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० 555/82-83—यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं० प्लाट नं० एम० 12-7-67 इंडस्ट्रीयल एरीया गोशाला के पास राजेन्द्र गंज है, जो रायचूर में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्ति अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे प्रकरण हैं जिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रबन्धन से हुई नियोजित छाता की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आरतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए।

अनु. अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के बनाए रखने में, उक्त प्रविनियम को धारा 269-ब को उपलब्ध (1) के अधीन रिमलिखित व्यक्तियों, वर्षातः:—

(1) मैसर्स श्रीनिवास इंडस्ट्रीज, (राईस मिल) बाय पारटनर श्री आर० वीरण पुत्र अरलपा, रायचूर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मूर्ती इंडस्ट्रीज बाय पारटनर म्यालापुर लक्ष्मी-नारायण पुत्र म्यालापुर सुखमनीयम, रायचूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में यह भी ध्यानेप:—

(क) इस सूचना के द्वारपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो अंत अवधि बाद में समाप्त होनी हो, तें भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकारी जैसे पाप लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसके अनुच्छेदों और पर्याप्त रूप से उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय 20-क में दिया गया है।

मंजु माधवन

दस्तावेज नं० 773/82-83

ता० 16-8-1983

सम्पत्ति जिसका नं० एम 12-7-67 है सम्पत्ति इंडस्ट्रीयल एरीया गोशाला के पास राजेन्द्र गंज, रायचूर में उपस्थित है।

मंजु माधवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख: 15-3-1983

मोहर:

प्राकृत आई.टी.एल.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवेश सं० 552/82-83-पत्रः, में सुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
वादाण है कि ग्रामवर निर्णय, जिसका उद्दिन बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

पैर जिसकी सं० 83/1 15-25-5-32, 14-14 खेती की
भूमि में 15 एकड़ 25 गुटास है तथा जो चेहाड़ी गांव
बसवना भागेवाड़ी तालूक में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बसवना भीरोलीड़ी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०

16-8-1982

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

उत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, प्रति, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धोडिया नाना साहेब 2, शयामू 3. विष्णु
सन आफ धोडिया नाना साहेब नं० 2-3 बसवना
भागेवाड़ी तालूक बिजापुर

(अन्तरक)

(2) श्री वसपा लक्ष्मण मसूती बसवना भागेवाड़ी पोस्ट
बिजापुर डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

के वह सूचना चारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयित शुल्क लगाया जाएगा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोट में आदेतः—

(क) इस सूचना के उचित बाजार में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित बाजार में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिंगित में लिए जा सकेंगे।

प्रमाणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

दस्तावेज सं 573 ता० 16-8-82

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 83/1 15-25-6-32,
14-14 जो बसवना भागेवाड़ी पोस्ट बिजापुर डिस्ट्रिक्ट

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 13-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाईः वी. एच. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 भार्च 1983

निर्देश सं. 538/82-83—यतः, मुझ, श्रीमती मंजु भाष्वन, सहायक आयकर नियुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज़, बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. सी. टी. ए. नं. 3597/5 है जो उजकल ग्राम हूबली तालूक में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी भन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्री धनपाल भारा० अंगड़ी विद्यानगर हुबली (अन्तरक)

(2) मेसर्स युनाइटेड विल्डरस, 12/1 क्लब रोड, देशपांडे नगर हुबली, पावर आफ अटोरनी होल्डर कैप्टन डी० वी० कोणीकर, 22 पुरंधराडी गोदाले रोड, नारंध दादर बांबे-28। श्री एच० भार बेकल क्लब रोड देशपांडे नगर, हुबली-20

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आवाहन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भी हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारस्तापनी के पास तिलित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजुसूची

(दस्तावेज नं. 1378/82-83 ता० 22-9-1982)

संघति जिसका सी० टी० एस न० 3597/5 है सम्पत्ति ग्राम हुबली तालूक में उपस्थित है।

मंजु भाष्वन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बंगलूर

तारीख 15-3-1983

मोहर []

प्रस्तुत भारतीय एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धार्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 15 मार्च 1983

निवेश सं. 537/82-83-अतः मुझे श्रीमती मंजु
माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सं.०टी० एम० नं. 3597/4 है जो
उक्तकल हुबली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हुबली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 22-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
आउ/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्जतः ।—

(1) श्री तवनप्पा आरो अगंडी विजयनगर हुबली
(अन्तरक)

(2) मेसर्स युनाइटेड बिल्डर्स 12/1, क्लब रोड, देशपांडे
नगर हुबली पावर आफ अटानी होल्डर

(1) क्याप्टन विलींप विमलानंद कोफीकर 21, पुरंदरवाडे
गोखसले रोड नार्थ दावर बेस्ट बाम्बे-28

(2) श्री हरीश राव बेकल 12/1 क्लब रोड देशपांडे
नगर हुबली 20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
भूमि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रथम शब्दों और पश्चात् का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

धस्तावेज नं. 1377/82-83 ता० 22-9-1982 हुबली
जगह जिसका सी० टी० एस० नं. है 3597/4 संक्षेपी
उणकल ग्राम हुबली में उपस्थित है।

मंजु माधवन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलौर

तारीख : 15-3-1983

मोहर :

प्रस्तुत भाई टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 प्रारंभ सूचना
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलोर
 बंगलोर, दिनांक 10 मार्च 1983
 नोटिस सं० 525/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० आर० एस० नं० 9/2 सं० टी० एस०
 नं० 2075 है जो अयोग्या ग्राम हुबली तालुक में स्थित है
 (और इसमें उपावन अनुनूची में और पूर्ण से स्पष्ट वर्णित है)
 रजिस्ट्रीडर्टा अधिकारी के कार्यालय हुबली में रजिस्ट्रीडर
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1982
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) वौर
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (1) श्री बलवण्णप्पा चन्द्रबहुप्पा केलगेरी R/o देवीकोप्पा
 कलप्रसादी तालुक
 (अन्तरक)
 (2) श्री महमद इसके अवदुल करीम मनियार हर्ड्वेयर
 मर्केट सिमपल गली हुबली
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी या
 पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्ती शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,
 वही वर्ण होता, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
 कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
 और/या

मंजुसूची

- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

दस्तावेज नं 1376/82-83 ता : 21-9-82
 संम्पत्ति जिसका आर.एस.नं० 9/2, सीटीएस नं० 2075 सम्पत्ति
 अयोग्या ग्राम हुबली तालुक आडं नं० V में उपस्थित है।

मंजु माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बंगलोर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 10-3-1983 :
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री शंकर कुमाणा गडकारी माली गल्ली घर नं०
2610 वेलगांव

(अन्तरक)

(2) श्री गणपति बालप्पा बेरेणकर माली गल्ली घर
नं० 2610 ए वेलगांव

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलोर

बंगलोर दिनांक 10 मार्च 1983

निर्देश सं० 533/82-83—यतः मुझे, श्रीमती मंजु
माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 2610 ए और 2610 वी
है, जो माली ठाली बंगलोर में स्थित है (आर इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बंगलोर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 25-9-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूची से हूर्द किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

24-66GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी आवित्याँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लियित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज नं० 2081/82-83 ता० 25-9-1982
संपत्ति जिसका आर० एस० नं० 2610 ए और 2610
वी सम्पत्ति माली गल्ली वेलगांव में उपस्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हुबली।

तारीख : 10-3-1983

मोहर :

प्रस्तुप् शार्दूल टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्देश सं० 527/82-83—यतः मुझे श्रीमती मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 3818 है जो विद्यानगर हुबली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के कार्यत में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग्र प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनायक नारेश कुलकर्णी कांट्राक्टर श्यामदेव नवलगुड हुबली तालूक।
(अन्तरक)

(2) श्री अनंत महादेव राव राशीनकर रिटायर्ड तहसीलदार मागजी कोडी धर पी० वी० बी० रोड हुबली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्पत्ति की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में तथा परिभाषित हैं, वही अंर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजुस्त्री

दस्तावेज नं० 1255/82-83 ता० 2-9-1982

संपर्क जिसका सी० टी० एस० नं० 3818 संपर्क विद्यानगर हुबली में उपस्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलोर

तारीख : 19-3-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री एस० रामकृष्णम्या पुल सूर गोविंदया सेटी
वार्ड नं 5, होसपेट

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मदनलाल बोरट मेन बाजार डोसपेट
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्देश सं० 534/82-83—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 333 और 334 है, जो V वार्ड
होसपेट में स्थित है (और इससे उपांचड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के
कार्यालय होसपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चांग प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में किसी करने या उससे मचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बस्तावेज नं० 700/82-83 ता० 15-9-1982
संपत्ति जिसका डोर नं० है 333 & 334 संपत्ति 5 K वार्ड
होसपेट में उपस्थित है।

मंजु माधव
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख : 10-3-1983
मोहर :

प्रूफ बाइंडी.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एस० रामशेट्री पुत्र सोमाना

(2) श्री एस० आर ध्रुवकुमार पुत्र एस० रामशेट्री
बी० टी० गल्ली, डावणगेरे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० 539/82-83—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 30 डोर नं० 755 है तथा जो IV वार्ड, VI छिवीजन, विजयलक्ष्मी रोड डावणगेरे में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डावणगेरे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-12-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4664/82-83 ता० 5-12-1982)
संपत्ति जिसका डोर नं० है 755 सम्पत्ति IV वार्ड VI छिवीजन विजयलक्ष्मी रोड, डावणगेरे में उपस्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित इषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, जिसने में सुविधा के लिए;

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

तारीख: 15-3-1983
मोहुः

प्रलेप आई.टी.एस. - - - - -

(1) श्री ए० सी० मंजुनाथ, गांधी नगर छत्तीकेरे
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री एन० जयणा गांधी नगर, छत्तीकेरे
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 फरवरी 1983

निर्देश सं० 541/82-83—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचारे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 11 है तथा जो पावगड रोड चलकेरे में स्थित है (और डस्ट सुपर अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चलकेरे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूस्त्री

दस्तावेज नं 582/82-83 ता. 5-8-1982

संपत्ति जिसका आर० एस० नं० 11 म्युनिसिपल खाता नं० 3739 और 3759 ए संपत्ति पावगड रोड चलकेरे में उपस्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21-2-1983

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5—

प्रैरूप आइ०, टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती एच० के० जयलक्ष्मा वैक/आफ बी० आर-
गोडा, हिरियूर।

(अन्तर्रक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री डी० सिहेश सन/आफ मद्वान्जनवर पाप्ला
होसायलासू पी० ओ० हिरियूर तालूक

(अन्तर्रिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी० आर० 62/551/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 220 है तथा जो यलसू जे०
जे० होम्ली, हिरियूर तालूक में स्थित है (और इससे उपावरु
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय हिरियूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 10-8-1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान-
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्रिती
(अन्तर्रितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्राति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक से
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 706 ता० 10-8-1982)
सब सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 220, जो यलसू जे० जे०
होम्ली, हिरियूर तालूक में स्थित है।मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरअतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीर : 12-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निवेश सं० सी० आर० नं० 62/550/83-84—यतः
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् एकत्र अधिनियम कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 169/2, 169/3, 170 और
237 है, जो पंडरावल्ली विलेज, चिकमगलूर तालूक में स्थित
हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिकमगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(अंतरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तंय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(म) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी भ्रन या अन्य आस्तिशे
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० ई० सी० वास और कुठलोग चिकमगलूर
में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) भागरागिरी प्लेट्टैस वै पार्टनर्स श्री ए० सी०
धर्मराज और श्री ए० सी० कामत गणेश एन्टर-
प्रैस रोटरी सरकल ए० जी० रोड चिकमगलूर
(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 811 ता० 20-8-1982)

सब सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 169/1, 169/3, 170,
और 237 जो पंडरावल्ली विलेज चिकमगलूर तालूक में स्थित
है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 12-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप गाई. टी. एन. एस.-----

(1) एम० बसवराज उंडिगनालू विलेज, जावगल होब्ली अरसीकेरे, तालूक।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी० आर० 62/549/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 902/2, 903/2, 904, 905, 906, 9 व 10 हैं तथा जो नीलगिरी कावल ग्रामा, जावगल होब्ली अरसीकेटे तालूक में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भानावरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 4-8-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीमों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री एम० ली० पुट्टास्वामी सन/आफ श्री एम० पी० देवेगीडा माविनाहल्ली विलेज कसबा होब्ली चिक्कमगलूर तालूक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 300 ता० 4-8-82)

सब समर्पी है जिसका सर्वे सं० 902/2 903/2, 904, 905, 906, 9 और 10 आफ नीलगिरी कावल ग्रामा, जावगल होब्ली अरसीकेरे तालूक में स्थित है।

मंजु माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-4-83

मीटिंग:

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्वेश सं. सी० आर० 62/548/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विवेदास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वेनं १ ½, १, १ २, ३, ४, ५, ६ व ५५
है तथा जो पालाहल्ली विलेज एसलूर होल्ली मंजाभाद तालूक,
हासन डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सकलेश्पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेदास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हास्यमान प्रतिफल से एसे हास्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अर्थ अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित अंतरिती के
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

25—66GI/83

(1) श्री यू० एस० नागराजा राव सन/आफ एम०
एस०सभाया श्री यू० श्री यू० एन० प्रसाद, श्री यू०
एन० प्रभाकरा और श्री यू० एन० भास्करा,
उचानी विलेज एसलूर होल्ली, मंजाभाद तालूक
हासन डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद कुशी सन/आफ बी० अब्दुल रेहमान
एस० एल० मतियास रोड, पालनीर मंगलूर, (एस० के)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 580/82-83 ता० 7-8-82)

सम्पत्ति है जिसका सं. सर्वेनं १/४, १/६, १/५, १/८
२ ३, ४, ५, ६ और ५५ जो पालाहल्ली विलेज एसलूर होल्ली
मंजाभाद तालूक हासन डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजु माधवन

सधम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 12-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/आई०/एस० आर०-३/
8-८२/७२६—पतः सुन्ने नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन समाप्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव नगर तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुमूल्य
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और सुन्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जारीत बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल गिर्मानिक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

1. श्री रिशाल संपुत्र हिमत निवासी गांव आया नगर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नवरंग कोमरशियल कं० प्रा० लि० 219
चितरंजन एवन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कि सी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुमूल्य

(क) अंतरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शाखाओं में कमी करने था उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जानी चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आधा भाग कृषि भूमि जिसकी माप 12 बिधा खसरानं०
1557 मीन (1--4), 1558 (4--16), 1559/2
(1--10), 1560/1(1--9) 1773 मीन (3--1),
गांव आया नगर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेन्द्र सिंह
समाप्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-11005

अनुमूल्य : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमतियों
में, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपावना (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-4-1983

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 5th April 1983

No. P.974/Admn.III.—Consequent upon his reversion from the post of Assistant Director in the Special Organising Committee, IX Asian Games (1982) Secretariat, New Delhi w.e.f. the afternoon of 25th March 1983, Shri R. L. Madan has joined the post of Desk Officer in the office of U.P.S.C. w.e.f. the forenoon of 26th March 1983.

The 8th April, 1983

No. A. 32014/2/83-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following personnel Assistant/Selection Grade Personal Assistant of the C.S.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely temporary and ad-hoc capacity for the periods shown against their names or until further orders whichever is earlier :

S. No.	Name	Periods	Remarks
1.	Shri Sunder Lal	28-3-83 to 27-6-83	Vice Shri IN Sharma promoted as P.S.
2.	Shri R. P. Dang	11-4-83 to 10-7-83	Vice Shri Tarsame Singh promoted as P.S.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and an ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.

3. The appointment of S/Sri Sunder Lal and R. P. Dang are subject to the approval of the Department of Personnel & ARs for the periods 11-5-1983 to 27-6-1983 and 18-7-83 respectively., i. e. the periods exceeding 120 days during the calender year.

Y. R. GANDHI
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110003, the 19th April 1983

No. O.II-1796/83-ESTT.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Stilakshmi Vegeasana as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21st March 1983, subject to her being declared medically fit.

No. O.II-1798/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Pranabendu Debnath as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 23rd March 1983 subject to his being declared medically fit.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF LABOUR)

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 7th May 1983

No. 23/3/83-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by two points to reach 502 (Five hundred and two) during

the month of March, 1983. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of March, 1983 works out to 610 (Six hundred and ten).

A. S. BHARADWAJ
Director, Labour Bureau.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 22nd April 1983

No. ADMN.III/2(1)VIII/2469.—The Director of Audit, Commerce, Works & Miscellaneous, New Delhi has ordered the Promotion of the following Section Officers as temporary Audit Officer on provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from the dates indicated against each.

Sl. No:	Name	Date from Which promoted
1.	S/Shri G. C. Joshi-II	8-11-1982
2.	R. D. Vashist	22-3-1983
3.	B. N. Mannan	23-3-1983

A. K. PATNAIK
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 20th April 1983

No. Au/Admn/Misc/Con./2402.—Shri P. G. Patil, Offg. S.G. S.O.(A) of this Office is promoted as Audit Officer in the offg. capacity w.e.f. 31-3-1983 (F.N.).

No. Au/Admn/Misc/Con./2402.—Shri V. V. Kulkarni, Offg. S.G. Section Officer (Audit) of this office is promoted as Audit Officer in the Offg. capacity with effect from 6th January 1983 (F.N.).

K. S. RANGAMURTI
Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 23rd April 1983

No. 396/A/Admn/130/82.—Consequent on his appointment as Accounts Officer on transfer basis in the Department of Science and Technology, New Delhi with effect from 5th May 1982, the lien of Shri A. C. Saha, Officiating Audit Officer (Substantive Section Officer (Audit)) in the Audit Department, Defence Services has been terminated in terms of F.R. 14-A(d) from the same date.

B. S. TYLE
Jt. Director of Audit, Def. Services

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 20th April 1983

No. 20/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Jt. G.M. with effect from the date shown against them :

- (1) Shri G. S. Ahluwalia, Jt Director 30th Nov., 1982
- (2) Shri D. K. Basu, Jt. Director 29th Nov., 1982
- (3) Shri V. R. Shivkumar, Jt. Director 29th Nov., 1982
- (4) Shri R. S. Misra, DGM 29th Nov., 1982
- (5) Shri Tarit Gupta, DGM 30 Dec., 1982

V. K. MEHTA
Director

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 5th April 1983

No. A-12025(i)/3/81-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 20th December, 1982 and until further orders Shri Daulat Ram Gupta as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers' Service Centre, Gauhati.

VINAY JHA
Additional Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th April 1983

No. 12(608)/69-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Mukhopadhyay, Assistant Director (Gr. I) (Chem.) Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Deputy Director (Chem.) on ad-hoc basis at the same office with effect from the forenoon of 31st March 1983.

The 22nd April 1983

No. A-19018(594)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. A. Laxmanan, Small Industry Promotion Officer (IMT), Small Industries Service Institute, Madras as Assistant Director (Gr. I) (IMT) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 13th October 1982 until further orders.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 19th April 1983

No. A-1/1(977).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, Assistant Director of Supplies (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from 30th March 1983 (F.N.) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

2. The ad-hoc appointment of Shri O. P. Sharma, as Deputy Director of Supplies will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. BALASUBRAMANIAN
Dy. Director (Admn.)

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 22nd April 1983

No. A-17011/218/83-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri R. S. Kahare, Examiner of Stores (Met) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met) on ad-hoc basis in the same Inspectorate with effect from the forenoon of 17th March 1983 and until further orders.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Administration),

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 18th April 1983

No. 33258/A-32013 (2-GJ)/83-19B.—On reversion from Coal India Ltd., Shri Subrata Chakravorty, Assistant Geophysicist, Geological Survey of India, received charge of the post of Geophysicist (Jr.) at Eastern Region, G.S.I., Calcutta with effect from 1st March 1983 (F.N.) on Promotion.

S. K. MUKERJEE
Director General
Geological Survey of India

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th April 1983

No. A-19012(26)/70-Estt.A.—Shri C. Shankar Rao, Permanent Mineral Officer (Statistics), Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the post of Mineral Officer (Statistics) in the Indian Bureau of Mines on the afternoon of 31st January 1983 sequel to inclusion of his name in the I.S.S. Grade IV and appointment as Statistician in the Directorate of Inspection (Research, Statistics and Publication) Department of Revenue, New Delhi.

B. C. MISHRA
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DEPARTMENT OF ENVIRONMENT

BOTANICAL SURVEY OF INDIA

OFFICE OF THE DIRECTOR

Howrah-711 103, the 21st April 1983

No. BSI-66/150/83-Estt.—The Director Botanical Survey of India hereby appoints Shri Surendra Kumar Jain, Assistant (Office), Northern Regional Circle, Zoological Survey of India, Dehra Dun, to the post of Hindi Officer, Botanical Survey of India (on deputation) on a pay of Rs. 650/- P.M. in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 and other allowances as admissible for him for a period of one year in the 1st instance in an officiating capacity, w.e.f. the FN of 11-4-83.

Shri Jain joined the post of Hindi Officer, Botanical Survey of India (on deputation) with effect from the FN of 11-4-1983 and accordingly his pay to the said post would be drawn with effect from 11-4-1983.

S. N. KAR
Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO
(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 5th February 1983

No. A-19012/26/82-CWI/661.—The Directorate General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Ijmal Hussain, B/R-I of M.E.S. as Asstt. Surveyor of Works (C), Civil Construction Wing, All India Radio, Delhi Circle, New Delhi on deputation basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 25th October 1982 (A.N.) for a period of one year in the first instance or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

2. The Pay and Allowances of Shri Ijmal Hussain will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E.VIII/60, dated 4-5-61 as amended from time to time.

S. K. MOHINDRA
Engineer Officer to CE(C)
for Director General

New Delhi, the 22nd March 1983

No. 3/1/85-S-III.—Consequent upon their promotion, the under mentioned St. Engineering Assistants have assumed

charge of the posts of Assistant Engineer at different Offices of all India Radio in a temporary capacity from the date mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Station where Posted	Date of Joining
1.	Shri K. Ananthapadmanabhan	HPT, AIR, Madras	8-3-83
2.	Shri G. M. V. Subha Rao	AIR Visakhapatnam	24-3-83
3.	Shri S. S. Srivastava	AIR, Ambikapur	31-3-83
4.	Shri P. Arvindakshan	HPT, AIR, Madras	28-3-83
5.	Shri M. Venkatasubramaniam	—do—	19-3-83
6.	Smt. R. Jayalakshmi	CE (WZ), AIR, Bombay	30-3-83
7.	Shri K. R. Chellappan	AIR, Calcutta	29-3-83
8.	Shri Haripada Choudhary	AIR, Cuttack	30-3-83
9.	Shri R. M. Joshi	HPT, AIR, Rajkot	8-4-83
10.	Shri M. N. Bhat	AIR, Jodhpur	-83

Y. VARMA
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 22nd April 1983

No. 4/46/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Subhash Chandra Bhatia as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 25th March 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th April 1983

No. A-12025/14/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Kalkar Siddheshwar Bhimrao to the post of Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 28th February 1983 and until further orders.

The 21st April 1983

No. A-19019/16/81-Admn.I.—Consequent upon his appointment as Deputy Architect in the Central Public Works Department New Delhi, Shri R. N. Kapur relinquished charge of the post of Assistant Architect in the Central Design Bureau, Directorate General of Health Services on the afternoon of 8th April 1983.

T. C. JAIN
Dy. Director Admn. (O&M)

LOGGING DEVELOPMENT INSTITUTE

Dehradun, the 19th April 1983

No. 6-158/83-LDI.—Shri C. K. Joshi, Assistant Logging Instructor, Logging Development Institute, Chandrapur is appointed as Logging Instructor in Logging Development Institute Chandrapur (M.S.) in a temporary capacity with effect from the 19th February 1983 (F.N.) until further orders.

K. C. THAPLIYAL
Jt. Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECT ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 18th April 1983

No. PPED/3(40)/83-Estt.J.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. K.

Banerjee, a permanent Assistant Security Officer in this Division as Security Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 22, 1983 to the afternoon of April 30, 1983 vice Shri M. M. Mathew, Security Officer proceeded on leave.

R. V. BAJPAI
General Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 16th April 1983

No. Ref. DPS/4/1(4)/71-Adm./13190.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following officers in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from the date mentioned against each :—

Sl. No.	Name and Designation	Date of Substantive apptt.	Permanent Post held, if any
1.	Shri B.L. Thakur, Purchase Officer,CPU	10.10.1979	—
2.	Shri K.P.S. Pillai, Asstt.Purchase Officer, CPU	2.4.1983.	Purchase Asstt.
3.	Shri W.C. Jethi, Asstt.Purchase Officer,CPU	2.4.1983	Purchase Asstt.
4.	Shri S.G.Jeble, Asstt. Purchase Officer,CPU	2.4.1983	Purchase Asstt.

The 19th April, 1983

No Ref. DPS 4/1(5)/77-Adm./13434.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints the undermentioned officers in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Stores Officers in the same Directorate with effect from April 2, 1983.

Sl. No.	Name, Designation and Unit	Permanent post held, if any
1.	Shri K. P. Singh Asstt. Stores Officer Kota Regional Purchasc & Stores Unit.	Storekeeper
2.	Smt. Alice Mathew, Asstt. Stores Officer, Central Stores Unit, Trombay.	Storekeeper
3.	Shri U. T. S. Siputo, Asstt. Stores Officer, Central Stores Unit, Trombay.	Storekeeper

S. KRISHNAN
Administrative Officer.

Bombay-400 001, the 18th April 1983

No. DPS/4/14/83-Admn./13303.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated 16th July 1982, the Director, Directorate of Purchasc and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazir Chand, a permanent Storekeeper and officiating Chief Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis for a further period upto 23rd June 1982 (AN) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate.

The 20th April 1983

Ref. No. DPS/4/2/83-Adm./13709.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri E. S. Natarajan a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in

the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 14th February 1983 (A.N) to 8th April 1983 (A.N) in the same Directorate vice Shri John Varced Asstt. Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI
Administrative Officer-II

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 18th April 1983

No. AMD-1/25/82-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G.A.V. Sekhar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 7, 1983, until further orders.

The 19th April 1983

No. AMD-16/3/82-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. P. George, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of March 28, 1983 to April 26, 1983 vice Shri T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

The 21st April 1983

No. AMD-1/60/81-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Dr. Laxman as Scientific Officer Grade 'SB' (Medical) in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 7, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE
Sr. Administrative and Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 21st March 1983

No. GN : 001.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri D. R. N. Murthy, a permanent employee in the Department of Space as Assistant Purchase Officer in the INSAT-1 Master Control Facility, with effect from the forenoon of 14th February 1983 and until further orders.

V. P. D. NAMBIAR
Administrative Officer-I
for Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 23rd April 1983

No. A.32013(Dir)/5/82-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologists Grade I, India Meteorological Department to officiate as Directors in the same Department with effect from the dates indicated against their names and until further orders.

- | | |
|-------------------------------|------------|
| 1. Shri Jitendra Lal | 17-12-1982 |
| 2. Shri Ranjit Singh | 17-12-1982 |
| 3. Shri B. K. Sridhar | 3-1-1983 |
| 4. Shri P. E. Moray | 17-12-1982 |
| 5. Shri A. Choudhary | 17-12-1982 |
| 6. Shri G. S. Mondal | 17-12-1982 |
| 7. Shri V. S. Ramachandra Rao | 18-12-1982 |
| 8. Shri K. Raman | 28-1-1983 |
| 9. Shri B. M. Chhabra | 17-12-1982 |
| 10. Dr. H. S. Bedi | 17-12-1982 |
| 11. Shri M. G. Gupta | 17-12-1982 |
| 12. Shri M. S. Singh | 17-12-1982 |

- | | |
|----------------------------------|------------------|
| 13. Dr. R. R. Kelkar | 17-12-1982 |
| 14. Shri K. Vecraraghavan | 17-12-1982 |
| 15. Dr. S. K. Srivastava | 17-12-1982 |
| 16. Shri P. Mohammed | 17-12-1982 |
| 17. Shri K. R. Rao | 17-12-1982 |
| 18. Shri P. M. Pakkiran Mohammed | 23-12-1982 |
| 19. Shri A. Thiruvengadathan | 17-12-1982 |
| 20. Shri Dr. U. S. De | 25-2-1983 (A.N.) |

S. K. DAS
Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th April 1983

No. A.12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office notification No. A.12025/3/71-E.I., dated the 4th September 1982 the Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad hoc appointment of Shri K. K. Sharma as Hindi Officer in the Civil Aviation Department upto 30th June 1983 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

S. GUPTA
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 19th April 1983

No. A.32013/1/82-ES.—The President is pleased to appoint Shri Madhusudan Lal, Senior Aircraft Inspector to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 17th March 1983 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

L. C. GARG
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 19th April 1983

No. 16/334/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased to accept the resignation tendered by Shri T. Krishnamurthy, Research Officer, of his appointment under Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from 11th March 1983 (A.N.).

RAJAT KUMAR
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : M.P.

Indore, the 18th April 1983

No. 6/83.—S/Shri V. K. Handa and S. A. Bamra, Superintendents, Central Excise, Group 'B' of Central Excise Collectorate, Indore, have voluntarily retired from the Government service in the afternoon of 31st March 1983.

S. K. DHAR
Collector

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 18th April 1983

No. 1-TR(1)/83.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Captain T. K. Joseph as Captain Superintendent T. S.

Rajendra, Bombay with effect from 24th March 1983 (F.N.) in a temporary capacity until further orders.

P. GHOSH
Dy. Director General of Shipings

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 18th April 1983

No. A-19012/1005/82-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. N. Tiwari, Graduate Supervisor, while working on deputation with Devighat Hydel Project, Kathmandu (Nepal) under the Management of National Hydro-electric Projects Corporation Ltd., New Delhi who satisfy all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign to ex-cadre post, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st May 1982 until further orders.

2. Shri S. N. Tiwari will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from 1st May 1982.

K. L. BHANDULA
Under Secy.
Central Water Commission

New Delhi-110066, the 22nd April 1983

No. A-19012/952/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. K. Gangrade, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the afternoon of 10th June 1982 for a period of one year or till the post is filled on regular basis.

2. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of Civil Rule No. 10823(W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

No. A-19012/952/81-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. K. Gangrade officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer on ad-hoc basis in the Central Water Commission, on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 9th August 1982.

2. Shri Gangrade will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

3. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of Civil Rule No. 10823(W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 20th April 1983

No. 608/191/83-Adm.—The Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-411024, hereby appoints Mrs. Rohini Vijaykumar Karkhanis, Hindi Translator CWPRS, as Hindi Officer on deputation basis for a period of 6 (Six) months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier, in the CWPRS, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of March 17, 1983.

The above appointment will not confer upon Mrs. R. V. Karkhanis the right claim for appointment to the post of Hindi Officer on regular basis or for seniority in that grade.

2. In terms of the option exercised by her on 19th March 1983, opting for grade pay in the post of Hindi Officer, the initial pay of Mrs. R. V. Karkhanis, Hindi Officer, is fixed at Rs. 650/- P.M. w.e.f. 17th March 1983 (FN) in the pay scale of Rs. 650—1200 in terms of para 4.4. of O.M. No. F.1 (II)E-III(B)/75, dated 7-11-75.

B. G. PATWARDHAN
Administrative Officer
for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 21st April 1983

No. 27/11/81-ECIX.—The President is pleased to accept the resignation of Mrs. Manju Suhas, Architect, C.P.W.D., with effect from 14th April, 1982.

The 26th April 1983

No. 33/1/81-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Kapur a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700 P.M. as per recommendations of the U.P.S.C. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (Plus usual allowances) with effect from 8-4-1983 (AN), on the usual terms and conditions.

2. The Pay of Shri Kapur will be fixed according to rules.
3. Shri Kanur is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

A. K. NARANG
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Goel Cine Private Limited*

Bombay-400 002, the 20th April 1983

No. 646/16864/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Goel Cine Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 16th April 1983

No. F. 48-Ad(AT)/1983.—Shri Prem Kumar Malhotra, a temporary Legal Assistant in the Andaman & Nicobar Administration, Port Blair, on deputation as Legal Assistant in Delhi Administration, Delhi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd March, 1983, until further orders, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

He will be on probation for two years with effect from the 23rd March, 1983 (forenoon).

T. D. SUGLA
President
Income Tax Appellate Tribunal

FORM ITNS

- (1) Shri Rasid Khan s/o Shri Nazir Khan,
r/o 1374, pahari Imli, Jama Masjid, Delhi,
(Transferor)
- (2) Shri Mohamad Zia & Masood Zia,
both S/o Shri Mehboob Ali both r/o 1374, pahari
Imli, Jama Masjid, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/808.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 10-A, situated at Todar Mal Road, Tansen Marg, Bengali Market, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparents consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in proper by bearing House No. 10A, Todar Mal Road, Tansen Marg, Bengali Market, New Delhi, mg. 141 $\frac{1}{2}$ sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/809.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 10A, situated at Todar Mal Road, Tansen Marg, Bengali Market, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—66GI/83

- (1) Shri Rashid Khan s/o Shri Nazir Khan, r/o 1374, Pahari Imli, Jama Masjid, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Mahmood Zia and Shri Masood, Zia both s/o Shri Mehboob Ali both r/o 1374, pahari Imli, Jama Masjid, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in property bearing House No. 10A Todar Mal Road, Tansen Marg, Bengali Market New Delhi, Measuring 141½ sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Bharta, Badley and Rati Ram s/o Chhajjan,
r/o Vill. Ghitorni, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Ganga Devi w/o Rati Ram, Smt. Misro
w/o Badley and Smt. Dhola w/o Bharta
r/o Ghitorni, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/770.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli,
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Kh. No. 515/2 (0-16), 1472/1 (2-0), 1473/1
(3-0), 1494 (4-16), 1884/2 (0-14), 1886/3 (1-1), 1511
(4-16), Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Bharta Badley and Rati Ram s/o Chhajjan
r/o Vill. Ghiori, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Satish Chand Jain s/o Khem Chand Jain
r/o 1259, gali gulyan, Dharampura, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/771.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri land measuring 5 bighas and 12 Biswas Kh. No. 247 (4-16), 248/2 (0-16), Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Risal s/o Himmat
r/o Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd., 219,
Chitranjan Avenue Calcutta, through Jaspal Singh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/774.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/2 share in agri land measuring 12 Bighas Kh. No. 1536/1 (1-8), 1537 (3-6), 1538 (2-13), 1539/1 (2-0), 1557 min (2-13), situated in Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Risal s/o Himmat r/o Vill.
Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Navrang Commercial Co., Pvt. Ltd, 219,
Chitranjan Avenue Calcutta, through Jaspal Singh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/775.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in agri land measuring 12 bighas bearing No. Kh. No. 1773 min (1-15), 1780/2 (1-16), 1781/2 (2-16), 1782/2 (3-0), 1896/3 (0-7) 1897 min (2-6), Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S. —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Risal S/o Himmat r/o Aya Nagar,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219,
Chitranjan Avenue, Calcutta, through
Jaspal Singh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/776.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli,
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in August 1982,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice, in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transferor,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in agri. land bearing Kh. No. 1897 (1-7), 1898
(2-15), 1699 (2-7), Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New
Delhi, Total 6 Bighas and 9 Biswas.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khazan s/o Harpal r/o Vill.
Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co.,
Pvt. Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta, through
Jaspal Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/788A.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli,
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in August 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in agri land bearing Kh. No. 1810/2 (1-8), 1824/1 (3-18), 1840/1 (0-14), and 1/4 share in agri land bearing Kh. No. 1826 (4-16), 1536/2 (2-4), Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/789.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Agri land situated at Vill. Aya Nagar,
New Delhi.
(and more fully described in the scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in August 1982.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Khazan s/o Harpal r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd.
219 Chitranjan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh.
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in agri. land measuring 9 bighas and 12 biswas
bearing Kh. No. 1811 (4-16), 1825 (4-16), Village Aya
Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR:III/8-82/790.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Khazen s/o Harpal r/o Village, Aya Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219 Chitrangan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bighas bearing Kh. No. 1578 (4-16), 1880/1 (1-4), Village Aya Nagar, Tah. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—66GI/83

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.L/SR.III/8-82/786A.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Agri. land situated at Vill. Khanpur, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, Total 6 Bighas and 9 Biswas.
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Raj Kumar Goyal and Ram Kumar Goyal
 s/o Sadhu Ram Goyal r/o 2 Asia House K.G. Marg, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Mrs. Kamla Khanna w/o Cal. B. N. Khanna & Nirpinder Nath Khanna s/o B. N. Khanna r/o C-47, Defence Colony New Delhi through attorney, B. N. Khanna.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 2 bighas and 11 biswas, Kh. No. 192, Village Khanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1983
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/787A.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raj Kumar Goyal and Ram Kumar Goyal
s/o Sadhu Ram Goyal r/o 2, Asia House K. G.
Marg, New Delhi.
(Transferor)
(2) Mrs. Kamla Khanna w/o
Col. B. N. Khanna and Nirpinder Nath Khanna
s/o Col. B. N. Khanna r/o C-47, Defence Colony,
New Delhi.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 2 bighas 11 biswas Kh. No. 191/1 and part of 192, Village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Parkasho w/o Sh. Ranjit Singh
r/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Katyayni Dayal s/o Late Shri Bishamber Dayal
r/o C-4/23, Safdarjang Dev Area, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/745.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri-land situated at Vill. Dera Mandi, Tch. Mehrauli,
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 Biswas bearing
mustatil No. 36 Killa No. 16, situated in village Dera Mandi,
Tah., Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JI/8-82/746.—

Whereas I, NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri-land situated at Vill. Dera Mandi, Tch. Mehrauli, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
N. Delhi on August, 1982
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Parkasho w/o
Sh. Ranjit Singh, r/o
Village Dera Mandi,
New Delhi.
- (2) Shri Rishi Kumar Mishra s/o
late Jiwan Lal Mishra, r/o
6/9, Sarva Priya Vihar,
N. Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture Land measuring 4 bighas and 16 biswas
bearing mustatil No. 36 Killa No. 15, situated in village
Dera mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Budhu s/o
Shri Loka, r/o
Village Dera Mandi,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir s/o
Shri Khazan, r/o
Village Dera Mandi,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-82/794.—
Whereas J. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri-land situated at Vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bighas and 12 biswas bearing Khasra No. Mustatil No. 70, Kila No. 14/2(1-8), 15/1(4-4) situated at vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-4-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-82/760.—

Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on August, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manohar Singh s/o
Shri S. Gurmukh Singh, r/o
Gadaipur, New Delhi.
Through General Attorney
Shri Santosh Kumar,

(Transferor)

(2) Mrs. Beena Chatwal w/o
Shri S. Surinder Pal Singh &
Shri S. Surinder Pal Singh s/o
late S. Durlabh Singh, r/o
D-292, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agri. land measuring 10 bighas and 3 biswas Kh. No. 291 (7-17), 539/1 (1-14), 539/2 (0-6), 539/3 (0-6), with tube-well, boundary wall, village Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
DELHI / NEW DELHI

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE.
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-82/761.—
Whereas I, NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Manohar Singh s/o
Shri S. Gurmukh Singh, r/o
Gadaipur, New Delhi.
Through General Attorney
Shri Santosh Kumar.

(Transferor)

(2) Mrs. Beena Chatwal w/o
Shri S. Surinder Pal Singh &
Shri S. Surinder Pal Singh s/o
late S. Durlabh Singh, r/o
D-292, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agri. land measuring 10 bighas and 3 biswas Kh. No. 291 (7-17), 539/1 (1-14), 539/2 (0-6), 539/3 (0-6), Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
DELHI/NEW DELHI

Date : 5-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/8-82/762.—
 Whereas I, NARINDAR SINGH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Agri. land situated at Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on August, 1983
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 28—66GI/83

(1) Shri Manohar Singh s/o
 Shri S. Gurmukh Singh, r/o
 Gadaipur, New Delhi,
 Through General Attorney
 Shri Santosh Kumar.

(Transferor)

(2) Mrs. Beena Chatwal w/o
 Shri S. Surinder Pal Singh &
 Shri S. Surinder Pal Singh s/o
 late S. Durlabh Singh, r/o
 D-292, Defence Colony,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agri. land measuring 10 bighas and 3 biswas Kh. No. 291 (7-17), 539/1 (1-14), 539/2 (0-6), 539/3 (0-6), with tube-well, boundary wall, village Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 DELHI/NEW DELHI

Date : 5-4-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-82/795.—

Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri-land situated at Vill. Tajpur pehlad Aali, Teh. Khand and Badarpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o
Sh. R. K. Das, r/o
17, Malcha Marg Market,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Paras Paper Products Private Ltd.,
through Sh. Vinod Kumar s/o
Sh. R. K. Das and
Smt. Sarad Bindu Gupta w/o
Sh. Vinod Kumar both r/o
17, Malcha Marg Market,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lease hold rights of land measuring 660.83 Sq. yds. Plot No. A-24, Block B-1, situated at Mohan Co-operative Industrial Estate Ltd., Vill. Tajpur Pehlad Aali, Teh. Khand and Badarpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
DELHI/NEW DELHI

Date : 5-4-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/802.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

MRS. MANJU MADHAVAN
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agricultural land situated at
Village Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rampat, Dharmu s/o Girdhari and
Ram Narain s/o Gulzari
R/o Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Luthra
W/o Shri N. L. Luthra
R/o 16, Siri Ram Road,
Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas Kh.
No. 1605, Village Rajokri Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri H. L. Sharma s/o Shri Gurdev Ram
R/o 4CC-A, Upper Anand Parbat,
Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Bushan Kumar Uppal
S/o Late Lala Mulk Raj Uppal,
C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/721.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. M-71, situated at
Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. M-71, Greater Kalash-II, New Delhi, Measuring
250 sq. yards (209.5 sq. mtrs.)

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) S. Jasbir Singh s/o S. Jiwan Singh,
R/o C-51-B, Kalkaji, New Delhi.
(Transferor)
- (2) S. Parkash Singh s/o Shri S. Bhan Singh
R/o S-359, Panch Sheela Park,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/724.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property bearing No. L-36,
situated at Kalkaji, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing No. L-36, Kalkaji, New Delhi measuring 380 sq yards.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shakuntala Bhatia
R/o Prem Sagar Building, 3rd Floor,
Linking Road, Khar Bombay.

(Transferor)

(2) S/Shri Kuldip Wahi, Harbans Wahi, Dinesh Wahi,
Sanjay Wahi, Manmohan Wahi, Sanjay Wahi (sons)
Savitri Devi
R/o Kannal Road, Jammu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/8-82/744.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. R-290 situated at Greater Kailash, Part I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1½ storeyed house No. R-290, Greater Kailash, Part-I, New Delhi. Area 208 Sq. yards. Covered area of GF 1314.35 Sq. Ft. Covered area of F.F. 878 Sq. Ft.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/764.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Agricultural land situated at
Village Sultanpur, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Amit Garg s/o Shiv Lal and
Sm. Krishna Garg w/o Shiv Lal
R/o M-7, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Bajrang Lal & Sons (HUF),
Through its karta
Subhash Chand Gupta,
C-9, C.C. Colony, Delhi;
Ram Niwas & sons (HUF),
Through karta
Ram Niwas Gupta
R/o C-1, CC Colony, Delhi and
Bhim Sain & Sons (HUF)
Through karta
Bhim Sain Gupta,
R/o B-5, C.C. Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 19 bighas and 11 biswas Kh.
No. 737 (4-16), 738 (4-16), 713 (416), 733/1 (3-16), 749
(0-12), 748 (0-16), with tube-well Hand-pump), village
Sultanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/765.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 86 situated at Pachmi Marg, Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Roshan Lal Butail
S/o Shri Badri Dass Butail
Through Mr. Bhagwant Singh,
Constituted Attorney,
86, Pachmi Marg, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Harbans Kaur,
86, Pachmi Marg, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

86, Pachmi Marg, Vasant Vihar, New Delhi. Total Area 983.25 Sq. Meters.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Mohinder Pa Addl. District Judge, Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Satish Chander s/o Ghansham Dass r/o
G-17/D, N.D.S.E., II, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/8-82/772.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. G-17/D, N.D.S.E.-II, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. G-17/D, N.D.S.E. II, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

29—66GI/83

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/773.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-17/E, N.D.S.E. II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohinder Pal Addl. District Judge, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Mahinder Kumar s/o Ram Dayal, R/o G-17/E, N.D.S.E. II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. G-17/E, N.D.S.E. II, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Gyasi s/o Birbal r/o Jonapur, New Delhi.
(Transferor)
(2) Shri P. K. Wadhwani s/o K. K. Wadhwani, r/o
2A, LIG Quarters Mayapuri, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/773.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri.-land situated at Village Jonapur, Teh. Mehrauli, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Agri.-land measuring 14 Bighas and 8 biswas M. No. 54,
killa No. 3 min (3-6), 4/1 Min (0-9), 7/2 (0-19), 8(4-16),
9(3-19), 11/2/1 (0-2), 12/1/1 (0-17), village Jonapur, Teh.
Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Sgnl.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Dina Banhu Gangulee s/o late Sh. Shama Charan Gangulee, G-1496, Chittaranjan Park, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shrimati Sadhna Gangulee w/o Shri Dina Bandhu Gangulee, M/s Sterling Apartments (P) Ltd., New Delhi House, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/782.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.T-4, Green Park Extension situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T-4, Green Park Extension, New Delhi, measuring 332 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Surinder Kumar s/o S. L. Kumar, Kewal Kumar s/o S. L. Kumar r/o 7/20, Punjabi Bagh, New Delhi and Smt. Sunita Malhotra w/o Sushil, Kumar Malhotra r/o D-1A, N.D.S.E. II, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s B. K. Builders, 2214, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi through its partner Bawa Sukhdev Singh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/807.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 11505, Ward No. XVI, Plot No. 1, Kh. No. 809/761
Block No. 9A W.E.A. Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
on August 1982.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

H. No. 11505, Ward No. XVI, Plot No. 1, Kh. No. 809/
761, mg. 233.67 sq. yds. block No. 9A W.E.A. Karol Bagh,
New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/818.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. B-115A, situated at Kalkaji, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Savitri Devi w/o Late Shri Harbans Lal r/o B-115A, Kalkaji, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kanwal Nain s/o Shri F. C. Bahl r/o A/431 Kalkajee, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-115A area 100 Sq. Yds. Kalkajee, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Bawa Shiv Charan Singh & Arun, Mohan, Advocates & Joint Receivers appointed by the High Court, Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s Old Village Industries Ltd., A-16, Naraina Industrial Area, New Delhi.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 1G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/830.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. A-65, situated at Friends Colony East, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

65-A, Friends Colony East, New Delhi (built up) 1732 sq. metre.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Deepak J. Jhaveri s/o Shri J. S. Jhaveri, W-88,
Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Sandeep J. Jhaveri s/o Shri J. S. Jhaveri, W-88,
Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/835.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 45/7, Block E situated at Okhala Industrial Area, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 45/7, Block E, Okhala Industrial Area, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983.
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/837.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 situated at Palam Marg, Vasant Vihar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Lt. Gen. Mohinder Singh Wadalia & Smt. Tara Wadalia (now known as Smt. Tara Spera) r/o Qutab Stud & Agricultural Farm, Qadaipur, Delhi, (Transferor)
- (2) Mr. Aroon Purie & Mrs. Rekha Purie, r/o A-1, Anand Niketan, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to, the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 6, on Palam Marg, Vasant Vihar, New Delhi-1960 Sq. Yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

30—66GI/83

Date : 11-4-1983,
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shambu Nath Kakar (2) Shri Vyas Chander
Kakar, r/o 41, Hanuman Road, Delhi.
(Transferor)

(2) M/s Paradies Construction and Estate Pvt. Ltd. M-1,
32-33, Kusul Bazar, Nehru Place, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/8-82/839.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Vacant Plot No. C-26, situated at Greater Kailash-I, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant plot No. C-26, Greater Kailash-I, New Delhi
measuring 500 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jagdev Chandra (Air CDR Retd.), s/o late Dr. K. C. Talwar r/o 37/15, Ulsoor Road, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Shri Anil Sarin s/o late Anant Ram, r/o 28, Siri Ram Road, Civil Lines, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/840.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. E-4, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on leasehold plot No. E-4, measuring 866.66 Sq. yds. Defence Colony, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Mr. K. Krishna Moorthy, W-607, 29th Cross ST, Indranagar, Madras-20.
(Transferee)
- (2) Mr. Qudrat Singh Sethi, A15/27 Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/842.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-45, situated at Gulmohar Park, D.U.J. Cooperative Society, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A 45, Gulmohar Park, Dug Coop. House Building Society, House built on 300 sq. yds. areas.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE; NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/843.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 231-D, 'B' Block, situated at Greater Kailash Part-
I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ishar Das Mehra s/o Shri Gopal Dass, r/o
House No. 686, Double Storey, New Rajinder
Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Sarin Mehra w/o Ramesh Mehra,
r/o B-231-D, 1st Floor, Greater Kailash-I, New
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
15 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Entire Second Floor flat on plot No. 231-D, 'B' Block,
Greater Kailash-I, New Delhi-48.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Leela Wati Sehgal C-165, Greater Kailash-I,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Vimla Kapur & Dr. Ramesh Kapoor, G-142,
Kalkaji, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/848.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S-135, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. S-135, Greater Kailash-II, New Delhi Area 300 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/849.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. F-1, situated at Kalindi Colony, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) S/Shri Vimal Parshad Gupta, Sri Nath Gupta, Jai Nath Gupta, Ashok Kumar Gupta, s/o Shri Kishan Das Smt. Ram Dulari w/o late Kishan Das 5902, Phatak Rashid Khan, Ballimarah, Delhi; Smt. Nirmal Gupta w/o Ved Parkash 80F, Kamla Nagar Delhi; Smt. Urimila Passi w/o Dr. Ramesh Kumar Passi 5902, Phatak Rashid Khan, Ballimarah Delhi & Madhu Rohatgi w/o Vichitre Rohatgi r/o Pocket B III 69B Lawrence Road Delhi & Kajni Rala Gupta d/o Kishan Das, M-3, Green Park Extn, New Delhi. (Transferor)
- (2) R. R. Medicare Services (P) Ltd., E-29, N.D.S.E.-II, New Delhi through Dr. P. R. Kucherla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. F-1, Kalindi Colony, New Delhi measuring 600 sq. yds. 500 sq. mtrs.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/854.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Basant Singh and Amrit Singh s/o Shri Hari Singh E-75 DDA Flats, Press Enclave, Saket, New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Satya Takyar w/o Shri A. R. Takyar r/o S-203, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 9, which is a portion of the Multi-storeyed Commercial building containing the cinema house, basement and number of shops at Greater Kailash-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
 GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
 C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/862.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3 on Second floor situated at MCD building, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Allumunium Impex, through its partners Shri Bhagwan Bansal & Shri Rama Shankar, s/o Shri Kanehiya Lal Bansal, r/o 1143, Kuncha Harjeet Mal, Delhi
 (Transferor)
- (2) M/s. Mehindra Ware Housing Corp., its partners (1) Shri Mahindra Kumar Goel s/o B. L. Goel (2) Mrs. Chandrakala Goel, w/o R. K. Goel (3) Mrs. Sita Goel w/o Raj Kumar Goel (4) Mrs. Saroj Goel, w/o C. D. Goel & (5) Mrs. Satya Bhama, Sharma w/o B. L. Sharma, all r/o P-8, New C.I.T. Road, Calcutta-73.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Flat No. 3 on second floor of MCD Building Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi measuring 648.62 sq. ft.

NARINDAR SINGH

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 31—66GI/83

Date : 11-4-1983
 Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Shri Amar Chand Jain (HUF), E-15/16, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Shribadrinath Investments Ltd., Stephen House, 4BBD Bagh (East), Calcutta-700001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR,
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-82/863.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. E-15/16, situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storied house on plot Nos. E-15/16, Kalindi Colony, New Delhi, Area of 400 Sq. yds. 3000 sq ft. approx. (GF), 2800 sq. ft. approx. (F.F.).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/864.—Whereas I,
NARINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Property No. R-215, situated at Greater Kailash,
Part-I, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Structure of second floor & Barsati with terraces, out of property No. R-215, Greater Kailash, Part-I, New Delhi.
Area measuring 208 Sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dato : 11-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Suraksha Vaid w/o Dr. Bal Raj vaid
Bara Jain Mandir, Baraut Distt., Meerut, U.P.
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Gopal Gupta s/o Shri Om Parkash
r/o B-9, Mansarovar Park, Shahdara, Delhi-32.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.IV/8-82/263.—Whereas I,
NARINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. 13, Block-S situated at Siqdarpur, Joyati
Nagar West Shahdara, Delhi-32
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 13, Block-S, area 230 Sq. Yds. Kh. No. 622/57,
149 Vill. Siqdarpur, Joyati Nagar West, Delhi, Shahdara,
Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.....

(1) Smt. Santosh Jain w/o Jatinder Kumar Jain
and Smt. Primila Jain w/o Abhey Kumar Jain r/o
C-1/13, Ashok Vihar-JI, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Mohinder Chand Jain s/o Chuttan Lal Jain
r/o 3341/3, Christina Colony, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-82/894.—Whereas I, NARINDER SNGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5023, Plot No. 719/46, Basti Reghar, situated at Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied house No. 5023, mg. 107 sq. yds. plot No. 719/46 Kh. No. 3299/719, Block 'S' Gali No. 3, Ward No. XVI, Basti Reghar, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-82/989.—Whereas I,
NARINDER SNGH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
 No. 7/18, situated at Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Anant Ram s/o Late Lal Kishori Lal r/o 43, Panchkuin Road, New Delhi and others. (Transferor)
- (2) N. D. Taneja (HUF) through karta Shri N. D. Taneja and Shri D. N. Taneja (HUF) through karta D. N. Taneja, 7, South Patel Nagar, Main Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. 7, Block No. 18, Municipal No. 10003/4 Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi, Mg. 240 s.q yds.

NARINDER SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983
 Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Asha Rani w/o Banarsi Lal
R/o C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi,
(Transferor)

(2) Mrs. Mira Brij Aghi w/o Brij Mohan Aghi
r/o B-2/58, Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-82/1005.—Whereas I, NARINDER SNGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-14, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. P-14, Mg.1/3rd of 311 sq. yds. Green Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-82/1048.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-3/28, 2-1/2 storeyed building situated at Safdarjang Development Residential Scheme, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Ram Lal Banerjee s/o L. Sh. Surinder Nath Banerjee r/o 18/12, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Leela Wanti w/o Late Shri Raja Ram Sethi r/o 9695 Nawab Ganj, Delhi & Shri R. K. Aggarwal s/o Late Shri Sita Ram Aggarwal r/o 58, Ashoka Park, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-3/28, 2-1/2 storeyed building, area 200 sq. yds. situated at Safdarjang Development Residential Scheme, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh Kumar, Smt. Ved Kumari,
both r/o B-3/48, Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Satish Khosla r/o A-1/230,
Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-82/1121.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, Block No. B-3 situated at Safdarjang Scheme, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—66GT/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 48, Block No. B-3 in Safdarjung Residential Scheme, New Delhi Area 332 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1983

Ref. No. AR-II/3397/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS Nos. 511 & 512, 2nd Hansa Lane situated at Santacruz

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) SR. MARY ANGELA GOMES,
SR. BERNADETTA PCSOL GOMES,
MRS. BRIDGET PEREIRA, MISS AGATHA
GOMES & JOSEPH RAYMOND GOMES.
(Transferor)
- (2) SANTACRUZ STERLING CO-OP. HOUSING
SOCIETY LTD.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 1075/81 and Registered with sub-Registrar, Bombay on 17-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1983

Ref. No. AR-II/3434/82-83.—Whereas I S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 1472-14K/E Ward situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-8-1982

z

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) MRS. NELLIE ISQUITTA, MR. LESLIE PETER MISQUITTA, MR. DONALD JOSEPH MISQUITA, MR. DONALD JOSEPH MISQUITA, MR. GUY FRANCIS MISQUITTA.

(Transferor)

(2) THE PARLE MEGH DOOT PREMISES CO. P.
SOCIETY LTD.

(Transferee)

(3) Name & Address of the Persons in Occupation of the Property :—

Flat 1 Mr. Kumar Subramanian
Flat 2 Mr. Bobby Marian Menczes & Mrs. Monti Maria Agnes Menczes
Flat 3 Mrs. Mathurabai Deshmukh
Flat 4 Mrs. Mabel Amit Pais, Mrs. Beatrice Pais and Mr. Amrit Salvadore Pais
Flat 5 Mrs. Vatsalabai Dattatray Bhakta
Flat 6 Mr. Hillary Albuquerque, Mrs. Clita Albuquerque, Mr. Philip Albuquerque
Flat 7 Mr. Isaac Anthony Gonsalves
Flat 8 Mr. Donald Joseph Misquita
Flat 9 Mr. Leslie Peter Misquita
Flat 10 Mr. Madhav Pandharinath Sathaye
Flat 11 Mr. Guy Francis Misquita
Flat 12 Mrs. Nellie Charles Misquita
Flat 13 Mr. Medathil K. Chacko
Flat 14 Mr. Velamkalathil C. Anthony

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as Registered in the Registered Deed No. 895/1979 and Registered with sub-Registrar, Bombay on 7-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1983

Ref. No. AR-II/3437/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot CTS No. E/664 of Bandra Div. situated at Khar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rizvi Builders (Transferor)
- (2) Rizvi Sadan Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Transferees (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1007/1981 and Registered with sub-Registrar, Bombay on 10-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1983

Ref. No. AR-II/3398/82-83.—Whereas, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

CTS. No. F/692, TPS-III situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 17-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Homai Shapur Modi, Mrs. Jeroo Erach Mistry, Erach Ardesir Mistry, Executors & Trustees of the Last will & Testament of Jehangir Hormusji, Aspi Sorabshaw Limbuwala, Sorabshaw Limbuwala, Rusi Framroze Libuwala, Kobad Framroze Limbuwala & Sarosh Framroze Limbuwala.

(Transferor)

(2) Rizvi Estate & Hotels Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) None other than Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered deed No. 1504/1981 and Registered with sub-Registrar, Bombay on 17-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1983

Ref. No. AR-II/3440/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City S. No. 544 & 544(1) to (9) situated at Vill. Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mr. Mahendra Bhagwandas and Deepak Ranjit Merchant.
(Transferor)
- (2) M/s. Vijay Company.
(Transferee)
- (3) M/s. Vijay Company.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S 545/79 and Registered with sub-Registrar, Bombay on 17-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Rumana D'Mello.

(Transferor)

(2) Javed Hasan, Chief Promoter of Gorgina Co-op. Housing Society.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1983

Ref. No. AR-II/3439/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 283, H. No. 3, CTS. No. 1283 situated at Danda Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 1775/81 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 12-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Zaibunnissa Haji Ismail of Bombay by
K. K. Kulkarni,
Registrar Bombay City Civil Court.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Anthony V. Frenandes, Daniel
Cutinho, Wilfred J. P. Serraot,
C. D. Commachen, Ors. Alice Nammam Babu.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1983

Ref. No. AR-II/3429/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 20, H. No. 1, CTS 4, Plot 2 situated at Orlam, Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as Registered in the Registered Deed No. S-537 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 19-2-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 12-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. ANANT P. SANGHVI &
Mrs. SHANTABEN P. SANGHVI.
(Transferor)
- (2) "YASHASVINI" BANK OF BARODA
EMPLOYEES CO-OP. HSG. SOC. LTD.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1983

Ref. No. AR-II/3371/82.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 85/86 Vasanji Lalji Road situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 2781/67-68 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 3-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date 12-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

33—66GL/83

FORM ITNS—

- (1) Govind Reghunath Parkar. (Transferor)
 (2) Akhtar Hasan Rizvi. (Transferee)
 (3) Some unauthorised persons. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th April 1983

Ref. No. AR II/3435/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Original Plot No. 10, Final Plot No. 58 of TPS V, CTS No. 87 & 87/1 to 87/16 situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-8-1982 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 1775/81 and Registered with Sub-Registrar Bombay on 7-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1983
 Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Shri Subhash Chander Sachdeva & Anil Kumar Sachdeva S/o Shri Gobind Ram
R/o B-3/9, Model Town, Delhi-9.
(Transferor)
- (2) Shri G. L. Seth S/o Shri Hari Chand Seth,
House No. 1026, Sector 37B, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 31st March 1983

Ref. No. CHD/126/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1280, situated at Sector 37B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1280, Sector 37B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 744 of August, 1982 of Sub Registrar, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 31-3-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th April 1983

Ref. No. CHD/133/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. H. No. 1623, Sector 36-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Mrs. Amar Kaur Rattan W/o Shri Harmegh Singh, H. No. 1275, Sector 21-A, Chandigarh through GPA Shri Joginder Singh S/o Shri Chanan Singh 24, Public Park, Sri Ganga Nagar, Rajasthan. GPA Shri Joginder Singh S/o Shri Chanan Singh, 24, Public Park, Sri Ganga Nagar, Rajasthan.
(Transferor)
- (2) Smt. Gursharan Kaur W/o Shri Ujjagar Singh,
(ii) Shri Devinder Singh,
(iii) Shri Navtej Singh S/o Shri Ujjagar Singh, R/o H. No. 84, Sector 11-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 1623, situated in Sector 36-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 781 of August, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-4-1983
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Dr. Avtar Singh S/o Shri Sobha Singh,
R/o 8, Rani Ka Bagh, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri R. L. Kukkar,
House No. 165, Sector 9B, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 4th April 1983

Ref. No. KHR/14/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 648, situated at Phase III-A Mohali, Teh. Kharar, Distt. Ropar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in August, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 648, Phase III-A, Mohali, Teh. Kharar Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2708 of August, 1982 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarla Devi W/o Shri Sham Kumar through her General Power of Attorney Shri Om Parkash Gupta S/o Shri Ram Jiwan Dass, R/o 1685, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ram Rattan Aggarwal S/o Shri Jagdish Rai, R/o House No. 406, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) M/s. Dashmesh Printing Press, Shri Sham Kumar Gupta, R/o House No. 1686, Sector 22B, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, 13th April 1983

Ref. No. CHD/115/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. 1686, situated at Sector 22-B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 1686/Sector 22B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 658 of August, 82 of the Registering Authority, Chandigarh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
 CENTRAL REVENUE BUILDING
 LUDHIANA

Ludhiana, the 13th April 1983

Ref. No. CHD/109/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. H. No. 411, Sector 20-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1982
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohan Singh S/o Shri Banta Singh, H. No. 411, Sector 20-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Lal Chand Aggarwal S/o Shri Parsna Ram, and Smt. Krishna Devi W/o Shri Lal Chand Aggarwal, R/o H. No. 411, Sector 20-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Shri Narinder Singh Shri Balwant, R/o H. No. 411, Sector 20-A, Chandigarh. (Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 411, situated in Sector 20-A, Chandigarh.
 (The property as mentioned in the Registered deed No. 631 of August, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1983
 Seal ?

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 31st March 1983

Ref. No. CHD/132/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 550, situated at Sector 20A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Champa Bai W/o Late Shri Goverdhan Dass, House No. 1685, Sector 22B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Randhir Kaur W/o S. Harbans Singh, and Shri Jasbir Singh S/o S. Lachman Singh, R/o 667, Sector 20A, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Harbans Singh,
2. Shri Brij Lal,
3. Shri Raghbir Chand,
4. Shri Harjot Singh,
All residents of H. No. 550, Sector 20A, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 550, Sector 20A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 777 of August, 1982 of Sub Registrar, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhian

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) S/Shri Mukandi Lal, Ganpat Rai, Kashmiri Lal and Banarsi Dass,
R/o S.F. No. 66, Grain Market, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Dev Wanti W/o Shri Bhagat Ram,
SCF No. 30, Sector 26 Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Shri Satish Kumar S/o Shri Kasturi Lal,
SCF No. 30, Sector 26 Chandigarh.
(Person in occupation of the Property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1983

Ref. No. CHD/138/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S.C.F. No. 30, situated at Sector 26, Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 30, Sec. 26 Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 797 of August, 1982 of Sub Registrar, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—66GI/83

Date : 8-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. A. B. Engg. Works,
G. T. Road, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Sagar Castings Private Limited,
322, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, 11th April 1983

Ref. No. LDH/85/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory Plot No. 322, (Area 1053½ sq. yds.) situated at Indl. Area-A Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Factory Plot measuring 1053½ sq. yds. (No. 322 R.) Ind. Area-A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 8049 of 1st August, 1982 of Sub Registrar, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri B. L. Pujara S/o Shri Jamna Dass,
XEN, Irrigation Lining Division, No. 4, Bhatinda.
(Transferor)

(2) S. Mehar Singh S/o S. Tara Singh,
R/o House No. 32, Sector 19A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1983

Ref. No. KHR/16/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 614C,
situated at Phase IIIA, Mohali, Distt. Ropar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 614C, Phase IIIA, Mohali (Teh. Kharar),
(The property as mentioned in the sale deed No. 2742 of August, 1982 of S. R. Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1983

Ref. No. CHD/134/82-83.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. SCO Plot No. 71, situated at Sector 47D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishan Chand S/o Prabh Dayal and Shri Kashmiri Lal S/o Shri Pala Ram, residents of House No. 313/21C, Chandigarh through their attorney Shri Salag Ram S/o Shri Jagat Ram, R/o 1110, Sector 33A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri I. J. Gandhi S/o Shri Labhu Ram, R/o V. Bilga, Distt. Jalandhar through his general attorney Shri Navneet Kumar Naroya S/o Shri O. P. Naroya, R/o H. No. 2582, Sector 19C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO Plot No. 71, Sector 47D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 783 of August, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 8-4-1983

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 15th April 1983

Ref. No. 17544.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Nungambakkam High Road situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1660/82) on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Rosy Tower
4 Khader Nawaz Khan Road,
Madras-6.
Madras-6.

(Transferee)

(2) P. J. Balu,
111; Mount Road, Madras-18,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 7, Nungambakkam High Road, Madras-34.
(Doc. 1660/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rosy Tower
4, Khader Nawaz Khan Road,
Madras-6.

(Transferor)

(2) T. Rajam,
43, CIT Colony, Shenoynagar,
Madras-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 15th April 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said prop... may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 17544.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, Nungambakkam High Road situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1661/82) on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at 7, Nungambakkam High Road, Madras-34.
(Doc. 1661/82)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1983
Seal :.

FORM I.T.N.S.—

- (1) Rosy Tower
4, Khader Nawaz Khan Road,
Madras-6.
(Transferor)
- (2) Valsa George
4, Khader Nawaz Khan Road,
Madras-6.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 15th April 1983

Ref. No. 17544.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Nungambakkam High Road situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1662/82) on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 7, Nungambakkam High Road, Madras-34.
(Doc. 1662/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 15-4-1983
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001**

Patna-800001, the 14th April 1983

Ref. No. III-700/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dhanbad Mouza No. 51, Ward No. 17, Portion of H. No. 71 and 72 and also being portion of Plot No. 755 and 756, Khata No. 38 situated at Near Bank Mor on Jharia Road, Distt. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 16-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sardar Surat Singh
S/o Late Sardar Asha Singh
C/o Sardar Mukhtar Singh,
R/o Sarojini Devi Lane, Lal Kuan,
Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Hari Krishna Agrawalla
S/o Late Dhanraj Agrawalla,
R/o Near Bank Mor, Jharia Road,
Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.186 Sq. Ft. with house situated near Bank Mor on Jharia Road, Dist. Dhanbad and more fully described in Deed No. 9881 dated 16-8-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bipin Kumar Budhia
S/o Sri Basudeo Prasad Budhia,
R/o Suresh Babu Street,
P.S. Kotwali, Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Kala Devi Somani
W/o Sri Nand Lal Somani,
R/o Dinbandhu Street,
P.S. Kotwali, Dist. Ranchi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 15th April 1983

Ref. No. III-698/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 1375 (old), 2260 (New), Ward No. II, M.S. Plot No. 1437 situated at Bhuiyan Toli, Off Harmu Distr. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Kathas 2 Chatak 22 Sq. Fts with house situated at Bhuiyan Toli, off Harmu Road, Dist. Ranchi and more fully described in Deed No. 7268 dated 10-8-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—
35—66GI/83

Date : 15-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 14th April 1983

Ref. No. III-715/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBLEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.S. Plot No. 83, 85 (Part), Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 20, Old Holding No. 175B situated at Frazer Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Shalla Sultan Plant
W/o Mr. Austin Jude Plant
R/o Frazer Road, P.S. Kotwali, Patna
At Present 35 Hill Cart Road, P.S. and Dist.
Darjeeling (West Bengal).

(Transferor)

(2) Smt. Pratibha Singh
W/o Late Kunwar Prem Raj Singh
R/o Village and P.S. Seohara Dist. Bijnor (U.P.)
At Present—2 Hailey Road, New Delhi and also
New Dak Bungalow Road, P.S. Kotwali,
Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Dhurs more or less with double storied Single storied and other structures situated at Frazer Road, P.S. Kotwali, Patna Dist. Patna more fully described in Deed No. 7781 dated 19-8-1982 registered with D.S.P. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 14th April 1983

Ref. No. III-717/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 12 Plot No. 62, Block B situated at Rajendra Nagar, Road No. 8B, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Mrigendra Samaddar
S/o Late Makhan Lal Samaddar
Mohalla + P.S. Kadamkua,
Town Patna, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash Agarwal
S/o Shri Narsing Das,
Rajendra Nagar, Road No. 8-B,
Near the clinic of Dr. Urmilla Modi,
P.S. Kadamkua,
Town Patna, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 548.1 Sq. yards with building situated at Mohalla Rajendra Nagar, Road No. 8-B, P.S. Kadamkua, Town Patna, Dis. Patna and more fully described in Deed No. 7776 dated 19-8-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sardar Surat Singh
S/o Late Sardar Asha Singh
C/o Sardar Mukhtar Singh,
R/o Sarojini Devi Lane, Lal Kuan,
Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Kumar Agrawalla
S/o Late Dhanraj Agrawalla,
R/o Near Bank Mor, Jharia Road,
Dist. Dhanbad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 14th April 1983

Ref. No. III-709/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dhanbad Mouza No. 51, Ward No. 17, Portion of H. No. 71 and 72 and also being portion of Plot No. 760 and 766, Khata No. 38 situated at Near Bank Mor on Jharia Road, Dist. Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhanbad on 16-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,232 Sq. Ft. with house situated near Bank Mor on Jharia Road, Dist. Dhanbad and more fully described in Deed No. 9881 dated 16-8-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date : 14.4.1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 14th April 1983

Ref. No. III-699/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. Dhanbad Mouza No. 51, Ward No. 17, Portion of H. No. 71 and 72 and also being portion of Plot No. 755 and 756, Khata No. 38 situated at Near Bank Mor on Jharia Road, District Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 16-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Surat Singh
S/o Late Sardar Asha Singh
C/o Sardar Mukhtar Singh,
R/o Sarojini Devi Lane, Lal Kuan,
Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Ram Autar Agrawalla
S/o Late Dhanraj Agrawalla,
R/o Near Bank Mor, Jharia Road,
Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,221 Sq. Ft. with house situated near Bank Mor on Jharia Road, Dist. Dhanbad and more fully described in Deed No. 9881 dated 16-8-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 15th April 1983

Ref. No. III-708/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. 60 and 54, Survey Thana No. 7 situated at Boring Canal Road, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Bani Dey,
2. Smt. Jayashree Roy
3. Sri Debasish Dey,
All R/o 22/5/2, Rustamjee Street,
P.S. Ballygunje, Calcutta.

(2) Shri D. Narain Rai
S/o Sri M. Prasad Rai,
R/o Boring Canal Road,
Patna-1.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha approximately with house situated at Boring Canal Road, Dist. Patna and more fully described in Deed No. 6969 dated 11-8-1982 registered with Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1983
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 15th April 1983

Ref. No. III-712/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.S. Plot No. 1181 (Sub-Plot No. 1181/A), H. No. 640, Ward No. II situated at Harmu Road, P.S. Kotwali, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 31-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Jyotsna Prova Mitra
W/o Late S. N. Mitra
Resident of Dinbandhu Lane, Upper Bazar,
Dist. Ranchi.
2. Sri Prakash Chandra Mitra
S/o Late S. N. Mitra
Resident of Dinbandhu Lane, Upper Bazar,
Dist. Ranchi.
3. Sri Provash Chandra Mitra
S/o Late S. N. Mitra
Resident of Dinbandhu Lane, Upper Bazar,
Dist. Ranchi.
4. Sri Prabir Chandra Mitra,
S/o Late S. N. Mitra
Resident of Dinbandhu Lane, Upper Bazar,
Dist. Ranchi.

5. Smt. Namita Mitra
W/o Sri Pratap Chandra Mitra,
for self and as mother of minors
Pranab, Archana & Anjana
Resident of Dinbandhu Lane, Upper Bazar,
Dist. Ranchi.
6. Smt. Bithi Mitra
W/o Sri Pratul Chandra Mitra,
for self and as mother of minors
Joyita and Prasenjit,
Resident of Dinbandhu Lane, Upper Bazar,
Dist. Ranchi.
7. Smt. Sheela Devi Sharma
W/o Harinath Sharma,
R/o Khokha Toli, Hinoo, Ranchi.
8. Smt. Babila Bal
W/o Sri Pradip Bal,
R/o Block A/7, Flat 7, Kalindi Housing Estate,
Kaliadoba, Calcutta-700055.
Through their constituted attorney
Sri Shyamal Sinha,
R/o 46/A, Bose Para Lane,
Calcutta-700003.
9. Smt. Chhabi Sinha
W/o Sri Shyamal Sinha,
R/o 46/A, Bose Para Lane,
Calcutta-700003.
Through their constituted attorney
Sri Shyamal Sinha,
R/o 46/A, Bose Para Lane,
Calcutta-700003.
10. Smt. Sumita Bose
D/o Sri A. K. Bose,
R/o 166, Upper Circular Road,
Calcutta-700004.
Through their constituted attorney
Sri Shyamal Sinha,
R/o 46/A, Bose Para Lane,
Calcutta-700003.

(Transferors)

- (2) M/s. Supreme Roadways Limited,
Through its Manager and Constituted Agent,
Sri Shyamal Gupta S/o Late Maya Ram Gupta,
R/o Harit Bhawan, Harmu Road,
Dist. Ranchi.

(Transerors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 5 Chatak with house situated at Harmu Road, P.S. Kotwali, Dist. Ranchi and morefully described in Deed No. 7669 dated 31-8-1982 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date : 15-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 14th April 1983

Ref. No. III-703 /Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Deed No. 9884 dated 16-8-1982 situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 16-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Puranlal Chawda
S/o Sri V. G. Chawda,
Managing Trustee,
For Ghallabhai Vidyotak Mandal,
R/o Katras Road, Dist. Dhanbad.
(Transferor)
- (2) Shri Sanjay Singh
S/o Sri Ram Bahadur Singh,
C/o Usha Talkies, P.O. Sharla,
Dist. Dhanbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist. Dhanbad and more fully described in Deed No. 9884 dated 16-8-1982 registered with D.S.R. Dhanbad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Puranlal Chawda S/o Sri V. G. Chawda,
Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak
Mandal, R/o Katras Road, Dist-Dhanbad.
(Transferor)
- (2) Sh. Surendra Singh S/o Sri Ram Bahadur Singh,
C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Dist-Dhanbad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800 001, the 14th April 1983

Ref. No. III-702 / Acq / 83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

As per deed No. 9883 dated 16-8-82
situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dhanbad on 16-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with house situated near Bank Mor
on Katras Road, Dist-Dhanbad and more fully described in
deed No. 9883 dated 16-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
36—66GI/83

Date : 14-4-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
Patna-800001, the 15th April 1983

Ref. No. III-711/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing MS. Plot No. 1181 (Sub-Plot No. 1181/A), H. No. 641, Ward No. II situated at Harmu Road, P.S.—Kotwali, Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 16-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Kali Krishna Mitra S/o Late Suresh Chandra Mitra, R/o-56, Circular Road, P.S.—Lalpur, Dist-Ranchi. (Transferor)
- (2) M/s Supreme Roadways Limited, Through its Manager and Constituted Agent, Sri Shyamal Gupta S/o Late Maya Ram Gupta, R/O Harit Bhawan, Harmu Road, Dist-Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I and measuring 6 Kathas 5 Chatak with house situated at Harmu Road, P.S.—Kotwali, Dist Ranchi and morefully described in deed No. 7356 dated 16-8-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-83
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Sashi Prabha Prasad W/o Sh. Janardhan
Prasad Village Fatehpur, P.S. Silao, Dist.
Nalanda at Present residing at Mohalla
Chitragupta Nagar, P.S. Kankarbagh, P.O.G. P.O.
Dist-Patna.
(Transferor)
- (2) Dr. Gopal Prasad Sinha S/o Sri Naval Lal Sinha of
North S.K. Puri, P.S. Srikrishnapuri, P.O.G.P.O.
Dist-Patna.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 15th April 1983

Ref. No. III-719/Acq./83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and
bearing Plot No. 924 Khata No. 213,
Tauzi No. 5587, Survey Thana No. 11 (Fulwari)
situated at Village Khespura, Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patna on 13-8-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 3 Katha with building situated at Khespura, Patna and
more fully described in Deed No. 7592 dated 13-8-82 registered
with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date 15-4-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 14th April 1983

Ref. No. III-704/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per deed No. 9885 dated 16-8-82 situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 16-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Puran Lal Chawda S/o Sri V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotak Mandal, R/o Katras Road, Dist-Dhanbad. (Transferor)
- (2) Smt. Jayanti Devi W/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O.—Jharia, Dist-Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad and more fully described in deed No. 9885 dated 16-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad

P. K. DUBHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-4-83
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800 001, the 14th April 1983

Ref. No. III-707/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per deed No. 9888 dated 16-8-83 situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 16-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Purnlal Chawda S/o Sri V. G. Chawda Managing Trustee, For Shree Ghallabhai Vidyotajak Mandal, R/o—Katras Road, Dist-Dhanbad.

(Transferor)

(2) Sh. Madho Singh S/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O.—Jbaria, Dist-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad and more fully described in deed No. 9888 dated 16-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 14-4-83
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800 001, the 15th April 1983

Ref. No. III-722/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 568 & 549, Khata No. 138.
Tauzi No. 27/815C, Survey Thana No. 3 (Fulwari),
Ward No. 34 Circle No. 249,
situated at Mainpura, Town, Patna Dist. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Patna on 7-8-82,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Bimal Nandan Prasad S/o Sri Ram Nandan
Prasad Mohalla Naya Tola, P.S. Purbahore,
Dist. Patna. At Present Airodome Office,
Bombay Air Port, Bombay-99.
(Transferor)
- (2) Smt. Merra Singh D/o Late Ram Chandra Prasad
Singh Village & P.O. Manjholia Estate, Sitamarhi.
At Present Mohalla North Srikrishnapuri,
P.S. Srikrishnapuri, Dist. Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha with building situated in Mohalla-
Mainpura, Town-Patna, Dist. Patna more fully described in deed
No. 7415 dated 7-8-82 registered with D.S.R. Patna.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following
persons, namely :—

Date : 15-4-83
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 15th April 1983

Ref. No. III-718/Acq/83-84.—Whereas I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 12, Plot No. 62, Block-B situated at Rajendra Nagar, Road No. 8—B, Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 21-8-82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Mrigendra Samaddar S/o Late Mukhn Lal Samaddar Mohalla + P.S. Kadamkua, Town, Patna, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Sh. Surendra Kumar Agarwal S/o Sh. Narsing Das Rajendra Nagar, Road No. 8-B, Near the clinic of Dr. Urmila Modi, P.S. Kadamkua, Town-Patna, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 137½ sqr. yard with building situated at Mohalla Rajendra Nagar, Road No. 8B, P.S. Kadamkua, Town-Patna, Dist. Patna and more fully described in deed No. 7817 dated 21-8-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-4-83

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 15th April 1983

Ref. No. III-720/Acq/83-84.—Whereas I,

P. K. DUBEY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Holding No. 745 Touzi No. 6107, Ward-A, Zamabandi No. 48, Khesra No. 258 (old), 220 (new) and Survey Khesra No. 2382 (old), 2394 (new); situated at Lallu Pokhar, P.O. & P.S. Munger, Dist. Munger (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.S.R. Munger, on 31-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Ashwani Kumar Mishra, 2. Sri Saroj Kumar Mishra, S/o Late Sri Banarsi Prasad Mishra, 3. Sri Sudhir Kr. Mishra, S/o Sri Ashwani Kumar Mishra, At Bari Bazar, P.O. Munger, P.S. Munger, Distt. Munger.
 (Transferor)
- (2) Sh. Dilip Paswan, S/o Sri Ram Pravesh Paswan, 2. Sri Ram Pravesh Paswan, S/o Late Sri Prayag Paswan, Mohalla, Lallu Pokhar, P.O. & P.S. Munger, Distt. Munger.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha, 2 Katha and 4½ Dhur situated at Mohalla Lallu Pokhar, P.O./P.S. Munger, Distt. Munger and more fully described in Deed No. 5780, dated 31-8-82 registered with D.S.R. Munger.

P. K. DUBEY,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-4-83
 Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 14th April 1983

Ref. No. III-716/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.S. Plot No. 83, 85, Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 20, Old Holding No. 175 B situated at Frazer Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 18-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Mrs. Shalla Sultan Plant W/o Mr. Austin Jude Plant R/o Frazer Road, P.S. Kotwali, Town, Patna Dist. Patna. At present 35 Hill Cart Road, P.S. & Dist. Darjeeling (West Bengal). (Transferor)
- (2) Smt. Pratibha Singh W/o Late Kunwar Prem Raj Singh Village-Seohara, Dist. Bijnor (U.P.) At present. 2 Hailey Road New Delhi and also New Dak Bungalow Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Dhurs with building situated at Frazer Road, P.S. Kotwali Town Patna. Dist-Patna more fully described in Deed No. 7730 dated 18-8-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 14-4-83

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—66GI/83

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 14th April 1983

Ref. No. III-705/Acq/83-84.—Whereas, I,
P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A.s per deed No. 9886 dated 16-8-82
situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 16-8-82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Puran Lal Chawla S/o Sri V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotak Mandal, R/o Katras Road, Dist—Dhanbad. (Transferor)
- (2) Sh. Sadhu Singh S/o Sri Jang Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O.—Jharia, Dist-Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 9886 dated 16-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-83
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Bimal Nandan Prasad S/o Sh. Ram Nandan Prasad Mohalla—Naya Tola, P.S. Pirbahore, Dist. Patna. At Present Airdome Officer, Bombay Air Port, Bombay-99.

(2) Sh. Nageshwar Prasad Singh S/o Sh. Ganga Prasad Singh Village—Singarahi P.S. Bathnaha Dist. Sitamarhi At Present—S.K. Puri, P.S. S.K. Puri, Dist. Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 15th April 1983

Ref. No. III-721/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 568 and 549, Khata No. 138, Touzi No. 27/815C Survey Thana No. 3 (Fulwari) Ward No. 34, Circle No. 249 situated at Mainpura Town, Patna, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Katha with building situated in Mohalla Mainpura, Town-Patna Dist. Patna morefully described in deed No. 7416 dated 7-8-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-83
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sardar Surat Singh S/o Late Sardar Asha Singh C/o Sardar Mukhtar Singh, R/o Sarojini Devi Lane, Lal Kuan, Lucknow.

(Transferor)

(2) Sh. Rajendra Prasad Agrawalla S/o Late Dhanraj Agrawalla R/o Near Bank Mor, Jharia Road, Dist-Dhanbad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 14th April 1983

Ref. No. III-710/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dhanbad Mouza No. 51, Ward No. 17, Portion of H. No. 71 & 72 and also being Portion of Plot No. 759 & 760, Khata No. 38 situated at Near Bank Mor on Jharia Road, Dist-Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 2-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 2,247 Sq. Ft. with house situated near Bank Mor on Jharia Road, Dist-Dhanbad and more fully described in deed No. 9476 dated 2-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-4-83

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 14th April 1983

Ref. No. III-714/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, Sheet No. 20, Old Holding No. 175 B (Part) situated at Frazer Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 16-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Mrs. Shalla Sultan Plant W/o Mr. Austin Jude Plant R/o Frazer Road, P.S. Kotwali, Patna. At Present 35 Mill Cart Road, P.S. & Dist. Darjeeling (West Bengal). (Transferor)
- (2) Smt. Jotsna Singh W/o Shri Akhileshwar Prasad Narain Singh of New Dak Bungalow Road, P.S. Kotwali, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 12½ Dhurs with building situated at Frazer Road, P.S. Kotwali, Patna, Dist. Patna more fully described in deed No. 7657 dated 16-8-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-83
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Meher Rohinton Shafurji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Mohan Goldwater Breweries Ltd., Dalganj,
Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. M-151/Acq.—Whereas I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land 20 bighas of Plot No. 517 situated at Vill. Makhdoompur, Kaithi, Parg Bijnor Teh. & Distt. Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanlalganj, Lucknow on 4-8-1982,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 20 bighas of plot No. 517 Minjumla which is the southern meet portion of plot No. 517 Minjumla, situated in Vill. Makhdoompur, Kaithi, Pargana-Bijnor, Tehsil & Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 810/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Mohanlalganj, Lucknow, on 4-8-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Naja Ratan Kharas.

(Transferor)

(2) M/s Mohan Goldwater Breweries Ltd., Daliganj,
Lucknow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th April 1983

G.I.R. No. M-152/Acq.—Whereas I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Plot Nos. 789/1, 784/1 & 673/3 situated at Vill.
 Makhdoompur Kaithi, Parg. Bijnor, Teh. & Distt. Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanlalganj, Lucknow, on 4-8-1982
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 20 bighas (4 bighas of Minjumla Plot No. 789/1, 10 bighas of plot No. 784/1 and 6 bighas of Minjumla Plot No. 673/3 situated in Vill. Makhdoompur Kaithi, Pargana-Bijnor, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in sale deed and form 37G No. 812/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Mohanlalganj, Lucknow, on 4-8-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983
 Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th April 1983

G.I.R. No. M-153/Acq.—Whereas I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15 Bighas of Plot No. 517 situated at Vill.
Makhdoompur Kaithi, Pargana-Bijnor, Teh. & Distt.
Lucknow.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mohanlalganj, Lucknow on 4-8-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Rebeocca Singh.

(Transferor)

(2) M/s Mohan Goldwater Breweries Ltd., Daliganj, Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 15 bighas of plot No. 517 Minjumla lying to the north portion of part of plot No. 517, situated in Village—Makhdoompur Kaithi, Pargana-Bijnor, Tehsil & District—Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 813/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Mohanlalganj, Lucknow, on 4-8-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Cyrus Ratan Kharas.

(Transferor)

(2) M/s Mohan Goldwater Breweries Ltd., Daliganj,
Lucknow. ;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th April 1983

G.I.R. No. M-154/Acq.—Whereas I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot Nos. 673/3, 661/6 & 533/1 situated at Vill.
Makhdoompur Kaithi, Parg. Bijnor, Teh & Distt, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanlalganj, Lucknow on 4-8-1982,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 20 bighas (14 bighas of Plot No. 673/3, 3 bighas of Plot No. 661/6 and 3 bighas of Plot No. 533/1) including a tubewell and other construction on the land, situated in village-Makhdoompur Kaithi, Pargana-Bijnor, Tehsil & Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 811/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Mohanlalganj, Lucknow, on 4-8-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

38—66GI/83

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Shyam Sunder Lal.

(Transferor)

(2) M/s Pratap Manufacturers Pvt. Ltd., Gorakhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th April 1983

G.I.R. No. P-102/Acq.—Whereas I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Mohalla-Daudpur, Gorakhpur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 10-8-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 3899.13 sq. ft. situated in Mohalla—Daudpur, Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3771/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur on 10-8-1982,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. G. Sadasivayya, & others, Pedakakani, Guntur.
 2. P. Surayya & others, Pedakakani, Guntur.
 3. I. Kotayya, & others, Pedakakani, Guntur.
 4. K. Pundarikashudu, Pedakakani, Guntur.
 5. M. K. Chowdary
 6. V. Samayya, do
 7. V. Sambavya, do
 8. D. Sankararao do

(Transferor)

- (2) The Jaya Co-op. House Building Society,
 Pothuruvari Tota, Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 1/83-94.—Whereas, I
 M. JEGAN MOHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. Vacant land situated at Padakakani, Guntur,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Guntur in August 1982,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of
 the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Pedakakani, Guntur, Registered with S.R.O.
 Guntur.

S. No.	D/s.	Area in A C	Document. No.
1. 497	.	1—20	8427
2. 497	.	3—74	7772
3. 495	.	1—00	7771
4. 495	.	0—35 1/2	8191
5. 497	.	2—33	8439
6. 491-B	.	0—52	7726 1892
7. 491-B	.	0—33 1/2	7725
8. 491-B	.	0—52	8190
9. 491-B	.	1—02	8395
10. 491	.	1—00	7621
11. 497	.	1—08	8394

M. JEGAN MOHAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 5-4-1983
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 2/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 155 situated at Atmakur Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. K. Lurdoo, 1st Ward Mangalagiri, Guntur, G.P.A. for T. Nagabhushanam.
2. Apparao,
3. Satyanarayana, Mangalagiri Guntur.
(Transferor)
- (2) The Dioces of Guntur Society, President Sri K. Mariadas, Guntur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land in D. No. 155, of Atmakur, Guntur, area of Ac-2.00, registered with S.R.O., Guntur, vide document Nos, 3903, 3957/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 3/83-84.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 99/2/5/B situated at Uppugonduru, Ongole,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ammanabrolu in August 1982,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Thummati Rambhotlu, S/o Rangaiah, Madhiralapad, and A. Krishnamurthy, S/o Sri Kailas, Uppugonduru.
 (Transferor)
- (2) Sri Ramalingeswara Agro Processing Pvt., Ltd., Uppugonduru, Ongole Dt.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Uppugonduru, Ongole Dt., area of 6-12 Cents, in Dnos, 89/3B/2, 3D/3, 3B/4, 3C/2, 3D, 99/2B/5, 2B/6, 2B/7, 71/1, 2, 92/B, A, registered with S.R.O. Ammanabrolu, vide document Nos. 2165, 2164/82.

M. JEGAN MOHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. Raghavendraran, Narasimharao, & Rajasekhar Rao Eastern Street, Eluru.
(Transferor)

(2) Smt. M. Srilaxmi W/o Venkata Subbarao
Ramachandraraopeta, Eluru.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 4/83-84.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
T.S. 177 situated at Eluru,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Eluru on August 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land in T.S. No. 1771, Eluru, area of 21-82-1/2
Sq. yds. registered with S.R.O., Eluru, vide document No.
6546/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M. Kasivisweswara Rao, S/o Suryanarayananmurthy,
Kakinada
(Transferor)
- (2) M/s. Vijaya Tobaccos, by Sri Y. N. S. Prasad,
Mangalagiri, Road, Guntur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 5/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1951/1 situated at Kakinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on August' 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land in T. S. No. 1965/1, Ward No. 2, Block No. 1620, area of Ac. 4-73 Cents, registered with S. R. O., Kakinada, vide document No. 8343/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC 6/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Please see overleaf, situated at Jaggamma garipeta, Samar lakota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samarlakota on August'82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. B. Srinivasarao,
 Bhimavaram, Kakinada
 2. B. S. R. S. Prakasaraao,
 Bhimavaram, Kakinada
 3. B. Ramamohanarao,
 Bhimavaram, Kakinada
 4. BPM, Rao,
 Bhimavaram, Kakinada
 5. Smt. B. Sitayamma,
 Bhimavaram, Kakinada
 6. S. Suryalaxmi W/o Krishnan Rao,
 Kaguvada
 T. P. Gudem, W.G.

2. M/s. Deccan Sugars & Abkari Company Ltd.,
 Samarlakota. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Jaggannagari Peta, Samarlakota, registered with S.R.O. Samarlakota, MONO Matter

S. No.	D No.	Area in A Cents.	Deocument No.
1.	110/1	2—00	2385/82
2.	110/2	2—00	2419/82
3.	110/1 & 2	1—50	2387/82
4.	110/1	1—50,	2388/82
5.	110/1	1—50	2389/82
6.	110/1	1—50	2386/82
7.	110/1	1—50	2390/82

M. JEGAN MOHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITN3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 7/83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Pl See overleaf situated at Kokkiravilanka, Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on August' 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—66GI/83

- (1) 1. M. China Ganiraju, Atreyapuram,
2.P. Bhaskaraju Matlapalem, Narsapuram,
3. Krishnakumari, Kokkiravilanka, Eluru,
4. V. Satyanarayananaraju, Madepatnam, Eluru,
5. Satyanarayananaraju, Mahadevapatnam.
(Transferor)
- (2) M/s. Vimmi Food, And Agro Engineering Pvt. Ltd,
Eluru.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period is later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Kokkiravilanka, Eluru, registered with S.R.O., Eluru.

S. No.	D. Nos.	Area in A—C	Deocuments No
1. 174	.	15—00	6111/82
2. 176, 180 to 187	.	15—00	6110/82
3. 190 to 195	.	7—97	6493/82
4. 163, 167 &	.	26—38	6831/82
5. 168	.	8—00	6526/28

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Manasa Enterprises, Kakinada

(Transferor)

(2) D. Krishnaredi, S/o Chandrareddi, Kakinada

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 8/83-ITNS. I,
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. 1595 situated at Kakinada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on August' 82

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site in T.S. No. 1595/82, area of 1620 Sq. yds, registered with S. R. O. Kakinada, vide document No. 7756/82..

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 9/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-B-5-3 situated at Eluru
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Eluru on August 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. T. Mohan Rao, S/o. Venkanna, Powerpetta,
Eluru

2. T. Yesutamardhara Rao Powerpetta, Eluru

3. T. Rukumarmma Powerpetta, Eluru

4. T. Jagadishwar Rao Powerpetta, Eluru

Transferor(s)

(2) M/s. Bharat Motor Parcel Service,
M.P. Sri T. Viswas wararao, S/o.
Narayananmurthy, Powerpetta, Eluru.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning is given

THE SCHEDULE

House property bearing door No. 22-B-5-3, Konukonala-
vari Street, Power peta, Eluru registered with S.R.O., Eluru,
vide documents Nos. 6663/82, 6662/82, 6629/82, 6628/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 5-4-1983

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Amritlal Karmar & Others, Hill Patna, Barampuram Tq, Ganjam Dt, Orissa.
(Transferor)
- (2) K. Narsimulu, Murrandi, Barham pur Tq. Ganjam Dt., Orissa.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd March 1983

Ref. No. RAC. No. 10/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 15/5, 239/1 & 240 Betaulapuram, Mandasa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mandasa on August' 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Betaulapuram, Mandasa Tq., in D. No.
15/5, 239/1, & 240, area of Ac. 46-88 Cents, registered
with S. R. O. Mandasa, vide document No. 1354/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) D. Suryanarayana, S/o Late Logiraju, Pendurthy & his 5 sons, Vizag.
(Transferor)
- (2) M/s. Magnare Electrodes, Pvt. Ltd.
M. D. Sri C. Chandrasekhararao,
Pendurthy, Vizag Tq.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 5th May 1983

Ref. No. RAC No. 11/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 198/3 & 4 situated at Pendurthi Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on August' 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are, defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Pendurthy Village, near Vizag, in S. No. 198/3, & 198/4, area of Ac. 3-23., Cents, registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 8006/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-5-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) P.V. Subbarao, S/o. Sobhanadhri, Vijayawada.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. C. Sriram, S/o C. S. Sastri, Madras;
2. C. Kamakshi, do;
(Transferee)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983Ref. No. RAC. No. 12/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Asst. No. 268 situated at Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on August' 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at Chandramoulinagar Ward, No. 29, NTS. 133, Block. No. 6 Asst. No. 268, area of 545 3/21 Sq. yds. First floor, Vijayawada registered with S. R. O., Vijayawada, vide documents Nos. 8760, 8761/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) Amritelala Karman Chowhan, & others, Hill patna, Berhampur, Orissa,
Transferor(s)
(2) L. Lokajahan, S/o Berhampur, Orissa.
Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 13/83 84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 88/1,239/1 situated at Betaula puram, Mandasa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mandasa on August 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Betaula puram, area of 38-53 Cents, in S. No. 88/1, 239/1, registered with S. R. O. Mandasa, vide document No. 1355/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. A. Raghava Ramakrishna,
2. A. Sitara,
3. A. Laxmi, 1, 2, 3, being minors represented by
Executor, appointed by HC Madras in O. P.
No. 546/79, dt. 7-1-80.

(Transferor)

- (2) 1. N. Cenkateswarlu, 2. P. Venkaterama, 3. N.
Lalitha Prasad, 4. K. Satynarayana Residents of
Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC No. 14/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 39-2-11 situated at Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on August 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House property bearing door No. 39-2-11, Vijayawada,
area about 3900 sq yds, site with A.C. sheets roof house etc.
in NTS No. 509 510, 511, Municipal ward No. 28, Rev.
ward No. 10, Block, No. 21 bearing Asst. No. 25979, registered
with S. R. O. Vijayawada vide document No. 9626/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) D. Ahalya Devi, W/o Srechari Rao, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferor)

(2) Ch. Alivelumangamma, W/o Satyanarayana, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref No. RAC No. 15/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39-8-36-C situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on August' 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House property D.No. 39-8-36-C, Vijayawada, area of 243-5/9, Sq. yds, with first floor, buliding etc, in NTS. No. 456, Rev. Ward. No. 10, Block. No. 25889, Part door. No. 39-8-36-C, part of Vijayawada, town registered with S. R. O. Vijayawada, vide document No. 9256/82.

M. JAGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—66GI/83

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) D. Abulyadevi W/o Sreeharirao, Labbipeta,
Vijayawada-10

(Transferor)

(2) G. Nagarathumma, W/o Veera Raghaviah, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref No. RAC. No. 16/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39-8-36-C situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing door No. 39-8-36-C, Vijayawada, area of 354—7/9 Sq. yds, registered with S. R. O. Vijayawada, vide document No. 9257/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. V. Annapurn amma, 2. V. Srivasudevasivaprasad,
3. V. Krishnayya, 4. V. Umamaheswararao,
5. V. Nagabbhushanam, Patamata, Vijayawada
(Transferor)
- (2) The Madhavi Co-op. Building Society Ltd. No. G—
2775, represented by Sri Chintakayala, Narayanarao,
S/o Satyanarayana, Vijayawada.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 17/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. RS 38/2A situated at Patamata Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering
Officer at Vijayawada on August 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 38/2A, of patamata, Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide documents Nos. 8662/82, 8664/82, 8663/82, 8831/82, area of AC-1-88 Cents.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE.

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC 18/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. RS No. 9/2, situated at Yanda Vizag.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Vizagon August 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) S. Appanna, S/o Dharmayya, Rushikonda, Yandada,
Vizag.
M. Appanna, S/o Chandrayya, Rushikonda
Vizag. (Transferor)

(2) Sri Kroshna Co-op. House Building Society Ltd.,
No. B. 1624, Represented by its Secretary Sri R.
Suryanarayana, S/o Dogaih Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land at Yanda of Vizag, Tq. in R. S. No. 9/9, and Patta No. 124, and S. No. 9/3, Patta No. 111, area of AC 1-05 Cents registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 8706/82, 7811/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 19/83-84.—Whereas, I, M. Jegan Mohan

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacantsite situated at Kasimkota Anakapalli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on August '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) K. Visweswara Rao, S/o Varahanarasimham, alias, Apparao, Kasimkota, Anakapalli, Taluk.
(Transferee)
- (2) The Vizia Co-op House Building Society, Ltd. No. B. 1811, Vizag.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site at Vizag Dt, Vizag Municipal Corporation Limits, Allipuram Extension Ward, TS Nos., 538/6, and 538/7 registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 8377/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 20/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 38/2 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on August 82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. V. K. Bhushanam, Patamata, Vijayawada
2. V. Mahabbushanam -do- -do-
3. V. V. Basavayya, -do- -do-
4. V. Nagabhushanam, Patamata, Vijayawada, 5V.
Ramasababu,
6. Ch. Surajyalaxmidevi -do- -do-
7. Ch. Rao -do- do-
8. V. Chandrasekhararao -do- -do-
(Transferor)
(2) Sree Rama Co-op. Building Society, Limited, No.
H. 634, Durga Agraharam, Eluru Road, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land in R. S. No. 38/2, of Patamata, Vijayawada registered with S. R. O. Vijayawada.

S. No.	Area in Document A-C	No.
1.	0-54	8638
2.	0-18	8644
3.	0-54	8746
4.	0-18	8641
5.	0-18	8642
6.	0-52	8645
7.	0-52	8619
8.	0-52	8701
9.	0-51	8745
10.	0-52	8586
11.	018	8643
12.	0-18	8639
13.	018	8640

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. P. Appayyamma, Yendada, Vizag.
 2. G. A. Narasamma, Yendada, Vizag.
 3. K. K. S. Achary, Yendada, Vizag.
 4. K. Gurumurthy, Gnanapuram, Vizag.
 (Transferor)
 (2) The Santhniketan Co-op. House Building Society,
 Regd. No. B. 1859, Vizag.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 21/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. RS No. 116 situated at Yendada Vizag
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Vizag on August' 82.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Yendada of Vizag in R. S. No. 116, regis-
tered with S.R.O., Vizag.

THE SCHEDULE

S. D. No. No.	Area of land A—C	Document No.
1. 116/4A	0—35	8073
116/2B	0—58	"
2. 116/4B	0—38	8072
2. 116/12A	0—57	"
3. 116/7	0—59	8447
116/8	0—61	"
4. 116/6	1—03	8071

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,**

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 22/83-84.—Whereas, J.
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 11-17-1 situated at Gunadala Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on August' 82
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) A. Chandrasekhara Reedy, S/o Sri A. Ramanareddy
Vijayawada.
(Transferor)
- (2) 1. P. Ramesh, S/o. Koteswara Rao, Labbipet,
Vijayawada.
2. P. Satishbabu, S/o. Koteswararao,
Labbipeta, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDEULE

House property D. No. 11-17-1, Gunadala, Vijayawada, area
of 385+364.4 Sq. yds. H. No. 11-171) Srinivasanagar, Gun-
adala Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, vide docu-
ment Nos. 8990, 8991/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri E. Suraj Mohan, S/o Sivamurthy,
Siddardhanagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri A. Ramasastrulu, S/o Seshayya, Veleru.
Nuzivid, Krishnā Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 23/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31-2-10/5 situated at Machilipatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on August'82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property D. No. 31-2-10/5, Machilipatnam, area of 900 Sq. yds, registered with S.R.O., Machilipatnam, vide document No. 3223/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act against the persons, namely :—
41—66GI/83

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. S. K. A. R. S. M. Ramanadhan Chettiar,
2. S. P. S. Mayyeppam, Devokottai, Ramanadhan-
puram, Tamilnadu.

(Transferor)

(2) 1. N. V. V. Satyanarayana,
2. S. V. V. K. Parvatalu,
Aryapuram, Rajahmundry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad (A.P.), the 5th April 1983

Ref. No. RAC. No. 24/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-11-97 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on August'82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property D. No. 12-11-97, Aryapuram, Rajahmundry, area of 2350 Sq. yds. registered with S.R.O. Rajahmundry, vide document No. 5331/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 25/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 11/372 situated at Vijayawada
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering
Officer at Vijayawada on August, 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of :—

- (1) 1. A. V. Subbaiah,
2. A. Sankara Rao,
3. A. Sumathi, W/o. Sankarrao,
Tobacco Merchants, Mangalagiri,

(Transferor)

- (2) 1. M. Apparao,
2. M. Jaganneban Prasad,
Vijayadurga Jewellers, Sivalayam Street,
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

House property at Vijayawada, D. No. 11/372, area of
115 Sq. yds., upstair building R.C.C. Roof, registered with
S.R.O., Vijayawada, documents Nos. 9376, 9377/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref No. RAC No. 26/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Pl. see baol situated at Kurmannapalem, Vizag. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag, on August '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. G. Ramulu, Duvvada, Vizag, 2. Debayya, Vizag, 3. A. Nagamani Vizag, 4. B. Nookalu, Sabavaram, 5. T. Subbalakshmi, Vizag, 6. K. Chittibabu Chowdary, Vizag.

(Transferor)

(2) The Mathrusee Co-op. House Building Society, Reg. No. B. 1751, D. No. 27-11-14, Spring Road, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Kurmannalalem, of Vadlapudi, Panchayat of Vizag registered with S.R.O., Vizag.
S. No. Area of land A.C. Document No. S. No.

1. 3-00 8268/82 35/8
2. 2-53 8269/82 (35/8, 35/6,7)
3. 3-30 8270/82 (31/1, & 35/3)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

(1) P. Sanakar Rao S/o Laxmanaswami, Sankata-peta, Chinnavedhlim Vizianagaram.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vizianagaram Non-Gazetted Employees Co-op. Building Society, V. R. No. 218, Vizianagaram.
(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983.

Ref. No. RAC 27/83-84.—Whereas, I

M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 54, 67/1 to 3 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizianagaram on August '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Dharmapuri of Vizianagaram in R.S. No. 54, and 67/1 to 3 area of 3-92 Cents, registered with S.R.O. Vizianagaram. vide documents No. 3854, 3855/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref No. RAC 28/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-
after referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immoveable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. RS No. 71/2 situated at Vizianagaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vizianagaram on August '82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. M. Adinarayana, Nagojipalem, VZM
 2. M. Appalanarasamma, Nagojipalem, VZM
 3. K. Narayanasimma, Nagojipalem, VZM
 4. M. Narayanaswami, Nagojipalem, VZM
 5. M. Apparao, Nagojipalem, VZM
 (Transferor)

- (2) The Krishna Co-op. House Building Society, Ltd.
Vizinagaram. (Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R. S. No. 71/2, of Vizianagaram, registered with S. R. O. Vizianagaram,
Area in A. C. Document No.

Area in A. C. Document No.	
0-33	3593
0-33	2822
0-33	3821
0-33	3592
0-33	3594

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority

Date : 5-4-1983.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s Shanti Construction, 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Kumari Reshma Bai, H. No. 1149, Nallagutta, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC No. 59/83-84.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. No. 11-5-266/4/10 (Flat No. 14) situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Garage in M. No. 11-5-266/4/10 (F. No. 14) Ground floor, at Red Hills, Hyderabad admeasuring 400 sft plinth area registered with the S.R.O. Khairatabad vide document No. 3930/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref No. RAC No. 60/83-84.—Whereas I
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 11-5-266/4/10 (Flat No. 15) situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Shanti Construction, 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Kumari Rayeesa Bai, H. No. 1149, Nallagutta, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Garage in M. No. 11-5-266/4/10 (F. No. 15) Ground floor, at Red Hills, Hyderabad admeasuring 400 sq. ft. plinth area registered with the S.R.O. Khairatabad vide document No. 5929/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) M/s Shanti Construction, 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Master Abdul Khader, 1149, Nallagutta, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref No. RAC 61/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. M. No. 11-5-266/4/10 (Flat No. 13) situated at Red Hills, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August '82,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as prevail in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Garage in M. No. 11-5-266/4/10 F. No. 13) Ground floor at Red Hills, Hyderabad measuring 400 sft plinth area registered with S.R.O., Khairatabad vide document No. 5928/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
42—66GI/83

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Shanti Construction, 11-5-266/4, Red Hills Hyderabad.
(Transferee)
- (2) Sri Syad Zafarul Hassan, 11-6-862/1, Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 4th April 1983

Ref No. RAC 62/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. No. 11-5-266/4/10 (Flat No. 12) situated at Red Hills, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 11-5-266/4/12 (F. No. 304) 3rd floor, at Red Hills, Hyderabad admeasuring 1200 sft plinth area registered with the S.R.O., Khairatabad vide document No. 5938 '82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1983
Seal t

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Shanti Constructions, 11-5 266/4 Red Hills,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Budhavararam Rajalah, H. No. 11-5-266/418, Red
Hills, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, A.P.

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. RAC. No. 63/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. M. No. 11-5-266/4/10 (Flat No. 204,
situated at Red Hills, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in August, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sixteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 11-5-266/4/10 (F. No. 204) 2nd floor, at Red Hills, Hyderabad admeasuring 1200 sft plinth area registered with the S.R.O., Khairatabad vide document No. 5939/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri M. A. Waheed, H. No. 11-5-12/A, Red Hills,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, A.P.

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. RAC No. 64/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 11-5-266/4/10 (Flat No. 302) situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

A flat in M. No. 11-5-266/4/10 (F. No. 302) 3rd floor, at Red Hills, Hyderabad admeasuring 1060 sft plinth area registered with the S.R.O., Khairatabad, vide document No. 5936/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills,
Hyderabad. (Transferor)
(2) Sri Mohd Shafiq Khan, 10-2-285, Shantinagar,
Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, A.P..

Hyderabad, the 4th April 1983

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. RAC. No. 65/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 11-5-266/4/10 Red Hills, Hyderabad situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 11-5-266/4/10 (F. No. —) floor at Red Hills, Hyderabad admeasuring 1030 sft plinth area registered with the S.R.O., Khairatabad vide document No. 5937/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Mirza Hassan Ali Baig, 6-3-866/2, Begumpet,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, A.P
Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. RAC. No. 66/83-84.—Whereas,
M JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. M. No. 11-5-266/4/10 (Flat No—)
situated at Red Hills Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Khairatabad in August, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the 'Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 11-5-266/4/10 (F.No.—) —Floor, at
Red Hills, Hyderabad admeasuring 1060 sft plinth area registered
with the S.R.O., Khairatabad vide document No. 5935/
82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-4-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Asi Bai, 1149 Nallagutta, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, A.P.

Hyderabad. the 4th April 1983

Ref. RAC. No. 67/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. M. No. 11-5-266/4/15 (Flat No. —)
situated at Red Hills Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering officer
at Khairatabad in August, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 11-5-266/4/15 (F. No. —ground floor),
at Red Hills, Hyderabad admeasuring 400 Sft plinth area
registered with the S.R.O., Khairatabad vide document No.
5931/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Ameenabai, H. No. 2-3-280, Ramgopalpet,
Secunderabad.
(Transforee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD, A.P.

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 68/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. No. 11-5-266/4/3 (Flat No.) situated at Red hills, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 11-5-266/4/3 (F. No.) floor, at Red Hills, Hyderabad admeasuring 1060 sft. plinth area registered with the S.R.O. Khairatabad vide document No. 5932/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD, A.P.

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 69/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Red Hills, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Abid Ali Naseerabadi, 11-5-266/4/11, Red Hills Hyderabad, A.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 11-5-266/4/11 (F. No.) floor, at Red Hills, Hyderabad admeasuring 1060 sft. plinth area registered with the S.R.O. Khairatabad vide document No. 5934/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely :—
43—66GI/83

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Sri Madhusudan Maduri,
H. No. 10-2-276/5, Marredpally, Hyderabad,
(Transferor)
(2) Sri K. Suri Babu, H. No. 1-1-385/6, Gandhinagar,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD, A.P.

Hyderabad, the 2nd April 1983

RAC No. 70/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-674/2, situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land with a portion of old structure admeasuring 1080 sq. yds, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5790/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 2-4-1983
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD, A.P.

Hyderabad, the 2nd April 1983

Ref. No. RAC No. 71/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-703/3 situated at Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Lakshmi Ranga Murthy & Others,
H. No. 10-4-771/16, Masab Tank, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri P. Devender Reddy,
H. No. 8-2-703/3, Road No. 12, Banjara Hills,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1578/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1983
Scal :

FORM ITNS

(1) Sri Sadanand Singh & 4 Others,
Mathwada, Warangal.

(Transferor)

(2) Sri Narayanlal Gupta, and Manojlal Gupta,
11-2-910, Bazar Ghat, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD, A.P.

Hyderabad, the 2nd April 1983

Ref. No. RAC No. 72/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-2-620, 4-2-615 to 618 situated at Ramkot, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed and land in M. No. 4-2-620 and 4-2-615 to 618 situated at Ramkote, Hyderabad land area 811 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6014/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1983
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) C.B.S.I. Society for Medical Education,
St. John's Medical College, Bangalore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. Saila Reddy, Plot No. 55,
Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd April 1983

RAC. No. 73/83-84.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-596 situated at Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-2-596 'Durga Nivas' Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5924/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 2-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Haichem Ltd.,
No. 8-3-903/4/7, Nagarjunanagar Colony,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Asian Metal Builders & Containers
Pvt. Ltd., B-40, Industrial Estate,
Sanathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd April 1983

RAC No. 74/83-84.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. B-40 Industrial Estate, situated at Sanathnagar, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this market in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shed No. B-40, Sanathnagar, Hyderabad area 2778 sq. yds.
registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6273/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Srinivasa Builders
1-2-593/4A Gaganmahal,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lalit Katoch,
8-2-697/11
Road No. 12 Banjara Hills,
Hyderabad-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th April 1983

Ref. No. RAC 75/83-84.—Whereas, I P
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 803 situated at 6-3-1187 Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vallabhnagar in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat in 8th floor of Srinivasa Builders, Begumpet, Hyderabad bearing M. No. 6-3-1187, area 1350 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar, vide document No. 1407/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 76/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. No. 205 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s Srinivasa Builders, Rep. by Sri G. Sreenivasulu Reddy, H. No. 1-2-593/4A, Gaganmahal, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. K. Lavanya, 28, Srinagar Colony, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 205 in "Srinivasa Towers A" Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar, vide document No. 1666/82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th April 1983

RAC No. 77/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. Shop 15 situated at Ranigunj Secunderabad,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Hyderabad in August 1982,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of :—

- (1) M/s Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92, M. G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Mohd. Azizulla,
 12-2-837 Mehdipatnam,
 Hyderabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 15 in Ground Floor in the building known as A1-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 165 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 5854/82.

M. JEGAN MOHAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 44—66GI/83

Date : 10-4-1983
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Kabra & Co.
2-2-132 to 139 M.G. Road
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Master Sandeep Kumar Agarwal,
1-8-303/12/3 Sindhi Colony
Penderghast road,
Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th April 1983

Ref. No. RAC 78/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 30 situated at M.G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 30 in Ground floor of Kabra complex M.G. Road Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 611/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-4-1983
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s C.S. Wires Pvt. Ltd. Rep. by Director,
Sri S. K. Tyagi, 90/B, Jeedimetla, Hyderabad.
(Transferor)

(2) M/s S.K.B. Steel & Allied Industries,
Partner Sunil Mithal, Mandi Gurdaspur,
Punjab.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

Ref. RAC No. 80/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 8 situated at M.G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 8 in M/s Kabra Complex bearing M. No. 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad admeasuring 300 sft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 625/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Kabra & Co., Rep. by Partner,
Sri S. Prabhakar, Reddy, 2-2-132 to 139,
M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Subba Raju, 6-3-347/15, Dwarakapuri
Colony, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

RAC No. 80/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop No. 28 situated at M.G. Road, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad in August 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 28 ground floor at Kabra Complex, M.G. Road,
Secunderabad admcausing 260 sft. registered by the S.R.O.,
Secunderabad vide document No. 648/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. B. Saradamma, 12/788, Anantapur.

(Transferor)

(2) Sri M. Chinna Pullappa & Others,
Sanjeevapuram village, Bharamavaram Tq.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

RAC No. 81/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 4, TS. No. 2141/1 situated at Anantapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anantapur in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Anantapur admeasuring 240 sq. yds. plinth area 2160 sq ft., registered by the S.R.O., Anantapur vide document No. 6855/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri T. Ramakrishna Reddy,
Macha Bolaram village, R.R. Dt.
(Transferor)
- (2) M/s Vaishu Engineering Industries Pvt. Ltd.,
6-8, Samrat Complex, Opp. A.G.'s Office,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

RAC No. 82/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 158 situated at Bilaram village, Narsapur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 158 in Sri Venkateswara Industrial Co-operative Society, Bolaram village, Narsapur Tq., Medak Dt., ad-measuring 4 acres 22 guntas registered by the S.R.O., Narsapur vide document No. 1320/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sri. A. Ramachandra Reddy and Others,
H. No. 3-4-526/2/1, Barkatpura, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Geetha Srinivasan, w/o V. Srinivasan,
R/o 1-1-711/A, Gandhinagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1983

RAC. No. 83/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the
'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
No. 3-4-526/2 situated at Barkatpura, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in August 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 1100 sft. in M. No. 3-4-526/2, Barkatpura, Hyderabad, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6249/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th April 1983

Ref. No. RAC 84/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-7&8 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Banjara Construction Co.
78, Shanthinagar,
Hyderabad.

(2) Mr. Mirza Azizul Qader Baig
S/o Mizra Wala qader Baig
3-6-182/A Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A 7&8 First floor Banjara Gardens at Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad area 1304 sqft. registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 1786/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Syed Sajjad Mehdhi & others
8-2-413 Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Meera Sales Private Ltd.
16A Asaf Ali Road,
New Delhi
and Mrs Meera Mehra & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th April 1983

Ref. No. RAC 85/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 8-2-413 situated at Road No. 4 Banjara Hills
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at

Hyderabad on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land with sheds, structures and Bldg known as Banjara
Bhavan M. No. 8-2-413 Road No. 4 Banjara Hills, Hyder-
abad area 3930 sq. yards registered with Sub-registrar Hydera-
bad vide Doc. No. 6017/82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
45—6601/83

Date : 10-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Umakaran Tejkaran
1-10-179/206 Begumpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Asghar Ali Khan
Flat No. 204 M.C.H. No. 1-10-196/208
Ajanta Apts, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th April 1983

Ref. No. RAC 86/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat 204 situated at Ajanta Apts Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 204 at MCH No. 1-10-196/208 at Begumpet, Hyderabad registered with Sub-Registrar Vallabhnagar vide Doc. No. 15877/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Umakaran & Tejkaran,
1-10-179/206, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Narayana Kutty and Others,
3-6-69/4/21, Bashirbagh,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 87/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
F. No. 201 situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on August, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in M. No. 1-10-196/208, Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1530/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1983!
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 5th April 1983

Ref No. RAC No. 88/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. No. 203 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Uma Karan & Tejkaran,
Jainti Place,
1-10-179/206, Begumpet,
Hyderabad-500016.

(2) Sri Abdul Ali Osmani,
H. No. 16-9-751,
Malakpet Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 203, in Jainti Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1000 sft. registered by the S.R.O. Vallabhnagar vide document No. 1529/82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Uma Karan Tej Karan,
Jainti Place,
1-10-179/206, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. T. Shamla,
F. No. 101, M. No. 1-10-196/208,
Begumpet,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 29/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No.

F. No. 101 situated at Begumpet, Hyderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer, at
Vallabhnagar on August, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in Jainti Apartments at Begumpet, Hyderabad ad-
measuring 1000 sft, registered by the S.R.O., Vallabhnagar,
Vide document No. 1218/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 5-4-1983!
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s UMa Karan & Tejkaran
Jainti Place,
1-10-179/206, Begumpet,
Hyderabad-500 016.

(Transferor)

(2) Smt. Shakeela Banu Mirza
F. No. 502
M. No. 1-10-179/206, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 5th April 1983

Ref. No. RAC No. 90/83-84.—Whereas, I
M. JEGAN MOHANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act' have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-
and bearingF. No. 502 situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vallabhnagar on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
which period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502 at 1-10-196/208, Begumpet, Hyderabad ad-
measuring 1000 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar
vide document No. 1240/82.M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistance Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 5-4-1983!
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri Ajay Raj Naidu & others
1-8-702/89/1 Nallankunta,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) M/s Satya Sai Co-operative Housing Society Ltd.
6-3-841/1 Ameerpet,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th April 1983

Ref. No. RAC 91/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 172/6 situated at Hydernagar Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. Dt on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agl. land S. No. 172/6 Hydernagar village R. R. Dt registered with S.R.O. R.R.D. tvide Doc. No. 6893/82 (total area 4Ac, 39 guntas).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Aange, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Badam Apartments
8-2-402 Road No. 5,
Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Asha Kumar
Opp. Govt. Dispensary
Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th April 1983

Ref. No. RAC 92/83-84.—Whereas, I,
M. JAGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat 1 situated at Badam Apts Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on August, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1 floor No. 1 Badam Apartments Somajiguda,
Hyderabad area 900sq. ft. registered with Sub-Registrar
Hyderabad vide Doc. No. 6165/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th April 1983

Ref. No. RAC 93/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3 situated at Badam Apts., Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
46—66GT/83

(1) M/s Badam Apartments
8-2-402 Road No. 5,
Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vijayakumar
S/o Late Rao Digambar Prasad
Charminar East, Shivaraj Bahadur Road,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Floor No. II in Badam Apartments Somajiguda, Hyderabad area 900 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 6147/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-4-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Fareeda Osman Ahmed
3-5-901 Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mirza Farhathullah Baig
H. No. 10-3-14/B/1 Humayunagar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th April 1983

Ref. No. RAC No. 94/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 3 in S. No. 129/39 at Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad area 833 sq. yards registered with Sub-Registrar, Khairatabad vide Doc. No. 1649/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th April 1983

Ref No. RAC No. 95/83-84.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-12/1 situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri R. Vithal Reddy
3-6-168/7 Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Ratna Reddy
W/o B. Vithal Reddy
3-6-168/7 Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 6-2-12/1 Saifabad, Hyderabad 2 & 3rd floors area 2080 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 5828/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ved Parkash S/o
Shri Kali Ram, R/o
Pehowa.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar S/o
Shri Gur Charan Dass,
Truck Owner, House No. 402/1,
Partap Gate, Kaithal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. Colony

Rohtak, the 18th April 1983

Ref. No. KTL/10/82-83.—Whereas I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot 101 Sq. Yds. 1 Sq. Feet, situated at Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in Aug. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Plot 101 Sq. Yds. 1 Sq. Feet Babu Road, Kaithal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1835 dated 25-8-1982 with the Sub-Registrar, Kaithal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-4-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-662016

Cochin, the 14th March 1983

Ref. L. C. 617/82-83.—Whereas J. V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 19-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kunjunjamma W/o
Sri Jacob Kontodikkal,
Vakathanam, Kottayam.

(Transferor)

(2) Sri Koshi Philip S/o
Sri Wattassery Koshi Philip,
Mallappally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.205 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 2752 dated 19-8-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-3-1983
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-662016

Cochin, the 14th March 1983

Ref. L. C. 623/82-83.—Whereas I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 19-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kunjunjamma W/o Sri Jacob Koniadikkal, Vakathanam, Kottayam.

(Transféror)

(2) 1. Sri P. J. Augustine,
2. Smt. Annamma,
3. Sri Thomas,
4. Sri Jacob,
'13/1285, Junior Janatha Road,
Vyttila, Cochin-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

5.205 cents of land with a flat as per schedule attached to Doc. No. 2753 dated 19-8-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-3-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-662016

Cochin, the 14th April 1983

Ref. L. C. 628/83-84.—Whereas I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 23-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Zainaba,
Valiya Veetil,
Krishnaswami Road,
Karithala, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Sri Ainiikkal Parameswaran,
XLVI/4783, S. R. M. Road,
Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

4.719 cents of land with a building as per schedule attached to Doc. No. 2786 dt. 23-8-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Thayyil Chandradasan S/o
Shri Bappu,
Grocery Merchant,
Near Chinmaya Mission High School,
Kottooli, Calicut-16.

(Transferor)

(2) Sri M. T. Thomas S/o
Sri Kora Thomas,
T. T. Plywoods,
M. M. Road, Calicut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-662016

Cochin, the 14th April 1983

Ref. L. C. No 627/83-84.—Whereas I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kottooli, Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 23-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

6.24 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 957/82 dated 23-8-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR,
COCHIN-662016

Cochin, the 14th April 1983

Ref. I. C. No. 626/83-84.—Whereas I. V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Kottooli, Calicut
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calicut on 16-8-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47—66GI/83

(1) Sri Thayyil Chandradasan,
Grocery Merchant,
Near Chinmaya Mission High School,
Kottooli, Calicut-16.

(2) Sri Kochu Thomas,
T. T. Plywoods,
M. M. Road, Calicut.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.24 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 927/82 dated 16-8-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-4-1983
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th March 1983

Notice No. 535/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. M. 12-7-67 situated at Industrial area, near Goshala, Rajendra Gunj, Raichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raichur under documents No. 773/82-83 on 16-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Srinivas Industries (Rice Mill),
Represented by Partner
Shri R. Veeranna S/o
Sri Aralappa,
Raichur.

(Transferor)

(2) M/s. Murthy Industries,
Represented by
Shri Mylapur Laxminarayan S/o
Shri Mylapur Subramaniam,
Raichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 773/83, dated 16-8-1982).
Plot No. M. 12-7-67 measuring 350' X 143' situated at Industrial area, Near Goshala, Rajendra Gunj, Raichur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1983
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th April 1983

C. R. No. 62/552/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83/1, 15-25-6-32, 14-14 Agrl. Land of 15 acres 25 guntas, situated at Chechadi Village in Basevana Bagewadi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basevana Bagewadi, under Doc. No. 573 on 16-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Dondiba Nana Saheb,
2. Shri Shyamti,
3. Shri Vishnu S/o Dondiba Nana Saheb
No. 2-3, Basevana Bagewadi,
Bijapur.
(Transferor)
- (2) Basappa Lakshmappa Masute,
Basevana Bagewadi Post,
Bijapur Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 573 dated 16-8-1982)
All that property No. 83/1, 15-25-6-32, 14-14, situated at Basevana Bagewadi Post Bijapur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX**
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th March 1983

C. R. No. 62/538/82-83.—Whereas, I,
 MRS. MANJU MADHAVAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
 bearing CTS No. 3597/5, situated at Unkal, Hubli,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering officer at
 Hubli, under document No.-1378/82-83 on 22-9-1982
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (1) Shri Dhanpal R. Angadi, R/o
 Vidyanager, Hubli.
 (Transferor)
 (2) M/s. United Builders,
 12/1 Club Road,
 Deshpandenagar,
 Hubli by its PAHs,
 1. Capt. D. V. Koppikar, R/o
 22, Puranderwadi,
 Gokhale Road, North,
 Dadar West, Bombay-28,
 2. H. R. Bekal, R/o
 12/1, Club Road,
 Deshpandenagar,
 Hubli-20.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publications of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1378/82-83. Dated 22-9-82).
 Garage, Plinth and Open land bearing CTS. No. 3597/5,
 Situated at Unkal, Hubli.

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, BANGALORE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely:—

Date : 15-3-1983
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th March 1983

C. R. No. 62/537/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS. No. 3597/4 situated at Unkal, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 1377/82-83 on 22-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tavanappa R. Angadi, Vijayanagar, Hubli.
(Transferor)
- (2) M/s. United Builders, 12/1 Club Road, Deshpandenagar, Hubli by its PAHs.,
 - (1) Capt. Dilip Vimalanand Koppikar, 22, Purandarwade, Gokhale Road, North Dadar West, Bombay-28,
 - (2) Shri Harish Rao, Bekal, 12/1 Club Road, Deshpandenagar, Hubli-20.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1377/82-83 dated 22-9-1982]
Open land bearing CTS. No. 3597/4 situated at Unkal, Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-3-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Basavanneppa Channabasappa Kelageri,
R/o Devikoppa Kalabhatagi, TQ.
(Transferor)
- (2) Shri Mohammed Isuff Abdul Kareem Maniyar,
Hardware Merchants, Simpi Galli, Hubli.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th March 1983

C. R. No. 62/525/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing R. S. No. 9/2 CTS. No. 2075 situated at Ayodhya Village, Hubli, TQ.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 1376 on 21-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1376/82-83 dated 21-9-1982).
Property situated in Ward 5, Ayodhya Village, Hubli Taluka Bearing R.S. No. 9/2 CTS. No. 2075.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Shankar Kumanna Gadakari,
Mali Galli, H. No. 2610-A, Belgaum.
(Transferor)
- (2) Shri Ganapati Balappa Vernekar,
Mali Galli, H. No. 2610-A, Belgaum.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th March 1983

C. R. No. 62/533/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 2610A & 2610B situated at Mali Galli Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 2081/82-83 on 25-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2081/82-83 dated 25-9-1982)
Property bearing R.S. No. 2610A & 2610B situated at Mali Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th March 1983

C.R. No. 62/527/82-83-ACQ/B.—Whereas, I,
MRS. MANJU MADHAVAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
CTS. No. 3818 situated at Vidyanagar, Hubli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (11
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hubli, under document No. 1255 on 2-9-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vinayak Nagesh Kulkarni,
Contractor, Shyamavada Navalgund,
Hubli TQ.

(Transferor)

(2) Shri Anantha Mahadeva Rao Rashinkar,
Rtd. Tehsildar, Magaji Kondi Chawl,
P. Road, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1255/82-83. Dated 2-9-1982.)
The property, bearing CTS. No. 3818 situated in Vidya-
nagar, Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-3-1983
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri S. Ramakrishnaiah,
S/o Soor Govindappa Setty.
Ward No. 5, Hospet.

(Transferor)

(2) Shri S. Madanlal Borat,
Main Bazar, Hospet.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th March 1983

C. R. No. 62/534/82-83/ACQ/B.—Whereas, I,
MRS. MANJU MADHAVAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. D. No. 333 & 334 situated at 5th Ward, Hospet,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hospet under document No. 700/82-83 on 15-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 700/82-83 dated 15-9-1982)

Open plot with basement and a godown situated in 5th
Ward Hospet Door No. 333 & 334.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-3-1983

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri S. Rama Setty S/o Somanna.
 (2) Shri S. R. Druvakumar S/o S. Rama Setty,
 R/o B. T. Galli, Davanagere.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri A. M. Suryanarayana Setty,
 S/o A. Mahabaleshwarappa,
 R/o Mandi Pet, Davanagere.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th March 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. C.R. No. 62/539/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 755 situated at IV Ward, VI Divn. Vijalaxmi Road, Davanagere. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere, under document No. 4664/82-83 on 4-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4664/82-83 dated 4-12-1982.)
Commercial Property bearing Door No. 755 situated in IV Ward, VI Division Vijalaxmi Road, Davanagere.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1983
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. C. Manjunath,
Gandhi Nagar, Challakere.
(Transferor)

(2) Shri N. Jayanna, Gandhi Nagar, Challakere.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 21st February 1983

Ref. No. C.R. No. 541/82-83/8-8/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 11 situated at Pavagad Road Challakere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Challakere under document No. 582/82 83 on 5-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 582/82-83 dated 5-8-1982.)
The property bearing R. S. No. 11, Mun. Khata No. 3739 and 3739A situated on Pavagad Road of Challakere.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-2-1983
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th April 1983

C.R. No. 62/551/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 220 situated at Yalasu, J. J. Hovli, Hiriyur TQ (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hiriyur under document No. 706 on 10-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri H. K. Jalalaxamma,
W/o B. R. Gowda
Hiriyur.

(Transferor)

(2) Shri D. Siddesh,
S/o Mattajauavar Paponna,
Hosayalasu P.O.
Hiriyur TQ.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 706 Dated 10-8-82]
All that property S. No. 220 situated at Golasu J. J. Hovli, Hiriyur TQ.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 12-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) J. E. C. Vas and Others,
Residents of Chickmagalur.

(Transferor)

(2) M/s. Bagamagiri Estates,
R/o the Pamtwes Shi
S. C. Dhamamraja M. S. Kamath,
Ganesh Enterprises,
Rotary Circle, M. G. Road,
Chickmagalur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th April 1983

C.R. No. 62/550/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 169/1, 169/3, 170 and 237 situated at Pandavavalli village, Chickmagalur TQ, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chickmagalur under Document No. 811 on 20-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) J. E. C. Vas and Others,
Residents of Chickmagalur.(2) M/s. Bagamagiri Estates,
R/o the Pamtwes Shi
S. C. Dhamamraja M. S. Kamath,
Ganesh Enterprises,
Rotary Circle, M. G. Road,
Chickmagalur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 811 Dated 20-8-82]
All that property S. Nos. 169/1, 169/3, 170 and 237 of Pandavavalli village, Chickmagalur TQ.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 12-4-1983
Seal :

FORM ITNS

(1) N. Basavaraj,
Vedigangali Village,
Javagal Hovli,
Arsikere TQ.

(Transferor)

(2) Shri M. D. Puttaswamy,
Mawimhally village,
Kosava Hovli,
Chickmagalur TQ.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th April 1983

C.R. No. 62/549/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 902/2, 903/2, 904, 905, 906, 9 and 10 situated at Nilgiri Kaval Village Javagal Hovli, Arsikere TQ. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bauava, Under document No. 300 on 4-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 300 Dated 4-8-1982]
All that property S. Nos. 902/2, 903/2, 904, 905, 906, 9 and 10, of Nilgiri Kaval Grava, Javagal Hovli, Ariskere TQ.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 12-4-1983
Seal:

FORM ITNS

(1) U . S. Nagaraja Rao, U. N. Prasaba,
U. N. Mouvhakama, U. N. Bhaskara
S/o M. S. Sabharaga
Prabhakara
Uchangi Village, Resalturn Hovli,
Manjarabad TQ, Halsan Distt.

(Transferor)

(2) Mohamed Kunni, S/o Abdul Rehaman,
S-L Melhais Road,
Palukeo, Mangalore TQ.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 12th April 1983

C.R. No. 62/548/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 4, Block-B-9,

S. Nos. 1/4, 1/6, 1/5, 1/8, 2, 3, 4, 5, 6, and 55 situated at Palahalli Village, Yesalvall Hovli, Wanjawavad TQ, Hosau Ditt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sakaleshpura, under Document No. 580 on 7-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 580 Dated 7-8-82]
All that property S. Nos. 1/4, 1/6, 1/5, 1/8, 2, 3, 4, 5, 6 and 55 of Palahalli Village, Yesloor Hovli, Manjaravad, TQ, Hakau Dstt.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-4-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/8-82/726.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Risal S/o Himmat r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Navrang Commercial Co., Pvt. Ltd. 219, Chitranjan Avenue Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 Share in Agri. land measuring 12 Bighas Kh. No. 1557 min (1-4), 1558 (4-16), 1559/2 (1-10), 1560/1 (1-9), 1773 min (3-1), situated in Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983
Seal :